



माइंडफुल बाइट्स नामक एक अनूठा कार्यक्रम आयोजित

जैन धर्म में जन्म लेना केवल परंपरा का हिस्सा नहीं, बल्कि एक सौभाग्य: बबीता रायसोनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ ने हाल ही में माइंडफुल बाइट्स नामक एक अनूठा युवा कार्यक्रम आयोजित किया, जिसने बच्चों और किशोरों को प्राचीन जैन दर्शन तथा आधुनिक विज्ञान के मेल से जीवन जीने की प्रेरणा दी। यह कार्यक्रम सेवा के तत्व-त्वधान में जीतो ऑफिस, चामराजपेट में सम्पन्न हुआ। 100 से अधिक लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आरंभ नवकार मंत्र से हुआ, जिसने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। इसके बाद दीप प्रज्वलन हुआ, जिसे प्रबंध समिति की सदस्याओं और प्रशिक्षक ने मिलकर सम्पन्न किया। यह इस बात का प्रतीक था कि ज्ञान का प्रकाश ही अज्ञान का अंधकार मिटा सकता है। चेरपरसने बबीता रायसोनी ने मंच संभाला और युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जैन धर्म में जन्म लेना केवल परंपरा का हिस्सा नहीं, बल्कि एक सौभाग्य है। हमें ऐसा धर्म मिला है जिसकी शिक्षाएँ सिर्फ आस्था नहीं, बल्कि गहन वैज्ञानिक सत्य हैं और यही हमारी असली ताकत है। उन्होंने उदाहरण दिया कि आगमों ने



हजारों वर्ष पहले ही बता दिया था कि पेड़-पौधे भी जीवित प्राणी हैं, जबकि विज्ञान ने इसे केवल 200 वर्ष पूर्व स्वीकार किया। यह प्रमाण है कि जैन आचार-विचार समय की हर कसौटी पर खरे उतरे हैं। बबीता ने जोर देकर कहा कि माइंडफुल बाइट्स का उद्देश्य बच्चों को यह समझाना है कि जैन धर्म नियमों का बोझ नहीं है, बल्कि जीवन जीने की एक जीवंत गाइड है। यह हमें केवल पूजा नहीं सिखाता, बल्कि रोजमर्रा के निर्णयों और आचरण को सही दिशा देता है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपनी जड़ों पर गर्व करें और मूल्यों को ताकत बनाकर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि अगर आप अपनी पहचान पर गर्व करते हैं और अपने मूल्यों को

जिएँगे, तो पूरी दुनिया आपको पहचानने पर मजबूर होगी। उन्होंने अपने संबोधन में यह भी कहा कि जैन धर्म कोई नियमों की किताब नहीं, बल्कि जीवन जीने की वैज्ञानिक गाइड है। सत्य और दानशीलता सबसे बड़ी पूँजी है, जो कभी घटती नहीं। असली ताकत क्षमा में है, प्रतिशोध में नहीं। जब आप अपनी पहचान पर गर्व करते हैं, तो दुनिया आपको पहचानने पर मजबूर होती है। सत्र का संचालन रेखा विनोद ने किया और सह-आयोजक रेखा किशोर ने प्रशिक्षक निश्कृत जैन का परिचय कराया। निश्कृत जैन, जो मोटिवेशनल स्पीकर, टीनएज लाइफ कोच और यूथ मेंटर हैं, ने बच्चों को अपनी सरल भाषा, रोचक उदाहरणों और इंटरैक्टिव

प्रश्नोत्तरी से जोड़े रखा। उन्होंने राग यानी आसक्ति और द्वेष यानी घृणा की व्याख्या करते हुए कहा कि सत्य बोलना केवल सद्गुण नहीं, यह विश्वास अर्जित करने का सबसे व्यावहारिक साधन है। उन्होंने निर्जरा अर्थात कर्म क्षय के बारह प्रकार बच्चों के सामने रखे और उन्हें जीवन के उपकरण की तरह समझाया। उदाहरण स्वरूप अनशन यानी उपवास, एकाशन और आयंबिल, उनोदरी यानी भोजन कम करना या पसंदीदा वस्तु हटाना और प्रतिसंलिप्तता यानी इंद्रियों पर नियंत्रण रखना। भगवान महावीर के जीवन से उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि कठिन यातनाएँ झेलने के बावजूद उन्होंने प्रतिशोध नहीं लिया। धैर्य और क्षमा से उन्होंने अपने कर्म

क्षय किए। असली शक्ति प्रतिशोध में नहीं, संयम और क्षमा में है। सत्र के दूसरे भाग में किशोरों की चुनौतियों पर चर्चा हुई, जिनमें आकर्षण और क्रश, आत्मसम्मान की कमी, हीन भावना और साथियों के दबाव शामिल थे। निश्कृत ने कहा कि हर मित्र आपका कल्याण नहीं चाहता। असली मित्र वही है जो आपकी गलतियाँ बताकर सही राह पर ले जाए। उसे हम 'कल्याण मित्र' कहते हैं। उन्होंने युवाओं को यह सोचने पर मजबूर किया कि सही निर्णय केवल वही हैं जो स्वयं, परिवार और समाज के लिए हितकारी हों। बच्चों ने पूरे सत्र में ध्यानपूर्वक भाग लिया, प्रश्न पूछे, हँसे और अपने अनुभव साझा किए। अंत में उनकी आँखों में समझ और प्रेरणा की नई चमक थी। इस अवसर पर उपाध्यक्ष लता बोहरा और नीलम शांड, संयुक्त सचिव चंद्रा जैन, प्रबंध समिति की सदस्याएँ बनीता बचावत, हेमा सोलंकी, निशा कोठारी, प्रिया गांधी तथा जीतो गर्ल्स हॉस्टल सह-संयोजक चित्रा मेहता उपस्थित रहीं। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक गरिमा प्रदान की।

आपका असली जीवन साथी आपका शरीर: साध्वी शीतलगुणा

दावणगरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काइपेट दावणगरे में चतुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि घुटने छिले बगैर तो साइकिल भी सीखी नहीं जा सकती, ये तो जिंदगी है तकलीफ सहै बिना जीना कैसे आएगा? जीवन जरूर आनंद के लिए ही है इसीलिए इसे मजाक बनाकर नहीं मजे से जीना है। इस दुनिया में बाँटकर जीना सीखना है, बंटकर नहीं। जीवन वीणा की तरह है, ढंग से बजाना आ जाए तो आनंद ही आनंद है। साध्वी शीतलगुणाश्री जी ने कहा कि महापुरुषों के चरण में पुरे दुनिया का तीर्थ, व्रत होता है। शास्त्र में भी बताया गया है कि सबसे पहले परमात्मा के चरणों का ही ध्यान करना चाहिए। पुरुषार्थी व्यक्ति को अंतिम क्षण तक प्रयास करना चाहिए। हमारा पुरुषार्थ, हमारा कर्म, हमारा उद्देश्य ही सफलता का कारण बनता है। जो मनुष्य भूतकाल की चर्चा में लीन रहता है और भविष्य के सपने देखकर वर्तमान को हाथों से खोता जा रहा है वह पढ़ा लिखा होकर भी अज्ञानी और नादान है। जो समय के महत्व को नहीं जानता वह धर्म और भगवान के महत्व को भी नहीं जानता है। 100 करोड़ खोने के बाद वापस कमा सकता है परंतु एक पल खोया हुआ 100



करोड़ देकर वापस प्राप्त नहीं कर सकता। एक पल का दान तीन लोग के दान की संपत्ति से बढ़कर है। समय को रोका नहीं जा सकता, लेकिन सार्थक किया जा सकता है। जो आदमी आज का काम कल के भरोसे नहीं छोड़ता वह ज्ञानी तपस्वी पंडित और सच्चा धार्मिक है। हिंदुस्तान की जनता जितना आध्यात्मिक का ढोल पीटती है उतनी ही समय के प्रति लापरवाही करती है। साध्वी शीतल गुणा श्री ने आगे कहा कि आपका जीवन साथी कौन है?

माँ, पिता, पत्नी, बेटा, पति, बेटा, दोस्त? बिल्कुल नहीं आपका असली जीवन साथी आपका शरीर है।

एक बार जब आपका शरीर जवाब देना बंद कर देता है तो कोई भी आपके साथ नहीं है। आप और आपका शरीर जन्म से लेकर मृत्यु तक एक साथ रहते

हैं। जितना अधिक आप इसकी परवाह करते हैं, उतना ही ये आपका साथ निभाएगा। आप क्या खाते हो? फिट होने के लिए आप क्या करते हैं? आप तनाव से कैसे निपटते हैं? आप कितना आराम करते हैं? आपका शरीर वैसा ही जवाब देगा। याद रखें कि आपका शरीर एकमात्र स्थायी पता है जहाँ आप रहते हैं। आपका शरीर आपकी संपत्ति है, जो कोई और साझा नहीं कर सकता है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि साध्वीवृंद का केश लोच सानंद संपन्न हुआ। पुरुषण महापर्व की तैयारियाँ पुरजोर से चल रही है। 20 अगस्त से पुरुषण महापर्व प्रारंभ होगा। अभिषेक का लाभ मनोजकुमार जैन, तारा जैन, पूजन जैन, सिद्ध जैन, डॉक्टर पुखराज जैन परिवार ने लिया।

फ्लेम्स टू फ्रीडम में स्वतंत्रता संग्राम सुरक्षा का संदेश



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ द्वारा फ्लेम्स टू फ्रीडम नामक एक प्रेरणादायक और जागरूकता से भरपूर कार्यक्रम का आयोजन राजाजीनगर फायर स्टेशन में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वतंत्रता का संदेश देते हुए समाज में फायर सेफ्टी और सुरक्षा के महत्व को उजागर करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला अग्निशमन अधिकारी प्रदीप जी. सी. रहे।

उन्होंने फायर सेफ्टी एवं प्रिवेंशन पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया और लाइव डेमो के माध्यम से आपतकालीन परिस्थितियों में उठाए जाने वाले जरूरी कदम समझाए। उन्होंने आग से बचाव के सरल उपाय जैसे फायर एक्सटिंग्विशर का उपयोग, गैस व बिजली की सुरक्षा, धुएँ से बचाव के तरीके एवं समय रहते फायर एजेंट की जानकारी रखने पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम की शुरुआत बिंदु नाहर द्वारा प्रस्तुत स्वागत नृत्य से हुई। तत्पश्चात चेरपरसने

लक्ष्मी बाफना ने सभी अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया। इस अवसर पर जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ की ओर से सभी जांबाज फायर अफसरों को उनकी कार्यनिष्ठा एवं शौर्यता के लिए सम्मानित किया गया। इस आयोजन में कोर मेंबर्स सुमन वेदमुथा, तनुजा मेहता एवं समिति सदस्य बिंदु नाहर, नेहा भंडारी, लेखा गांधी ने सक्रिय योगदान दिया। हास्य और जागरूकता से भरपूर एक नाट्य प्रस्तुति मोना आंचलिया, सरिका जैन एवं नेहा भंडारी द्वारा प्रस्तुत की गई, जिसने उपस्थित जनों को हँसाया भी और सिखाया भी। आगामी कार्यक्रम जीतो जेवर एक्सपोजे एवं द ब्राइडल स्टोरी के बारे में भी जानकारी दी गई और सभी को इस विशेष लाइफस्टाइल प्रदर्शनी में सम्मिलित होने का निमंत्रण दिया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन चीफ सेक्रेटरी रक्षा छाजेड़ ने किया। उन्होंने सभी सदस्यों के सहयोग और समर्पण की सराहना की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चतुर्मास हेतु विराजित मुनिराज श्री मलयप्रभ सागर जी ने अपने प्रवचन में कहा कि हर व्यक्ति को प्रारंभिक रूप में कुछ सीखना होता है जो कि जीवन में धर्म के लिए भूमिका तैयार करता है। प्रारंभिक रूप से किया जाने वाला धर्म है। उसके पश्चात आध्यात्म में हम प्रवेश करते हैं। बच्चा जब जन्म लेता है तब अपने आत्म स्वरूप में आता है। जब परिवार और कर्मों का सहयोग आत्मा को मिलता है तब उसे धर्म की सीढ़ी मिलती है। अध्यात्म में प्रवेश करने से पहले उसे धर्म को ग्रहण करना होता है। धर्म हमारे चारों तरफ सुरक्षा चक्र बनाता है, जो कि हमारी बाहर की बातों से सुरक्षा करता है। धर्म हमें बंधन में लाने की शुरुआती भूमिका निभाता है और बांधने के बाद आध्यात्म हमें मुक्ति दिलाने का कार्य करता है। हमारी आत्मा के विकास का कार्य आध्यात्म करता है। परमात्मा ने बताया कि 22 परिषदों को सोचकर, जानकर और उनको आचरण में उतार कर एवं उन्हें जीतकर हमारे कर्मों को परास्त करना है। यही सम्यक दर्शन, ज्ञान, चरित्र और तप है। धर्म और आध्यात्मिक की भेद रेखा हमें जाननी और समझनी है। हम श्रावक जीवन में रहकर भी आध्यात्म में जी सकते हैं। हमारा जीवन अभी देह केंद्रित है और उसे आत्म केंद्रित बनाना है। जब यह देह से ऊपर उठकर आत्म केंद्रित हो जाएगा उस दिन हमें आत्मा का सही बोध हो जाएगा। परमात्मा के दर्शन करते समय हमें परमात्मा का समाधि रस देखना है और अनादि काल से भूल चुके आत्म दर्शन को पुनः देखना है और उसे समझ कर उसका अहसास करना है। इस जीवन में हमें देह तक सीमित नहीं रहकर आध्यात्म में जाना है।

संविधान की धार मर्यादाओं का हो आधार विषय पर प्रतियोगिता का भव्य आगाज



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के तत्वावधान में अणुव्रत समिति विजयनगर बेंगलूरु द्वारा कर्नाटक स्तरीय अणुव्रत क्रिएटिविटी कांटेस्ट 2025 का ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन तेरापंथ भवन विजयनगर और अहम भवन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बच्चों ने अणुव्रत गीत द्वारा किया। समिति अध्यक्ष महेन्द्र टेबा ने सभी का स्वागत किया। सर्व प्रथम साध्वी संयमलता जी ने मंगल उद्बोधन देकर सभी बच्चों को नैतिकता प्रमाणिकता पर जीवन यापन करने का उद्बोधन दिया व बच्चों को अणुव्रत संकल्प भी करवाया। इस आयोजन में 150 विद्यार्थी, जो जिले से पधारे, जिसमें संगीत भाषण, चित्रकला निबंधन, काव्य रचना प्रतियोगिता रहा। विश्व भारती सोसायटी के राष्ट्रीय संगठन मंत्री एवं क्रिएटिविटी कान्टेस्ट एसीसी 2025 के राष्ट्रीय संयोजक राजेश चावत ने देश भर में चलने वाले प्रतियोगिता के बारे में जानकारी दी एवं कहा कि पूरे देश भर में 3175 स्कूल का रजिस्ट्रेशन हुआ है। 25 राज्य में एवं कॉन्फिडेंशन हो रहा है। नेशनल प्रतियोगिता सितंबर 9, 10 को अहमदाबाद

में होगा। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कैलाश बोराण ने कहा कि नवगठित समिति होते हुए भी इतना बड़ा कार्यक्रम किया, इसके लिए सभी को बधाई। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने सभी को बधाई दी व इस आयोजन की भूरी भूरी प्रशंसा की। समिति उपाध्यक्ष पारस दक, सह मंत्री श्रीनिवास, संगठन मंत्री सम्पत चावत, कोषाध्यक्ष आलोक गंग, सलाहकार राकेश दुधोडिया, कार्यसमिति सदस्य संजय पितलिया, भूराराम सिरवी, दीपक भुरा, मनोज सेठिया, धनराज छजेड़, नवरत्न बैद, कुमार, ऋषभ बरडिया, सीमा टेबा, सेंट्रल टीम से सोनल कोठारी, गौतम आच्छा, शांति सकल्लेकर, कविता जैन, सुमित्रा बरडिया, भानुप्रिया, पवन द्राड़ का विशेष सहयोग रहा। तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष विकास बाठिया, महिला मंडल अध्यक्ष महिमा पटवारी, अहम मित्र मंडल के अध्यक्ष बहादुर सेठिया, गांधीनगर समिति उपाध्यक्ष चन्द्रशेखरैया, मंत्री लाभेश कांसाव और अनेक गणमान्य पदाधिकारी कार्यकारणी निर्णायक गण सदस्य उपस्थित रहें। सफल संचालन राजेश चावत व मंत्री अरिहंत कवाड़िया ने किया।

अश्विन सेमलानी ने मंत्री जोराराम कुमावत से मुलाकात कर विभिन्न मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण पश्चिम रेलवे बेंगलूरु के डिवीजन रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति सदस्य अश्विन सेमलानी ने राजस्थान सरकार के पशुपालन एवं डेयरी विभाग, गोपालन विभाग व देवस्थान विभाग कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत से मुलाकात कर आमजन की विभिन्न समस्याओं के शीघ्र अतिशीघ्र निवारण की मांग की।

उन्होंने कहा कि सुमेरु शहर सहित आसपास के हजारों प्रवासी बेंगलूरु व्यापार के लिए आते-जाते हैं और प्रतिदिन ट्रेनों को जवाईबांध रेलवे स्टेशन पर ठहराव नहीं होने से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है। जवाईबांध रेलवे स्टेशन पर नियमित ट्रेनों का



ठहराव होने से प्रवासी भाईयों को अपने गांव आने-जाने पर सुविधा

हो इसके लिए जोधपुर-बेंगलूरु 16507 ट्रेन का प्रतिदिन

जवाईबांध रेलवे स्टेशन पर ठहराव हो व मैसूर जाने वाली ट्रेन का ठहराव जवाईबांध पर हो। वहीं सुमेरुपर विधानसभा क्षेत्र के बिटुडा-पिरान गांव में पानी के लिए पाईपलाइन सहित गैस लाइन डलवाने एवं चाणौद से वाया बिटुडा-पिरान-बालराई को मैगा हाईवे से जोड़ने की मांग की जा रही है। क्योंकि यहां आइमाता का प्राचीन मंदिर भी स्थित है, वहां तक पहुंचने में आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सेमलानी ने मंत्री से आमजन की उक्त समस्याओं का शीघ्र समाधान करवाने का आग्रह किया। उन्होंने आगामी 29 अगस्त को बिटुडा-पिरान में निर्धारित वर्षादान के वरगोड़ा के लिए भी मंत्री को आमंत्रित किया।

79वे स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में प्रशमंच प्रतियोगिता का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

79वे स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, बेंगलूरु द्वारा 'अमृत काल का भारत' प्रशमंच प्रतियोगिता का आयोजन दो चरणों में किया गया। पहला चरण ऑनलाइन से 4 अगस्त को किया गया, जिसमें बैंक के स्थानीय प्रधान कार्यालय, सीएओ तथा मंडल के 7 प्रशासनिक कार्यालयों के कुल 200 से भी अधिक स्टाफ-सदस्यों ने सहभाग किया। पहले चरण की प्रतियोगिता में स्थानीय प्रधान कार्यालय, सीएओ तथा मंडल के 7 प्रशासनिक कार्यालयों के स्टाफ-सदस्यों में से उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले दो स्टाफ-सदस्यों का चयन कर कुल 9 टीम बनाए गए। दूसरे चरण की प्रतियोगिता का आयोजन ऑफलाइन से स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर 14 अगस्त 2025 को दोपहर 3 बजे स्थानीय प्रधान कार्यालय के सभागृह में किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उप महाप्रबंधक एवं मंडल विकास अधिकारी



बालसुब्रमण्यन आर उपस्थित रहे। सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) कॉगे दत्तात्रेय राव ने सभी का स्वागत किया। बालसुब्रमण्यन ने अपने उद्बोधन में कहा कि बैंकिंग कार्यों की व्यस्तता के बीच इस तरह के कार्यक्रम होने ही चाहिए, जहां हमें किज के माध्यम से अपने स्वतंत्रता सेनानियों, संस्कृति, कला, विरासत आदि को याद करने का अवसर मिलता है।

दूसरे चरण की इस प्रतियोगिता में नौ टीमों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में 8 राउंड यथा छवि छपाक, पाँच पहचान, नम्मा नाडु नम्मा हेम्मे, सही या गलत, मेरी आवाज

सुनो, भारत के महापुरुष, फिल्मी फिल्मी और रेपिड फायर रखे गए। इस प्रतियोगिता में से सर्वाधिक अंकों के साथ विजयी पाँच टीमों को सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) द्वारा प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार एवं दो प्रोत्साहन पुरस्कार दिए गए। प्रशमंच के दौरान दर्शकों से भी प्रश्न पूछे गए और सही उत्तर देने वाले दर्शकों को पुरस्कार दिए गए। किज का संचालन शिव कुमार सिंह द्वारा किया गया और स्कोरर रहे लक्ष्मी आर, मुख्य प्रबंधक एवं एच आर के प्रसाद। केएन श्रीनिवास ने किज आयोजित करने में आवश्यक सहयोग प्रदान किया।

कहा कि तुमकुर-बेंगलूर मार्ग पर और अधिक रेल सेवाएँ प्रदान की जानी चाहिए। तुमकुर से खाना हमें वाली मेमो ट्रेन यशवंतपुर तक है। यात्रियों की सुविधा के लिए इसे रायना स्टेशन तक बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने मंत्री से अनुरोध किया कि तुमकुर से आने-जाने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ रही है और आवश्यकतानुसार अतिरिक्त रेल सेवाएँ प्रदान की जानी चाहिए। इससे पहले, मंत्री ने यात्रियों के प्रतिभाषाशाली छात्रों को सम्मानित किया।



कर्नाटक में दो साल में हृदयाघात से होने वाली मौतें तीन गुना बढ़ीं

सरकार ने चिंता जताई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य स्वास्थ्य विभाग के चौकाने वाले नए आंकड़ों के अनुसार, कर्नाटक में केवल दो वर्षों में हृदयाघात से होने वाली मौतों में लगभग तीन गुना वृद्धि हुई है। डॉ. पुनीत राजकुमार हृदय ज्योति योजना के तहत दर्ज आंकड़ों में भारी वृद्धि देखी गई है, 2023-24 में 229 मौतों से बढ़कर 2024-25 में 608 हो गई।

इस योजना के तहत महत्वपूर्ण ईसीजी जांचों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जो इसी अवधि में 2,489 से बढ़कर 6,767 हो गई है। ये आंकड़े स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने विधान परिषद के चल रहे मानसून सत्र के दौरान साझा किए। हालांकि, ये आंकड़े तस्वीर का केवल एक हिस्सा ही दर्शाते हैं। स्वास्थ्य विभाग वर्तमान में राज्य में दर्ज किए गए हृदयाघातों या योजना के बाहर हृदय संबंधी मौतों की कुल संख्या का समेकित डेटा नहीं रखता है, क्योंकि ऐसी घटनाओं को पहले सूचित बीमारी



के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया है। यह स्थिति बदलने वाली है। इस साल जुलाई में, स्वास्थ्य मंत्री ने घोषणा की थी कि अस्पतालों के बाहर होने वाली सभी हृदयाघात से संबंधित मौतों को अब सूचित माना जाएगा - जिसका अर्थ है कि सरकार को उनकी रिपोर्ट करनी होगी और उन पर नजर रखनी होगी। इस घोषणा के बावजूद, इस संबंध में कोई औपचारिक सरकारी आदेश अभी तक जारी नहीं हुआ है। यह कदम कर्नाटक में, खासकर युवाओं में, अचानक हृदयाघात की घटनाओं में वृद्धि को लेकर बढ़ती चिंता के बाद उठाया गया है। 45 वर्ष से कम आयु के लोगों में हृदय संबंधी मौतों की जाँच के लिए

एक समिति का गठन किया गया है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने कहा है कि रिपोर्ट किए गए हृदयाघात के 75 प्रतिशत से ज्यादा मामले ऐसे मरीजों से जुड़े हैं जिनमें हृदय संबंधी कई जोखिम कारक होते हैं।

आँकड़ों से वाकिए एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा इनमें सबसे महत्वपूर्ण योगदान मोटापा, अत्यधिक शराब का सेवन, धूम्रपान और उच्च रक्तचाप का है। बढ़ते संकट के जवाब में, राज्य नए निवारक उपायों पर विचार कर रहा है। ऐसा ही एक कदम प्रमुख सामुदायिक समूहों में सीपीआर प्रशिक्षण का विस्तार करना है। अधिकारी ने कहा हम जिम

प्रशिक्षकों के साथ-साथ स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों और शिक्षकों को भी सीपीआर प्रशिक्षण में शामिल करने पर विचार कर रहे हैं।

सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए भी काम कर रही है कि जिम, शॉपिंग मॉल और अन्य भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर स्वचालित बाह्य डिफाइब्रिलेटर (एईडी) लगाए जाएं - ये पोर्टेबल उपकरण हृदयाघात की आपात स्थिति में जीवन रक्षक सहायता प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। अक्टूबर 2023 में शुरू की गई, डॉ. पुनीत राजकुमार हृदय ज्योति योजना की स्थापना विशेष रूप से महत्वपूर्ण 'गोल्डन ऑवर' के दौरान, दिल के दौरों या अचानक हृदय संबंधी घटनाओं से पीड़ित व्यक्तियों को आपातकालीन हृदय देखभाल प्रदान करने के लिए की गई थी। यह पहल हब-एंड-स्पोक मॉडल पर आधारित है, जहाँ 16 प्रमुख सुपर-स्पेशलिटी अस्पताल - जिनमें बेंगलूरु, मैसूरु और कलबुर्गी स्थित जयदेव इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोवैस्कुलर

साइंसेज एंड रिसर्च शामिल हैं - हब के रूप में कार्य करते हैं, जबकि 85 जिला और तालुका अस्पताल स्पोक के रूप में कार्य करते हैं। मरीजों को पहले स्पोक केंद्रों में प्राथमिक देखभाल मिलती है और यदि उन्नत उपचार की आवश्यकता होती है, तो उन्हें हब में रेफर किया जाता है। इस योजना की एक प्रमुख विशेषता टेनेक्टेप्लेस का निःशुल्क प्रावधान है, जो एक जीवन रक्षक थक्का-रोधी इंजेक्शन है, जिसकी कीमत आमतौर पर 45,000 रुपये तक होती है। इससे गंभीर उपचार, विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में, अधिक सुलभ हो गया है। नवीनतम आंकड़ों ने स्वास्थ्य पेशेवरों और नीति निर्माताओं, दोनों के बीच चिंताएँ पैदा कर दी हैं। जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों में वृद्धि और 45 वर्ष से कम आयु के लोगों को भी अचानक हृदय संबंधी मौतों के प्रभावित होने के साथ, विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि तत्काल निवारक उपाय नहीं किए गए, तो कर्नाटक को हृदय संबंधी स्वास्थ्य संकट का सामना करना पड़ सकता है।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

माली (सैनी) समाज (कर्नाटका) बेंगलूरु (रजि) के तत्वावधान में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव पैलेस ग्राउंड स्थित द ग्रेंड कैस्टल में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर महामंडलेश्वर श्रीश्री 1008 चेतनगिरी जी का पावन सानिध्य प्राप्त हुआ। पूजा अर्चना के बाद स्वागत समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें अतिथियों एवं भामाशाहों का भावभीना अभिनन्दन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान कांग्रेस के युवा नेता राजेश गहल-ोत उपस्थित रहे। गहलोत ने इस अवसर पर समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि समाज को आगे

बढ़ाने के लिये प्रत्येक बन्धु को आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भी इतनी बड़ी संख्या में माली (सैनी) समाज के बन्ध-ुओं को देखेख तथा आपसी स्नेह भाव देखकर अत्यंत खुशी हुई।

कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष सज्जनराज साँखला, प्रकाश तंवर, सुगनचंद चौहान, रघाराम साँखला, उत्तम पंवार, कालूराम बागड़ी, ओगड राम चौहान, पवन भाटी, सोहनलाल साँखला, जगदीश चौहान, गुलाबचंद सुदेशा, जबराराम सोलंकी, अशोक सुदेशा, ईश्वरलाल सुदेशा, चेतनप्रकाश चौहान, मोहनलाल गोयल, नगीन चौहान, वरदीचंद देवड़ा, कालूराम दादी टाक, दलाराम साँखला, सुखराज

चौहान, हापुराम चौहान, दिनेश चौहान, रमेश कच्छवाह, पुखराज पालड़िया, श्रवण भाटी, शैतानराम दादी, सम्पतराम भाटी सहित सभी समाज बन्धु उपस्थित रहे। कोषाध्यक्ष कालूराम बागड़ी एवं सह कोषाध्यक्ष थानाराम भाटी ने वार्षिक लेखा जोखा प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में समाज के युवा संगठन एवं महिला मंडल ने सराहनीय सेवा प्रदान की। नव नियुक्त युवा संगठन के अध्यक्ष नन्दकिशोर सोलंकी ने समाज सेवा का संकल्प ग्रहण किया। इस अवसर पर महाप्रसादी का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन रूपेश सोलंकी ने किया।

कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव धूमधाम से मनाया

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चामुंडी पहाड़ी की तलहटी स्थित मैसूरु पिंजरापोल सोसायटी परिसर में शनिवार रात को कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव मनाते हुए रात्रि भजन संध्या का आयोजन गुजरात राज्य में डिसा तहसील के गांव रामपुरा मठ (जागीर) के मठाधिपति महंत रूपपुरी के सानिध्य में किया गया।

सर्व प्रथम सोसायटी में स्थापित कृष्ण भगवान के मंदिर की विशेष सजावट कर विधिवत पूजा अर्चना कर ज्योत प्रचलित की गई। भजन कलाकार जेदू सिंह राठोड़ एवं समूह ने मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों पर भक्त भावविभोर होते हुए देर रात तक जमकर नाचे। पिंजरापोल के



पदाधिकारियों की ओर से संत का सम्मान कर स्मृति चिन्ह के रूप में गौ माता की प्रतिमा भेंट की गई। इस अवसर पर सोसायटी के अध्यक्ष सुमतिलाल पगारिया, उपाध्यक्ष विनोद बाकलीवाल, सचिव विनोद खाबिया, सहसचिव

सुरेंद्र जैन, सदस्य मोडाराम पुरोहित, मंगलाराम कालेली, समाजसेवी प्रवीण हरण, महेंद्र सिंह राजपुरोहित, मनोहर सिंह बालावत, भानसिंह दहिया सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने श्रीक्षेत्र धर्मस्थल मामले में शिकायतकर्ता और शिकायतकर्ता के पीछे के लोगों की गहन जाँच की माँग की है। यहाँ मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने शनिवार रात एक बयान दिया था और कहा था कि वह किसी भी कारण से एसआईटी का गठन नहीं करेंगे। अगले ही दिन, यानी रविवार सुबह, उन्होंने एसआईटी के गठन पर बयान दिया। उन्होंने बताया कि उन्होंने सदन में सवाल उठाया था कि किसने मुख्यमंत्री पर रातोंरात अपना रुख बदलने के



लिए दबाव डाला। उन्होंने कहा कि सदन को उन संगठनों के बारे में बताया जाना चाहिए, जिन्होंने उन पर दबाव डाला था। मुख्यमंत्री जवाब दें। धर्मस्थल मामले में नकाबपोश व्यक्ति ने खूब प्रचार

किया था और राज्य सरकार ने तो एसआईटी गठित करने की भी बात कही थी। जाँच के साथ-साथ, पिछले 2-3 हफ्तों से धर्मस्थल और श्री मंजुनाथेश्वर के निर्वाचन क्षेत्र के बारे में काफी

गलत जानकारी फैलाई जा रही थी। उन्होंने बताया कि इस पर न केवल राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा हुई।

अब यह ज्ञात है कि नकाबपोश व्यक्ति ने किसी समूह के दबाव में यह बयान दिया था। एसआईटी के गठन के बाद फैलाई गई गलत सूचना के कारण करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाएँ आहत हुई हैं। उन्हें ठेस पहुँची है। राज्य सरकार की कार्रवाई 'हिट एंड रन' नहीं होनी चाहिए। चाहे शिकायतकर्ता हों, शिकायतकर्ता के पीछे के प्रभावशाली लोग हों, चाहे वामपंथी संगठन हों, इन सभी के खिलाफ व्यापक जाँच की जाए।

कुछ लोग संगठित होकर धर्मस्थल के खिलाफ चर्चा कर रहे हैं। इस अवसर पर, उन्होंने हमारे राष्ट्रीय संगठन महासचिव संतोष के बारे में घटिया बातें कहीं। आरएसएस, प्रचारकों और संतोष ने ऐसे बयान दिए हैं, जिससे राज्य के कई स्वयंसेवकों को, जिनमें मैं भी शामिल हूँ, ठेस पहुँची है। उन्होंने कहा कि जब प्रचारक आरएसएस का अपमान कर रहे हैं, तो राज्य सरकार को चुप नहीं बैठना चाहिए। राज्य सरकार को इस संबंध में उचित कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि धर्मस्थल के मामले में किसी व्यक्ति को शर्मिंदा करना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भगवान कृष्ण का गौ प्रेम मानव जाति के लिए प्रेरणा

बेंगलूरु/शुभ लाभ

ब्यूरो। प्रभु पद गौशाला में कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया। बड़ी संख्या में कृष्ण भक्तों ने पहुंचकर भगवान के दर्शन कर अभिषेक किया एवं आरती में भाग लिया। बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति से उपस्थित जनों का मनमोहा। इस्कों के कलाकारों ने भजनों की प्रस्तुति दी। जिससे भक्त मंत्र मुग्ध होकर देर रात तक घूमते रहे। गौशाला के प्रमुख आनंद कृष्ण दास ने कृष्ण महिमा का वर्णन किया। जिससे श्रोता भाव विभोर



हो गए। महेंद्र मुणोत ने भगवान के दर्शन कर अपने वक्तव्य में कहा भगवान कृष्ण का गौ प्रेम मानव जाति के लिए प्रेरणा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चों ने भगवान कृष्ण का वेष धारण कर उपस्थिति दर्ज की। विजेता प्रतिभागियों को आनंद कृष्ण दास एवं महेंद्र मुणोत ने पुरस्कृत किया।

गोपाल को गुड़ रोटी नामक अनुपम पहल के माध्यम से सेवा

हुब्ल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, हुब्ल्ली के तत्व-व्याधान में पूज्य गुरुदेव मधुर व्याख्यानि मुनि नवीनप्रज्ञ जी महाराज के पावन सानिध्य में चल रहे चातुर्मास के दौरान, संघ द्वारा संचालित किशोर मंडल ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर युवा मन - जैन धर्म संघ कार्यक्रम के अंतर्गत एक विशेष सेवा गतिविधि का आयोजन किया। इस अवसर पर गोपाल को गुड़ रोटी कार्यक्रम के माध्यम से समाज के प्रत्येक घर से गुड़ और रोटी एकत्र की गई। समाजजनों ने इस पुनीत कार्य में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके पश्चात किशोर



मंडल के युवा साथियों ने शहर की विभिन्न गौशालाओं पिंजराप-लेल गौशाला, शांतिनाथ गौशाला तथा विश्व हिंदू परिषद द्वारा संचालित गौशाला जाकर गायों को श्रद्धापूर्वक गुड़ और रोटी अर्पित की। यह पहल सेवा, भक्ति और परंपरा का सुंदर संगम बन

गई। युवाओं ने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का स्मरण करते हुए कर्म, करुणा और संस्कृति को आत्मसात किया तथा गौ सेवा के माध्यम से जन्माष्टमी को सार्थक बनाया। इस सेवा कार्य में मंडल अध्यक्ष विनीत गोलेच्छा, कार्यदर्शी अक्षय गोगड़, वैभव

करारिया, तुषार डागा, निरवान कवाड़, संभव बाफना, नमन डंक, ऋषभ छाजेड़, वंश साकरिया, अवनत सुराणा, संयम भुरट, एवंत सुराणा, प्रेम बोहरा, केतन डंक, मीत श्रीश्रीमाल, प्रथम भुरट सहित अन्य किशोर मंडल के सदस्यों ने भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के अंत में विश्व हिंदू परिषद धारवाड़ विभाग के गौ रक्षा प्रमुख विजय क्षीरसागर ने किशोर मंडल के सभी युवाओं की सराहना करते हुए उनका आभार प्रकट किया और कहा कि ऐसी पहलें न केवल धार्मिक भावना को जाग्रत करती हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा और संस्कारों का संचार भी करती हैं।

गणेश भगवान की मूर्ति बनाने की कार्यशाला आयोजित



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री भगवान मारुति मंदिर वसंत नगर में वनबंधु परिषद महिला समिति ने इको फ्रेंडली मिट्टी के गणेश बनाने की फ्री कार्यशाला आयोजित की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय समिति से सारिता भंसाली और बेंगलूरु समिति से अध्यक्ष कांता काबरा सहित लगभग 9 सदस्यों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंदिर के ट्रस्टी रविशंकर और प्रकाश का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। प्रशिक्षक

आदित्य कुमार ने सभी को मिट्टी से गणेश बनाना सिखाया। लगभग 35 बच्चों और 15 बड़ों ने अपने हाथों से गणेश भगवान की मूर्ति बनाई। सभी के चेहरे पर स्वयं का बना हुआ गणेश घर ले जाने की खुशी साफ-साफ दिख रही थी। यह कार्यक्रम अपनी संस्कृति और सामाजिक भाईचारे को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बहुत ही सफल रहा। अंत में सभी ने मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ किया और आरती कर के प्रसाद भी लिया।

सप्ताहांत में नंदी हिल्स में उमड़ा पर्यटकों का सैलाब

चिक्कबल्लपुर/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल नंदीगिरी धाम में सप्ताहांत की पूर्व संध्या पर बड़ी संख्या में पर्यटक उमड़ पड़े। बादलों और बूंदबांदी के बावजूद, राजधानी बेंगलूरु समेत देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में पर्यटक नंदीगिरी पहाड़ी के मनोरम दृश्य का आनंद लेने के लिए पहुंचे। नतीजतन, नंदीगिरी पहाड़ी पर हर तरफ लोगों का सैलाब उमड़ पड़ा। बताया जा रहा है कि रविवार को 10,000 से ज्यादा पर्यटक पहुंचे थे। भारी यातायात के कारण धाम मार्ग पर घंटों जाम लगा रहा, जिससे पर्यटकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कर्मचारियों को प्रवेश टिकट बाँटने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। भारी बारिश की परवाह किए बिना पर्यटक पहाड़ी पर चढ़ते देखे गए।

भारी बारिश के कारण डीके के स्कूलों, उडुपी के पीयू कॉलेजों और आईटीआई में छुट्टी

मैंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बंगाल की खाड़ी में बने दबाव के क्षेत्र और भारी वर्षा के पूर्वानुमान के कारण, दक्षिण कन्नड़ (डीके) जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों, प्राथमिक और उच्च विद्यालयों, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी शैक्षणिक संस्थानों में सोमवार को अवकाश घोषित कर दिया गया।

अभिभावकों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि बच्चे निचले इलाकों, झीलों, समुद्र तटों



और नदी के किनारों पर न जाएँ। मछुआरों को भी पानी में न जाने

की चेतावनी दी गई है। तालुका स्तर के अधिकारियों को

मुख्यालय में अनिवार्य रूप से रहने के लिए कहा गया है। जिला

प्रशासन द्वारा विभिन्न पदों पर नियुक्त नोडल अधिकारियों को सतर्क रहने और जनता की शिकायतों का जवाब देने के लिए कहा गया है।

तहसीलदार को लगातार संपर्क में रहने के निर्देश दिए गए हैं। एहतियाती उपाय के तौर पर, निवासियों और पर्यटकों दोनों को समुद्र तटों, नदियों और झरनों के पास जाने से सख्त मना किया गया है और इन क्षेत्रों में तस्वीरें और वीडियो लेने से मना किया

गया है। आपातकालीन सेवा टोल-फ्री कंट्रोल रूम नंबर 1077, टेलीफोन नंबर 0824-2442590 पर उपलब्ध है। इसी तरह, उडुपी की उपायुक्त स्वरूपा टीके ने जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों, प्राथमिक और उच्च विद्यालयों, पीयू कॉलेजों और आईटीआई संस्थानों में अवकाश की घोषणा की है। उडुपी में रविवार से भारी बारिश हो रही है और अगले पाँच दिनों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है।

शुभांशु शुक्ला ने की मोदी से मुलाकात



नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से हाल ही में लौटे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने सोमवार शाम को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने श्री मोदी को अपनी अंतरिक्ष यात्रा के बारे में जानकारी दी।

गौरलभ है कि श्री शुक्ला रविवार सुबह अमेरिका से नयी दिल्ली पहुंचे थे।

वतन वापसी पर उनका दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर ढोल नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत हुआ। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) प्रमुख वी नारायणन समेत बड़ी संख्या में लोग उनके स्वागत के लिए हवाई अड्डा पहुंचे थे। श्री शुक्ला की पत्नी कामना और पुत्र कियाश भी उनका

स्वागत करने के लिए हवाई अड्डा पर मौजूद थे। श्री शुक्ला की करीब एक साल बाद वतन वापसी हुयी है। आईएसएस जाने के लिए उन्होंने लगभग एक साल तक अमेरिका में प्रशिक्षण लिया था।

श्री शुक्ला के साथ ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर भी भारत लौटे, जिन्हें एक्सओम-4 मिशन के लिए बैकअप अंतरिक्ष यात्री के तौर पर चुना गया था।

श्री शुक्ला आईएसएस पर जाने वाले पहले भारतीय नागरिक हैं।

सरकार ने सोमवार को लोकसभा में श्री शुक्ला की उपलब्धियों पर एक विशेष चर्चा का प्रस्ताव रखा।

लोकसभा में चर्चा का विषय अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भारत का पहला अंतरिक्ष यात्री-विकसित भारत 2047 के लिए अंतरिक्ष कार्यक्रम की भूमिका था।

दमरे महाप्रबंधक ने की ट्रेन संचालन की सुरक्षा की समीक्षा



हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार, 18 अगस्त 2025 को, रेल निलयम, सिकंदराबाद में ट्रेन संचालन की सुरक्षा को लेकर एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। इस बैठक में अपर महाप्रबंधक सत्य प्रकाश और विभाग के प्रमुखों के साथ सभी छह डिवीजनों - विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुए।

श्री श्रीवास्तव ने बुनियादी ढाँचे के विकास कार्यों, जैसे कि नई पटरियाँ बिछाने और सिग्नल संबंधी कार्यों के दौरान सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने पर जोर दिया। उन्होंने दोहराया कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए शॉर्टकट तरीकों से पूरी तरह बचना चाहिए।

महाप्रबंधक ने ट्रेनों के सुचारू संचालन और

अग्निशामक यंत्रों जैसे सभी सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ज़ोन भर में चलाए जा रहे विभिन्न सुरक्षा अभियानों की भी समीक्षा की। उन्होंने कर्मचारियों के काम के घंटों पर भी चर्चा की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे एक व्यवस्थित अध्ययन करें और एक विस्तृत कार्य योजना बनाएँ, जिसमें ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारियों को उचित समय और अंतराल पर आराम देने पर ध्यान केंद्रित किया जाए।

इसके बाद, दक्षिण मध्य रेलवे के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक चेतना नंद सिंह ने 18 अगस्त से 17 नवंबर, 2025 तक ज़ोन में चलाए जा रहे सतर्कता जागरूकता अभियान पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी। उन्होंने अभियान के दौरान कवर किए जाने वाले विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से बताया, जिसमें मुख्य फोकस परिसंपत्ति प्रबंधन और डिजिटल पहलों पर रहेगा।

संतोष कुमार वर्मा ने हैदराबाद मंडल रेल प्रबंधक का पदभार संभाला

हैदराबाद, 18 अगस्त

(शुभ लाभ ब्यूरो)।

संतोष कुमार वर्मा ने सोमवार, दि. 18 अगस्त 2025 को, दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) का कार्यभार संभाल लिया है। वह भारतीय रेलवे भंडार सेवा (आईआरएसएस) के 1995 बैच के अधिकारी हैं।

यह नई जिम्मेदारी संभालने से पहले, वह भारत सरकार के उपभोक्ता मामले मंत्रालय में संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत थे।

श्री वर्मा ने मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमएमएमयूटी) से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग (बीई) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), कानपुर से एम.टेक की डिग्री प्राप्त की है। अपने करियर के दौरान, उन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है, जिनमें दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर के वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक, रेलवे विद्युतीकरण के लिए केंद्रीय संगठन (सीओआई), प्रयागराज के उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, अनुसंधान, विकास और मानकीकरण संगठन (आरडीएसओ), लखनऊ के निदेशक/भंडार, उत्तर पश्चिम रेलवे, अजमेर के मुख्य सामग्री प्रबंधक, और दक्षिण पश्चिम रेलवे के हुबली मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक शामिल हैं। उन्होंने इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी), हैदराबाद; आईएनएसईआई सिंगापुर; और आईसीए-लआईएफ मलेशिया जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से सार्वजनिक नीति प्रबंधन का भी प्रशिक्षण लिया है।



मारवाड़ी-गुजराती गए तो भीख मांगेगा तेलंगाना

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय ने जताई तीखी प्रतिक्रिया

हम ऐसे तत्वों को कतई नहीं बख्खेंगे: राजा सिंह

हैदराबाद, 18 अगस्त (एजेंसियां)।

तेलंगाना में शुरू हुए मारवाड़ी-गुजराती विरोधी अभियान के खिलाफ तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। भाजपा ने इसे कांग्रेस, एआईएमआईए और बीआरएस की साजिश बताया है और इसके प्रतिकार में समानांतर आंदोलन चलाने की चेतावनी दी है। प्रखर हिंदूवादी नेता एवं विधायक टी राजा सिंह ने भी इस अभियान को ओछी हरकत बताया है और कहा है कि ऐसी हरकतें करने वालों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई कराने की कोशिश की जाएगी। टी राजा सिंह ने कहा, यहां से मारवाड़ी और गुजराती समाज के लोग गए तो

तेलंगाना भीख मांगेगा।

उल्लेखनीय है कि तेलंगाना में इन दिनों मारवाड़ी गो बैक का नारा देकर बवाल मचाया जा रहा है। इस अभियान में मारवाड़ी व्यापारियों के काम-धंधों पर हमला करते हुए उन्हें वापस लौटने को कहा जा रहा है। मारवाड़ियों पर स्थानीय व्यापारिक कारोबार छीनने से लेकर नकली सामान बेचने तक का आरोप लगाए जा रहे हैं।

भाजपा सहित हिंदूवादी नेता लगातार इस अभियान का विरोध कर रहे हैं। भाजपा नेता बंडी संजय कुमार ने इसे कांग्रेस-एआईएमआईएम-बीआरएस की चाल बताई और कहा कि यह हिंदू समुदाय को बांटने की कोशिश है। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि अगर इस तरह की हरकतें बंद नहीं हुईं तो भाजपा रोहिंग्या वापस जाओ आंदोलन चलाएगी। बंडी संजय ने कहा कि यह शर्म की बात है कि लोग उन बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं पर

चुप हैं जो अवैध रूप से रह रहे हैं और समाज के लिए खतरा बने हुए हैं। लेकिन वे उस मारवाड़ी समुदाय को निशाना बना रहे हैं, जिसने तेलंगाना की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में योगदान दिया है और कभी भी राज्य को लूटा नहीं। उन्होंने कहा कि हैदराबाद का पुराना शहर आईएसआई का अड्डा बन चुका है और यहां असंख्य रोहिंग्या छिपे हुए हैं।

बंडी संजय ने आरोप लगाया कि कुछ खास व्यवसायों को खास लोगों से छीना गया है। नईम मटन शॉप और सलीम ड्राई क्लीनिंग शॉप जैसे नाम इस बात का सबूत हैं। जिन कार्यों को हिंदू खटीक समाज (मटन की दुकानें) और रजक समाज (ड्राई क्लीनिंग) करते थे, अब वे एक विशेष वर्ग (मुस्लिम वर्ग) के हाथों में चले गए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि इस पर ये लोग चुप क्यों हैं? उन्होंने कहा कि मारवाड़ी समाज ने कभी भी सत्ता का

लालच नहीं किया, बल्कि वे राज्य की तरक्की में भागीदार बने हैं तो फिर उन्हें तेलंगाना क्यों छोड़ना चाहिए?

हिंदूवादी नेता विधायक टी राजा सिंह ने कहा कि जिस मारवाड़ी समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है वह समुदाय राज्य की जीडीपी में सबसे अधिक योगदान देता है। राजा सिंह ने कहा, मारवाड़ी समाज को बदनाम करने वालों को हम नहीं बख्खेंगे। ऐसे लोगों को कानून के तहत जेल भेजा जाएगा। मारवाड़ी, गुजराती और राजस्थानी समुदाय तेलंगाना के विकास में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। इनके पूर्वज यहीं पैदा हुए थे और यहीं बस गए। इन समुदायों ने मेहनत से व्यापार खड़ा किया है। आज ये राज्य की अर्थव्यवस्था और जीडीपी को मजबूती देने वाले मुख्य स्तंभ हैं। हाल ही में कुछ लोग इन्हें निशाना बना रहे हैं। उन्हें बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं। यह पूरी तरह गलत है और इसे कभी स्वीकार नहीं किया जाएगा।

राजा सिंह ने कहा, कांग्रेस और उसके साथी दलों का खेया साफ तौर पर पक्षपाती दिख रहा है। इनकी बातों में हिंदू विरोध साफ झलकता है। ये पार्टियां एक तरफ तो बाहरी हिंदू व्यापारियों को हटाने की बात कर रही हैं। कहती हैं कि ये लोग स्थानीय व्यापार को नुकसान पहुंचा रहे हैं। दूसरी तरफ ये लोग रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों की मदद कर रहे हैं। उनके लिए रहने, खाने और काम की व्यवस्था कर रहे हैं। कई सालों से ये पार्टियां हिंदू व्यापारियों के खिलाफ माहौल बना रही हैं। अब न्याय के नाम पर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। इससे समाज में सांप्रदायिक तनाव बढ़ रहा है। भारतीय जनता पार्टी का कहना है कि यह सब एक साजिश के तहत किया जा रहा है। इस साजिश का मकसद हिंदुओं को आपस में बांटना है। साथ ही, इससे कुछ पार्टियां अपना वोटबैंक मजबूत करना चाहती हैं।

मानव कल्याण सेवा समिति ने खोला चैरिटेबल फिजियोथेरेपी क्लिनिक

हैदराबाद, 18 अगस्त

(शुभ लाभ ब्यूरो)।

मानव सेवा के पुनीत कार्य में एक और कदम बढ़ाते हुए, मानव कल्याण सेवा समिति ने रविवार, 17 अगस्त 2025 को काचीगुडा में श्री जिनकुशल सुरी स्वास्थ्य केंद्र - चैरिटेबल फिजियो-थेरेपी एंड एनॉनॉमिक्स क्लिनिक का उद्घाटन किया। क्लिनिक का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी के कर कमलों से किया गया।

समिति द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह क्लिनिक काचीगुडा राघवेन्द्रा मंदिर के सामने जैन निवास में स्थित है और इसका उद्देश्य जरूरतमंदों को निशुल्क उपचार प्रदान करना है।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी मौजूद थे, जबकि विशिष्ट अतिथियों में



काचीगुडा पार्षद उमा यादव, बीजेपी काचीगुडा डिवीजन अध्यक्ष रमेश यादव, महावीर अस्पताल के चेयरमैन महेंद्र रांका, समाजसेविका मीना ठक्कर, राजेश दत्तानी, और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल थे।

इस अवसर पर मंत्री हितेन संगोई ने बताया कि समिति पिछले 9 वर्षों से

निशुल्क क्लिनिक चला रही है, जिसमें कई डॉक्टर नियमित रूप से अपनी सेवाएं देते हैं। उन्होंने उन डॉक्टरों के नाम भी बताए जो इस नेक काम में सहयोग कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने मानव कल्याण सेवा समिति के कार्यों की सराहना की और संस्था को हर संभव

सहायता देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि समाज के लिए ऐसे प्रयास बेहद महत्वपूर्ण हैं।

इस अवसर पर, श्रीमती शोभा नरेश जैन (रोविंस ग्रुप) का विशेष सम्मान किया गया, जिन्होंने क्लिनिक के लिए 400 वर्ग फुट का स्थान निशुल्क उपलब्ध कराया।

इसके अलावा, मातुश्री सोनबाई वल्लभजी सावला परिवार ने इंटीरियर और मशीनों के लिए 5,51,000 की राशि दान की, जिससे यह केंद्र सुचारू रूप से चल पाएगा।

समिति ने जन-भागीदारी सहयोग योजना की भी शुरुआत की है, जिसके तहत कोई भी व्यक्ति 1000 प्रति माह का योगदान देकर या अपने परिवार के जन्मदिन, पुण्यतिथि जैसे शुभ अवसरों पर 2500 की राशि दान करके इस सेवा से जुड़ सकता है। इस राशि का उपयोग गौशाला, जीवदया और अन्नदान के कार्यों में किया जाएगा।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष सुरेश हीरजी गोसपर, उपाध्यक्ष पंकज वल्लभजी सवला, सचिव हितेन सांगोई, और अन्य सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

मोबाइल कॉल जितनी सस्ती हो जाएगी रसोई गैस

गोरखपुर, 18 अगस्त

(एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश सरकार ने 22 हजार मेगावाट रिन्यूबल एनर्जी स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। अब तक इस क्षेत्र में यूपी छह हजार मेगावाट तक पहुंचा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन भविष्य की ऊर्जा है। यूपी में प्रचुर जल संसाधन होने के चलते इसके विकास की व्यापक संभावना है। अभी यह ऊर्जा कुछ महंगी है लेकिन आने वाले समय में यह मोबाइल फोन कॉल जितनी सस्ती हो जाएगी।

गोरखपुर में यूपी के पहले और देश के दूसरे हाइड्रोजन पावर प्लांट का उद्घाटन करने

के बाद मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने 22 हजार मेगावाट रिन्यूबल एनर्जी स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। अब तक इस क्षेत्र में हम छह हजार मेगावाट तक पहुंचे हैं। रिन्यूबल एनर्जी के लिए किसी न किसी अन्य ऊर्जा की आवश्यकता होती है।

हाइड्रोजन प्लांट इस कमी को दूर करेगा। पर्यावरण की रक्षा और बीमारियों से बचाव में भी ग्रीन एनर्जी की बड़ी भूमिका होने जा रही है। इसमें यह प्लांट बड़ी भूमिका निभाएगा। टार्रेंट ग्रुप के इस प्लांट में ग्रीन हाइड्रोजन और सीएनजी-पीएनजी की ब्लेंडिंग होगी।

इसके बाद इसे घर-घर रसोई गैस के रूप में पहुंचाया जाएगा।

उपराष्ट्रपति चुनाव : एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन 20 अगस्त को करेंगे नामांकन

राधाकृष्णन ने की मोदी से मुलाकात

नई दिल्ली, 18 अगस्त

(एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के आवास पर सोमवार को उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर अहम बैठक हुई, जिसमें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने अपनी रणनीति को अंतिम रूप दिया। बैठक में तय किया गया कि उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन 20 अगस्त को होगा।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के आवास पर सोमवार शाम को हुई एनडीए घटक दलों के प्लेन

लीडर्स और संसदीय दल के नेताओं की बैठक में उपराष्ट्रपति चुनाव की नामांकन की तारीख और रणनीति पर चर्चा की गई। इस बैठक में फैसला लिया गया कि 20 अगस्त सुबह 11 बजे उपराष्ट्रपति पद के लिए नामांकन किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन आज दिल्ली पहुंचे और हमने एनडीए के नेत-1ओं के साथ एक बैठक की। वह वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं और पूर्व में झारखंड के भी



राज्यपाल रह चुके हैं। सभी लोग उनसे परिचित हैं। इसके बावजूद एनडीए के उम्मीदवार के रूप में उनके नाम का ऐलान होने के बाद एक बैठक की गई है। हमें बहुत गर्व है कि सीपी राधाकृष्णन जैसे व्यक्ति को एनडीए का उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया गया है। एनडीए गठबंधन

के सभी नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया। हमें उम्मीद है कि सभी दल उन्हें समर्थन देंगे। केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने कहा, एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में सीपी राधाकृष्णन का नामांकन 20 अगस्त को सुबह 11 बजे दाखिल किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एनडीए के सभी नेता नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया में हिस्सा लेंगे। इस बीच राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और महाराष्ट्र के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने सोमवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। श्री राधाकृष्णन आज ही, मुंबई से यहां पहुंचे। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास जाकर श्री मोदी से मुलाकात की। श्री मोदी ने उन्हें राजग का उप राष्ट्रपति पद का प्रत्याशी बनने पर शुभकामनाएं दीं और कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में उनके लंबे अनुभव से देश

सीपी राधाकृष्णन को निर्विरोध उपराष्ट्रपति बनाने में जुटे राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति पद के लिए महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) प्रत्याशी के रूप में घोषणा होने के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सर्वसम्मति बनाने के लिए तैयारी तेज कर दी है। इसी क्रम में श्री सिंह रविवार रात कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को फोन कर राजग प्रत्याशी सीपी राधाकृष्णन के लिए समर्थन भी मांगा। उल्लेखनीय है राजग की तरफ से उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को जिम्मेदारी दी गई है वहीं केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू को इसका एजेंट नियुक्त किया गया है। रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नेतृत्व में हुई भारतीय जनता पार्टी की संसदीय बोर्ड की बैठक में राजग उम्मीदवार के रूप में श्री राधाकृष्णन के नाम की घोषणा पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने की। श्री राधाकृष्णन तमिलनाडु में भाजपा के अध्यक्ष रह चुके हैं और राज्यपाल के रूप में उनके पास लंबा प्रशासनिक अनुभव है। जगदीप धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद से यह पद खाली है।

लाभान्वित होगा। प्रधानमंत्री ने इस मुलाकात के बाद एक्स पर लिखा, शुभकामनाएं दीं। उनकी सी पी राधाकृष्णन जी से मुलाकात की। उनके राजग का उप राष्ट्रपति

पद का प्रत्याशी बनने पर उन्हें पद का प्रत्याशी बनने पर उन्हें शुभकामनाएं दीं। उनकी सार्वजनिक सेवाओं और विभिन्न क्षेत्रों का लंबा अनुभव देश को

लाभ पहुंचायेगा। आशा करता हूं कि वह हमेशा इसी समर्पण और संकल्प के साथ देश की सेवा करते रहेंगे।

मेक इन इंडिया को मिलेगी धार, इंजीनियर्स को रोजगार सैमसंग अब नोएडा में बनाएगा लैपटॉप हर साल 60-70 हजार लैपटॉप होंगे तैयार

लखनऊ/नोएडा, 18 अगस्त (एजेंसियां)।

दक्षिण कोरिया की इलेक्ट्रॉनिक्स दिग्गज कंपनी सैमसंग ने भारत में अपने मैनुफैक्चरिंग ऑपरेशन्स का विस्तार करते हुए नोएडा स्थित प्लांट में लैपटॉप बनाना शुरू कर दिया है। यह कदम भारत सरकार की मेक इन इंडिया योजना के तहत देश को इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग हब बनाने की दिशा में मील का पथर माना जा रहा है। भारत में सैमसंग का रिसर्च यूनिट 7,000 से ज्यादा इंजीनियरों को रोजगार देता है। सैमसंग कंपनी भविष्य में और भी डिवाइसेज भारत में बनाने की योजना बना रही है।

नोएडा में सैमसंग की फैक्ट्री 1996 में स्थापित हुई थी और तभी से भारत में सैमसंग की बड़ी मैनुफैक्चरिंग यूनिट के रूप में काम कर रही है। यहां पहले से ही फीचर फोन, स्मार्टफोन, विस्वेबल्स और टैबलेट्स बनाए जाते हैं। अब लैपटॉप निर्माण की शुरुआत से कंपनी का फोकस भारत में अपने प्रोडक्ट्स की रेंज बढ़ाने पर है। यह प्लांट हर साल 120 मिलियन स्मार्टफोन बनाने की क्षमता रखता है और दुनियाभर में सैमसंग का दूसरा सबसे बड़ा



मोबाइल निर्माण केंद्र है (पहला दक्षिण कोरिया में है)। सैमसंग, भारत से स्मार्टफोन एक्सपोर्ट करने वाली दूसरी सबसे बड़ी कंपनी भी है, वहीं पहले नंबर पर एप्पल है।

जनवरी 2024 में सैमसंग के मोबाइल एक्सपीरियंस (एमएक्स) बिजनेस के प्रमुख टीएम रोह ने कहा था कि नोएडा प्लांट में लैपटॉप बनाने की तैयारी चल रही है। अब यह निर्माण शुरू होने जा रहा है और इस लाइन में हर साल करीब 60,000 से 70,000 लैपटॉप बनाए जा सकेंगे। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सैमसंग की इस पहल का स्वागत

करते हुए कहा, सैमसंग भारत में उन्नत तकनीकी डिवाइसेज का निर्माण बढ़ा रहा है। यह भारत की प्रतिभा और नवाचार से प्रेरित है। हाल ही में उन्होंने सैमसंग के दक्षिण-पश्चिम एशिया के सीईओ जेबी पार्क और कारपोरेट वाइस प्रेसिडेंट एसपी चुन से भी मुलाकात की थी और कंपनी की भारत में भूमिका को सराहा था। भारत में सैमसंग का रिसर्च यूनिट 7,000 से ज्यादा इंजीनियरों को रोजगार देता है, जिससे यह साफ होता है कि कंपनी भारत के टेक इकोसिस्टम में लंबे समय तक निवेश करना चाहती है।

भारत सरकार ने अगस्त 2023 में

लैपटॉप इंपोर्ट पर रोक लगाई थी, जिसे बाद में रजिस्ट्रेशन सिस्टम में बदला गया, ताकि देश में ही लैपटॉप निर्माण को बढ़ावा दिया जा सके। हालांकि एसर, एचपी, लेनोवो और एसस जैसी कंपनियां सरकार की प्रोडक्शन लिंकड इन्सेंटिव योजना का फायदा उठा रही हैं, लेकिन सैमसंग ने इस योजना में भाग नहीं लिया है। इसके बजाय, कंपनी अपने दम पर भारत में निर्माण क्षमता बढ़ा रही है। भारत में लैपटॉप बनाकर, सैमसंग अब चीन और वियतनाम से होने वाले आयात पर निर्भरता घटाएगा, जिससे आयात शुल्क में बचत के माध्यम से उपभोक्ताओं के लिए लागत कम होने की संभावना है।

वर्तमान में सैमसंग भारत के स्मार्टफोन मार्केट में दूसरा सबसे बड़ा ब्रांड है (मूल्य और वॉल्यूम दोनों में)। साथ ही यह टैबलेट पीसी मार्केट में 15 प्रतिशत शेयर रखता है। हालांकि अब तक लैपटॉप मार्केट में इसकी खास मौजूदगी नहीं रही है। यह कदम उस खाली जगह को भरने की दिशा में है। सैमसंग अब एमएसआई जैसी कंपनियों की कतार में शामिल हो गया है, जिसने हाल ही में चेन्नई में लैपटॉप बनाना शुरू किया है।

जमीनों के दाम हुए दोगुना नया सर्किल रेट लागू

आगरा में जमीनों की 50 प्रतिशत बढ़ गई कीमत

आगरा, 18 अगस्त (एजेंसियां)।

जमीन, मकान और दुकान खरीदना सोमवार से 40 प्रतिशत तक महंगा हो जाएगा। सोमवार से नए सर्किल रेट प्रभावी हो जाएंगे। नए रेट के अनुसार ही बैनामा होंगे। अब फव्वारा में दुकान की कीमत 1.95 लाख रुपए प्रति वर्गमीटर होगी, जबकि संजय प्लेस में 1.84 लाख रुपए वर्गमीटर होगी। एमजी रोड, कमला नगर, जयपुर हाउस और फतेहाबाद रोड पर भी संपत्ति खरीदने में जनता की जेब ढीली होगी।

आपत्तियों और सुझावों पर सुनवाई के बाद डीएम अरविंद मल्लप्पा बंगारी ने सोमवार से नए सर्किल रेट लागू करने के आदेश दिए हैं। जिले में करीब आठ साल बाद सर्किल रेट का निर्धारण हुआ है। एडीएम



वित्त एवं राजस्व शुभांगी शुक्ला ने बताया कि सर्किल रेट लागू करने से पहले निबंधन और राजस्व टीमों ने संयुक्त सर्वे किया। बाजार मूल्य परखा। उसके आधार पर नए सर्किल रेट का निर्धारण हुआ है।

सोमवार से खेरागढ़, एत्मादपुर, फतेहाबाद, किरावली, बाह और सदर तहसील क्षेत्र में भी बढ़े हुए सर्किल रेट के आधार पर संपत्ति खरीदने के लिए स्टॉप शुल्क देना पड़ेगा। पांच श्रेणियों में सर्किल रेट जारी हुए हैं। आवासीय दरों में 30 से 40 प्रतिशत, व्यावसायिक दरों में 35 से 40 प्रतिशत और रोड सेगमेंट की दरों में 50 प्रतिशत तक इजाफा हुआ है। इनके अलावा नव

विकसित क्षेत्रों में 30 प्रतिशत और औद्योगिक क्षेत्रों के सर्किल रेट में भी 30 प्रतिशत तक वृद्धि की गई है। नए सर्किल रेट में जमीन की कीमत सड़क की चौड़ाई के अनुसार होगी। जितनी ज्यादा चौड़ी सड़क, उतनी महंगी। अकृषिक भूमि पर नौ मीटर, 18 मीटर और 18 मीटर से अधिक चौड़ी सड़क पर अलग-अलग सर्किल रेट निर्धारित हुए हैं। इनके अलावा वाणिज्यिक संपत्ति में दुकान, कार्यालय और गोदाम की भूमि का रेट अलग-अलग होगा। इसी तरह एकल वाणिज्यिक भवन में स्थित दुकान, गोदाम व कार्यालय का सर्किल रेट कार्पेट एरिया के अनुसार निर्धारित किया गया है।

69000 शिक्षकों की भर्ती में हुई अनियमितता का मामला सुप्रीम कोर्ट में सरकार द्वारा पक्ष न रखने से अभ्यर्थी नाराज

बेसिक शिक्षा मंत्री का आवास घेरकर की नारेबाजी

लखनऊ, 18 अगस्त (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई न होने से 69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों में नाराजगी है। अभ्यर्थियों ने बेसिक शिक्षा मंत्री का आवास घेरकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने कहा कि 69 हजार शिक्षकों की भर्ती में अनियमितता हुई है। इस कारण आरक्षित वर्ग के हजारों अभ्यर्थी नौकरी पाने से वंचित रह गए। मामले की हाईकोर्ट में लंबी सुनवाई हुई। फैसला उनके पक्ष में आया। लेकिन, सरकार की



लापरवाही के कारण उसका पालन नहीं हो सका। अब मामला सुप्रीम कोर्ट में है। सरकार सुप्रीम कोर्ट में भी पक्ष रखने से पीछे हट रही है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अमरेंद्र पटेल ने बताया कि वर्ष

2018 में यह भर्ती प्रक्रिया शुरू हुई थी। जब इसका परिणाम आया तो इसमें व्यापक स्तर पर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के साथ अन्याय किया गया। उन्हें नौकरी देने से वंचित कर दिया गया। लंबे आंदोलन और

न्यायिक प्रक्रिया से गुजरने के बाद 13 अगस्त 2024 को लखनऊ हाईकोर्ट की डबल बेंच ने आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के हित में फैसला सुनाया।

हाईकोर्ट ने नियमों का पालन करते हुए तीन महीने के अंदर अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने का आदेश दिया। लेकिन, सरकार हीला हवाली करती रही। मामला सुप्रीम कोर्ट चला गया। कोर्ट में 20 से अधिक तारीखें लगी, लेकिन सुनवाई नहीं हो सकी। सुप्रीम कोर्ट में भी सरकार लापरवाही कर रही है। इस कारण हम लोगों को सड़क पर उतरना पड़ा। हमारी मांग है कि सरकार सुप्रीम कोर्ट में हमारी तरफ से मजबूत पैरवी करे। हम लोगों को जल्द न्याय दिलाएं।

अंतरराष्ट्रीय धाविका को नहीं बनाया यूपी टीम का हिस्सा

अलीगढ़ की नीरू ने जीता स्वर्ण पदक, फिर भी नहीं दिया मौका

अलीगढ़, 18 अगस्त (एजेंसियां)।

यूपी स्टेट चैंपियनशिप में 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने के बाद भी अंतरराष्ट्रीय धाविका नीरू पाठक राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए यूपी टीम का हिस्सा नहीं बन पाई। उन्हें बड़ा ही अरमान था कि वह अपने गृह राज्य उत्तर प्रदेश के लिए न सिर्फ दौड़ेगी, बल्कि स्वर्ण पदक भी जीतेंगी। इसके लिए उन्होंने दिल्ली छोड़ दिया था।

छह साल पहले नीरू पाठक अलीगढ़ छोड़कर दिल्ली अभ्यास करने चली गई थीं और दिल्ली की ओर से दौड़ने लगीं। एएफआई से एनओसी मिलने के बाद 29 व 30 जुलाई को यूपी स्टेट चैंपियनशिप, लखनऊ में नीरू ने 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। उन्हें पूरी उम्मीद थी कि वह 20 से 23 अगस्त तक चेन्नई में होने वाली 64वीं सीनियर इंटर स्टेट राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में हिस्सा



लेगीं। लेकिन जब यूपी की टीम बनी तो उसमें उनका नाम नहीं था। टीम में न चुने जाने पर

नीरू को झटका लगा है।

नियमानुसार स्वर्ण पदक जीतने वाले का नाम प्रदेश की टीम में होता है। इतना ही नहीं अलीगढ़ के सदीप चौधरी का नाम भी यूपी टीम में नहीं है। उन्होंने भी 5000 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता था। अलीगढ़ से हैमर थ्रो में श्रुति का नाम यूपी टीम में है लेकिन वह अलीगढ़ की नहीं हैं। श्रुति किसी और जिले की रहने वाली है। इसे लेकर भी चयन पर सवाल उठ रहे हैं। यूपी एथलेटिक्स संघ के कार्यवाहक अध्यक्ष शमशाद निसार ने कहा, स्वर्ण पदक जीतने के बाद भी नीरू पाठक का नाम यूपी टीम में नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। इसकी शिकायत एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्लानिंग कमिटी के चेयरमैन डॉ. ललित भनोट से की गई है। चयन समिति के अधिकारियों में मिलकर नीरू की इंटी की गुहार लगाएंगे।

फतेहपुर के विवादास्पद मकबरे का मामला धार्मिक स्थल पर स्वामित्व के लिए अदालत जाएंगे हिंदू

कानपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)।

फतेहपुर के विवादास्पद मकबरे को हिंदू धार्मिक स्थल बताने का दावा करने वाला हिंदू समुदाय इसके स्वामित्व के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाएगा। इसके लिए याचिका दाखिल करने की तैयारी चल रही है। हिंदू समुदाय मकबरे को प्राचीन ठाकुरद्वारा बता रहा है। इसके लिए भाजपा के विधि प्रकोष्ठ ने भी कानूनी लड़ाई लड़ने की घोषणा की है।

फतेहपुर के आबूनगर के रेड्डी मोहल्ले में स्थित पुराने धार्मिक स्थल का विवाद अब अदालत में जाएगा। भारतीय जनता पार्टी इस स्थल को ठाकुरद्वारा बताते हुए इसके स्वामित्व के लिए अदालत में याचिका दाखिल करने जा रही है। भाजपा के जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल ने इसकी जिम्मेदारी पार्टी के विधि प्रकोष्ठ को सौंपी है। भाजपा जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल ने कहा कि भाजपा हमेशा कानून का पालन करती आई है। पार्टी इस मामले को अदालत में ले जा रही है। ठाकुरद्वारा संबंधी ऐतिहासिक दस्तावेज जुटाए जा रहे हैं। तीन दिन के अवकाश के चलते थोड़ी देरी हुई। सोमवार से प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी। इस समाह अदालत में याचिका



दाखिल की जाएगी।

गौरतलब है कि जन्माष्टमी के अवसर पर हिंदू संगठनों ने इस स्थल को ठाकुरद्वारा बताते हुए पूजा-अर्चना की घोषणा की थी। प्रशासन द्वारा क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू करने से संगठनों ने स्थल पर जाने की योजना बदल दी। वहीं, भाजपा जिलाध्यक्ष ने समर्थकों के साथ धार्मिक स्थल की तस्वीर पर पूजा कर प्रतीकात्मक दावा जताया। फिलहाल यह इमारत पुलिस के कब्जे में है। क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा के बीच केवल स्थानीय निवासियों को आधार कार्ड दिखाकर प्रवेश की अनुमति दी जा रही है। भाजपा का दावा है कि उनके पास इस स्थल के ठाकुरद्वारा होने के प्रमाण हैं। धार्मिक स्थल विवाद को लेकर 17 अगस्त तक लागू की गई बीएनएस की धारा 163 (पूर्व की धारा 144) की अवधि शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए 16 अक्तूबर तक बढ़ाई

गई है। अपर जिलाधिकारी अविनाश त्रिपाठी ने बताया कि ईद, बरावफात, नवरात्र, दशहरा, विजयदशमी और परीक्षाओं को लेकर धारा 163 जिले में 16 अक्टूबर तक लागू रहेगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2012 से यह मकबरा पहले प्राचीन इमारत ठाकुरद्वारा था। इसमें हिंदू समुदाय पूजा-अर्चना करते थे। उक्त जमीन रामनरेश सिंह की है। इमारत में कमल के फूल और त्रिशूल के चित्र खुदे हैं, जो केवल हिंदू धार्मिक स्थलों में बनाए जाते हैं। मंदिर में घंटा बांधने के लिए जंजीर है, जो इस इमारत में है। मुस्लिम धार्मिक स्थलों में घंटा नहीं लगता। हिंदू संगठनों से जुड़े पदाधिकारियों के अनुसार, जन्माष्टमी के दिन विवादित धार्मिक स्थल पर पूजन करवाकर शासन ने आख्या मांगी है। प्रदेश भर में नियुक्त 290 प्राचार्य के प्रमाणपत्रों का

प्रदेशभर में दोबारा कराया जाएगा

प्रमाणपत्रों का सत्यापन

वाराणसी, 18 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के सरकारी सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में फर्जी शोध अनुभव के आधार पर प्राचार्यों को नियुक्ति मिली। फर्जी प्रमाणपत्रों के आधार पर नियुक्ति पाने वालों की संख्या 70 फीसदी है। शासन से शिकायत के बाद मामले में जांच शुरू हो गई है और प्राचार्यों के प्रमाणपत्रों का दोबारा सत्यापन करवाकर शासन ने आख्या मांगी है। प्रदेश भर में नियुक्त 290 प्राचार्य के प्रमाणपत्रों का

सत्यापन दोबारा कराया जाएगा। फर्जी और कूटरचित अभिलेखों के आधार पर प्राचार्य पद पर चयनित होने की शिकायत के बाद शासन ने यह निर्णय लिया है।

उच्च शिक्षा के शिक्षा निदेशक ने प्रदेश के सभी क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को पत्र जारी करके प्रमाणपत्रों का सत्यापन करने के आदेश दिए हैं। संयुक्त निदेशक डॉ. शशि कपूर की ओर से क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को जारी पत्र में कहा गया है कि विज्ञापन संख्या 49 के तहत फर्जी कूटरचित अभिलेखों के आधार पर प्राचार्य पद पर चयनित होने की शिकायत मिली थी। इसके आधार पर चयनित

प्राचार्यों के प्रमाणपत्रों का सत्यापन करवाकर सत्यापन आख्या दो दिन में उपलब्ध कराएं। इसके बाद क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी ने जिलों के महाविद्यालयों में पत्र भेजकर सत्यापन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। शासन के आदेश से पूरे प्रदेश अनुभव तैयार करवाए और चयन प्राप्त किया। जब 2023 और 2024 में इनकी जांच की गई तो पाया गया कि लगभग 70 फीसदी अभ्यर्थियों ने फर्जी व कूट रचित शोध अनुभव लगाए थे। प्रदेश भर के महाविद्यालयों में नियुक्ति के लिए 2019 में भर्ती के लिए विज्ञापन मांगे गए थे। 2021 में लिखित परीक्षा,

इस भर्ती प्रक्रिया में चयनित प्रवक्ताओं ने कई स्तर पर कूट रचना करके अभिलेखों को तैयार किया। इन अभिलेखों में चयन की अनिवार्य शर्त थी कि अभ्यर्थी को शोध का अनुभव होना। इसी शर्त को पूरा करने के लिए अभ्यर्थियों ने फर्जी शोध अनुभव तैयार करवाए और चयन प्राप्त किया। जब 2023 और 2024 में इनकी जांच की गई तो पाया गया कि लगभग 70 फीसदी अभ्यर्थियों ने फर्जी व कूट रचित शोध अनुभव लगाए थे।

प्रदेश भर के महाविद्यालयों में नियुक्ति के लिए 2019 में भर्ती के लिए विज्ञापन मांगे गए थे। 2021 में लिखित परीक्षा,

साक्षात्कार और प्रमाणपत्रों के सत्यापन के बाद नियुक्ति हुई थी। इसमें भारतीय इतिहास में पहली बार प्राचार्य की भर्ती के लिए लिखित परीक्षा ली गई थी। इसमें 290 प्राचार्यों का चयन किया गया था और 65 को प्रतीक्षा सूची में रखा गया था। क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. ज्ञान प्रकाश वर्मा ने कहा, विज्ञापन संख्या 49 के आधार पर नियुक्त प्राचार्यों के प्रमाणपत्रों के सत्यापन का आदेश मिला है। इसके आधार पर पूर्वांचल के 10 जिलों में सत्यापन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिलेवार सत्यापन प्रक्रिया कराई जाएगी। प्रबंधकों से सत्यापन की रिपोर्ट मांगी जाएगी।

सबूत दें या फिर माफी मांगें राहुल गांधी

भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने कहा, भ्रम फैलाना बंद करें

लखनऊ, 18 अगस्त (एजेंसियां)।

भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि राहुल गांधी चुनाव आयोग पर जो आरोप लगा रहे हैं, उसके लिए सबूत दें या फिर माफी मांगें। देश में भ्रम न फैलाएं। चुनाव आयोग पर विपक्ष के लगातार हमलावर रहने पर भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने राहुल गांधी



को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग लगातार कह रहा है कि राहुल गांधी या विपक्षी नेता एसआईआर को लेकर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्षी नेता देश से

झूठ बोल रहे हैं। जिस तरह से वे मतदाताओं को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, उसके लिए उन्हें या तो सबूत देना चाहिए या माफी मांगनी चाहिए।

सांसद ने कहा, चुनाव आयोग लगातार उनसे हलफनामा मांग रहा है। लेकिन, आप सिर्फ राजनीतिक फायदे के लिए किसी पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है। वे उस संवैधानिक संस्था को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

चुनाव आयोग की वजह से ही आज अखिलेश यादव सांसद बने हैं। उसी चुनाव आयोग की वजह से ही आज हिमाचल, कर्नाटक, तेलंगाना में राहुल गांधी की सरकार है। मैं उन्हें चुनौती देता हूँ कि अगर उनके पास एसआईआर के मुद्दे पर देश में फैलाए जा रहे भ्रम का कोई सबूत है, तो वे उसे या तो भारतीय संसद में अध्यक्ष के सामने पेश करें, या फिर उस चुनाव आयोग को दें, जिस पर वे आरोप लगा रहे हैं। वरना वे देश को शर्मिदा न करें।

संपादकीय

पीएम का ‘चिप’ संबोधन

प्रधानमंत्री

मोदी ने लालकिले की प्राचीर से, स्वतंत्रता दिवस के मौके पर, 12वीं बार राष्ट्र को संबोधित किया। उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण और सुखद घोषणा यह की कि साल के अंत तक हम ‘मैड इन इंडिया’ सेमीकंडक्टर चिप बनाने लगेंगे। यदि यह घोषणा जमीनी स्तर पर साकार हो जाए, तो आने वाले 10-15 सालों में भारत वाकई ‘सोने की चिड़िया’ वाला देश बन सकता है। यह अतिशयोक्ति नहीं है, बल्कि वैश्विक वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के आकलन हैं। भारत एक व्यापक, विविध देश है, जनसंख्या 146 करोड़ से अधिक है, निवेश पर्याप्त है और सरकार की प्राथमिकता है, लिहाजा व्यापक स्तर पर ‘चिप’ का उत्पादन संभव है। हालांकि हम अभी चीन, अमरीका, ताइवान सरीखे देशों से बहुत पीछे हैं। वे ‘चिप्स क्रांति’ के देश हैं, जबकि भारत अभी शोध के दौर में रहा है। दुनिया डिजिटल क्रांति के दूसरे चरण में प्रवेश कर रही है, जहां सेमीकंडक्टर और चिप निर्माण एक रणनीतिक ताकत बन चुके हैं, लेकिन भारत अब भी तैयारियों के शुरुआती मोड़ पर खड़ा है। हालांकि गुजरात और बेंगलूर में कुछ प्लांट लगाए गए हैं। स्टार्टअप भी काम कर रहे हैं, लेकिन अभी राष्ट्रीय उत्पादन के लिहाज से हम पीछे हैं। चीन आज दुनिया की ‘डिजिटल रीढ़’ है। माइक्रोचिप से लेकर मोबाइल फोन और सर्वर तक, हर जगह, उसकी उपस्थिति है। अब भारत के लिए चिप का राष्ट्रीय उत्पादन, विस्तार और रोजगार ‘तकनीकी संप्रभुता’ का सवाल है।

भारत एक व्यापक, विविध देश है, जनसंख्या 146 करोड़ से अधिक है, निवेश पर्याप्त है और सरकार की प्राथमिकता है, लिहाजा व्यापक स्तर पर ‘चिप’ का उत्पादन संभव है। हालांकि हम अभी चीन, अमरीका, ताइवान सरीखे देशों से बहुत पीछे हैं। वे ‘चिप्स क्रांति’ के देश हैं, जबकि भारत अभी शोध के दौर में रहा है। दुनिया डिजिटल क्रांति के दूसरे चरण में प्रवेश कर रही है, जहां सेमीकंडक्टर और चिप निर्माण एक रणनीतिक ताकत बन चुके हैं, लेकिन भारत अब भी तैयारियों के शुरुआती मोड़ पर खड़ा है। हालांकि गुजरात और बेंगलूर में कुछ प्लांट लगाए गए हैं। स्टार्टअप भी काम कर रहे हैं, लेकिन अभी राष्ट्रीय उत्पादन के लिहाज से हम पीछे हैं। चीन आज दुनिया की ‘डिजिटल रीढ़’ है। माइक्रोचिप से लेकर मोबाइल फोन और सर्वर तक, हर जगह, उसकी उपस्थिति है। अब भारत के लिए चिप का राष्ट्रीय उत्पादन, विस्तार और रोजगार ‘तकनीकी संप्रभुता’ का सवाल है।

‘दीपावली का तोहफा’ होगा। ये वस्तुएं दोहो सकती हैं-टूथ पाउडर, नमकीन, सुखे मेवे, दूधपेस्ट, साबुन, पेनकिलर दवाएं, सस्त्रियां, कैंडेड मिटक, कुछ मोबाइल और कम्प्यूटर, सिलाई मशीन, प्रेशर कुकर, 1000 रुपए से ज्यादा के रेडीमेड कपड़े, 500-1000 रुपए की रेंज वाले जूते, बर्तन, ज्योमेट्रो बॉक्स, नक्शे, कृषि मशीनरी, सोलर वॉटर हीटर, पब्लिक वाहन, स्टोब, सीमेंट, फ्रिज, टीवी, एसी, वॉशिंग मशीन आदि। जाहिर है कि आम आदमी को राहत मिलेगी। अब सिर्फ दो ही स्लैब होंगे-5 फीसदी और 18 फीसदी। जीएसटी के दायरे में आने वाली मक्खन, फ्रूट जूस आदि वस्तुएं भी सस्ती होंगी। सरकार का आकलन है कि जीएसटी की दरें घटाने से लघु, सूक्ष्म, मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) में नौकरियों के अवसर बढ़ेंगे, ठेका श्रमिक बढ़ेंगे, आम आदमी की खर्च योग्य आय भी बढ़ेगी। देश की अर्थव्यवस्था पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और जीडीपी 0.6 फीसदी से 0.7 फीसदी तक बढ़ सकती है। रोजगार देश की एक बुनियादी समस्या है। प्रधानमंत्री मोदी ने 1 लाख करोड़ रुपए की ‘प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना’ की घोषणा की है। दावा किया जा रहा है कि इससे करीब 3.5 करोड़ युवाओं को नौकरियां और रोजगार मिल सकेंगे। इस संदर्भ में सवाल है कि क्या यह योजना बजटीय घोषणाओं से अलग है? सवाल यह भी है कि संसद में बजट पेश करते हुए एक घोषणा की गई थी कि देश की 500 बड़ी कंपनियों में युवाओं को इंटरशिप का मौका दिया जाएगा। भत्ता भी मिलेगा, हुनर भी सीख सकेंगे, सरकार पहले नौकरी पर 15,000 रुपए भी देगी। उस योजना का क्या हुआ, देश को अद्यतन स्थिति ब्रॉफ की जाए। प्रधानमंत्री मोदी लालकिले से 103 मिनट तक बोले। यह किसी भी प्रधानमंत्री का, लालकिले से, अभी तक सबसे लंबा भाषण है। प्रधानमंत्री ने कई मुद्दों को छुआ और यह एक परंपरा रही है। अंतरिक्ष में भारत का स्टेशन बनाने की बात भी कही। हाल ही में अंतरिक्ष से यात्रा कर लौटे शुभांशु शुक्ला का भी प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया। अब अंतरिक्ष पर सोमवार को संसद में चर्चा प्रस्तावित है।

अमृत कलश

पवित्रता जीवन की संपूर्णता

पवित्रता

जीवन की संपूर्णता का प्रतीक है। बाढ़ा पवित्रता और आंतरिक पवित्रता दोनों एक-दूसरे की पूरक हैं। जैसे दीपक के प्रकाश के लिए तेल—बाती दोनों आवश्यक हैं वैसे ही सच्चे कर्मयोगी और आध्यात्मिक मुमुक्षु के लिए ये दोनों ही पवित्रताएं अनिवार्य हैं। बाढ़ा पवित्रता का अर्थ है शरीर वस्त्र वातावरण और व्यवहार को शुद्धता। आध्यात्मिक साधना का प्रथम चरण भी बाढ़ा शुद्धि से ही शुरू होता है। जब विचार निष्कलंक उद्देश्य निष्काम और भावनाएं निर्मल होती हैं तब व्यक्ति के भीतर दिव्यता प्रकट होती है। ईश्या द्रष्टे छल छल आदि आंतरिक अशुद्धियाँ—अपवित्रता हैं जो आत्म बल को नष्ट कर देती हैं। इस आंतरिक शुद्धता और पवित्रता के बिना भक्ति ध्यान या साधना निष्फल हो जाती है। कोई व्यक्ति बाहर से बहुत सुसज्जित है परंतु भीतर से द्वेष और अहंकार से भरा हुआ है तो उसका प्रभाव नकारात्मक ही होगा। वहीं साधारण कपड़ों में शांत दयालु और प्रेम से दूसका दया वाला व्यक्ति सभी का सम्मान पाता है। गीता में भगवान् कृष्ण आंतरिक पवित्रता की प्राप्ति के लिए ज्ञान और तप की आवश्यकता पर बल देते हैं। कहते हैं ‘जिसने ज्ञान और तप से आत्मा को पवित्र किया है वही मुझे प्राप्त कर सकता है।’ महंत स्वामी महाराज समझाते हैं कि यह ज्ञान आत्मा की गहराई से जन्मा वह बोध है जिसमें व्यक्ति पहचानता है कि ‘मैं शरीर नहीं आत्मा हूँ’ और यह आत्मा—हानि सशून्य है। जब यह समझ दृढ़ होती है तब संसार के सुख-दुःख मान—अपमान लाभ—हानि सब बहल जाते हैं। ज्ञान को जीवन में उतारने के लिए तप आवश्यक है। तप यानी निरंतर आत्म-नियंत्रण संयम संकल्पों पर अडिग रहना और आसक्ति से मुक्ति की प्रक्रिया में स्वयं को तपाना।

दृष्टि कोण

हाल

एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों से कोई समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि मैं जानता हूँ कि व्यक्तिगत रूप से मुझे बहुत बड़ी कीमत चुकाना पड़ेगी, लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूँ। ज्ञातव्य है कि अमेरिकी डेलरी उत्पादों और आनुवंशिक रूप से संवर्धित (जीएम) फसलों के लिए बाजार पहुंच पर मतभेद के मद्देनजर भारत और अमेरिका के बीच एक अगस्त की धार्मिांतरि समय सीमा में अंतरिम व्यापार समझौता नहीं हो पाया है। ऐसे में हम 7 अगस्त से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 25 फीसदी शुल्क (टैरिफ) लागू कर दिया है, वहीं 27 अगस्त से भारत पर रूस से तेल खरीदी के मद्देनजर जर्मनी के रूप में 25 फीसदी का अतिरिक्त शुल्क लगाने का कार्यकारी आदेश भी जारी किया है। भारत अब ब्राजील के साथ सबसे ज्यादा 50 फीसदी अमेरिकी टैरिफ वाला देश बन गया है। चीन को अमेरिका का सबसे बड़ा शत्रु बनाने वाले ट्रंप ने चीन पर महज 30 फीसदी टैरिफ लगाया है। जहां पाकिस्तान पर 19 फीसदी टैरिफ है,

श्याम रसन

युवा पीढ़ियां इस दुखद इतिहास से बहुत कम परिचित हैं, हालांकि यह सुनिश्चित करने के लिए उन्हें ही काम करना होगा कि यह प्रलयंकारी घटना फिर कभी न घटने पाए। यह सत्य है कि हिरोशिमा और नागासाकी के बाद से ही परमाणु हथियारों के इस्तेमाल करने को संयम बना रहा। परंतु इन परमाणु धमाकों के बाद की गई अनेकानेक आशावादी भविष्यवाणियों के विपरीत, परमाणु हथियार संपन्न देशों की संख्या मूल पांच (अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, फ्रांस और चीन) से बढ़कर आज 9 हो गई है (इसाइल, भारत, पाकिस्तान और उत्तर कोरिया के जुड़ने से)। यह भी तथ्य है कि परमाणु हथियारों का वैश्विक भंडार मुख्यतः अमेरिका और रूस के शस्त्रागारों में है, जिनकी गिनती शीत युद्ध के दौरान रही अधिकतम 40,000 से घटकर आज लगभग 14,000 रह गई है, आज भी अमेरिका और रूस के भंडार सबसे बड़े हैं।

देश दुनिया से

क्यों फिसड़ी हैं हम, एक विश्लेषण

हिमालयी

बादल फटना, बाद, रत्नेश्वर झील विस्फोट (जीएलओएफ) जैसी प्राकृतिक आपदाओं के लिहाज से अति-संवेदनशील है। इसके बावजूद हर आपदा के बाद स्थिति ‘अफरा-तफरी’, ‘दोषारोपण’ और ‘मुआवजे’ तक सीमित रह जाती है। एक कहावत है ‘बुद्धिमान अपनी गलतियों से सीखते हैं’ और ‘को दूसरों की गलतियों से सीखते हैं वे अधिक बुद्धिमान होते हैं’। परंतु हमारे आपदा प्रबंधन तंत्र पर यह दोनों लागू नहीं होते। यदि होते तो उत्तरकाशी भूकंप के बाद उत्तराखंड में केदारनाथ, भटवाड़ी, जोशीमट, र्ब्रिंगंगा जैसी घटनाओं को पुनरावृत्ति नहीं होती। धाराली जैसे कस्बे नैस्तनाबूद न होते। हिमाचल में अगर हमने लुगदीभाटी (कुल्लू), घाट (सराहन) और बासपा (किन्नौर) से सबक लिए होते तो शायद नद्दी, भागपु, सिराज, धुनाग, ज्यूणी जैसे मामलों की पुनरावृत्ति नहीं होती। प्रथमदृष्टया प्रतिक्रिया आधारित प्रणाली : आपदा आने के बाद ही प्रशासन सक्रिय होता है। पहले से कोई व्यावहारिक पूर्व-सतर्कता या मॉक-ड्रिल्स नहीं होतीं। और अक्सर आपदा गुजर जाने के बाद पुनः अगले ऐसे अवसर को ताक में कुंभकर्णी नौद सो जाता है। आपदा के समय में भी तंत्र की प्राथमिकता केवल बचाव और राहत तक ही सीमित हो जाती है। ऐसे समय में राजनीतिक और प्रशासनिक नेतृत्व की आपदा स्थल पर आवाजाही से आपदा प्रबंधन तंत्र की शक्ति और सामर्थ्य प्रमावितों की अपेक्षा उन अति विशिष्ट लोगों की ओर अधिक खर्च होती है। राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के चलते चुनावों में आपदा प्रबंधन कमी मुद्दा नहीं बनता। नेता केवल आपदा के बाद फोटोओं में दिखते हैं, लेकिन दीर्घकालिक नीतों में रुचि नहीं लेते। आपदा के बाद राहत व बचाव दलों की प्रतिक्रिया बेहद धीमी होती है। दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंचने के लिए संसाधनों की कमी, खराब सड़कें और हेलीकॉप्टर की सीमित उपलब्धता स्थिति को जगहान्गी है। प्रशिक्षण और संसाधनों का अभाव : स्थानीय प्रशासन और आपदा मोचन कलों के पास आधुनिक उपकरणों, ड्रोन, सर्च-रेस्क्यू कुनो और जीपीएस जैसी तकनीकों की भारी कमी है। गांव-स्तर पर प्रशिक्षित स्वयंसेवकों का न होना भी एक बड़ा अभाव है। विकास बनाम पर्यावरण का

टकराव : गत कुछ वर्षों से तीव्र विकास के नाम पर प्रारंभ की गई परियोजनाएं जैसे बिना वैज्ञानिक अध्ययन के चारधाम सड़क परिवोजना, बड़े बोध, चुरंगे, और होटल निर्माण जैसी गतिविधियों पहाड़ों की भौगोलिक स्थिरता को नुकसान पहुंचा रही हैं। ज्वालिक संपूर्ण हिमालय क्षेत्र में युवा पर्वत थूंखला होने के नाते चट्टानें जो दो प्लेट के टकराने से उत्सर्जित हुई हैं, उनमें एक टकराव : गत कुछ वर्षों से तीव्र विकास के नाम पर प्रारंभ की गई परियोजनाएं जैसे बिना वैज्ञानिक अध्ययन के चारधाम सड़क परिवोजना, बड़े बोध, चुरंगे, और होटल निर्माण जैसी गतिविधियों पहाड़ों की भौगोलिक स्थिरता को नुकसान पहुंचा रही हैं। ज्वालिक संपूर्ण हिमालय क्षेत्र में युवा पर्वत थूंखला होने के नाते चट्टानें जो दो प्लेट के टकराने से उत्सर्जित हुई हैं, उनमें एक टकराव : गत कुछ वर्षों से तीव्र विकास के नाम पर प्रारंभ की गई परियोजनाएं जैसे बिना वैज्ञानिक अध्ययन के चारधाम सड़क परिवोजना, बड़े बोध, चुरंगे, और होटल निर्माण जैसी गतिविधियों पहाड़ों की भौगोलिक स्थिरता को नुकसान पहुंचा रही हैं। ज्वालिक संपूर्ण हिमालय क्षेत्र में युवा पर्वत थूंखला होने के नाते चट्टानें जो दो प्लेट के टकराने से उत्सर्जित हुई हैं, उनमें एक टकराव

आपदा के समय में भी तंत्र की प्राथमिकता केवल बचाव और राहत तक ही सीमित हो जाती है। ऐसे समय में राजनीतिक और प्रशासनिक नेतृत्व की आपदा स्थल पर आवाजाही से आपदा प्रबंधन तंत्र की शक्ति और सामर्थ्य प्रमावितों की अपेक्षा उन अति विशिष्ट लोगों की ओर अधिक खर्च होती है। राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के चलते चुनावों में आपदा प्रबंधन कमी मुद्दा नहीं बनता। नेता केवल आपदा के बाद फोटोओं में दिखते हैं, लेकिन दीर्घकालिक नीतों में रुचि नहीं लेते। आपदा के बाद राहत व बचाव दलों की प्रतिक्रिया बेहद धीमी होती है। दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंचने के लिए संसाधनों की कमी, खराब सड़कें और हेलीकॉप्टर की सीमित उपलब्धता स्थिति को जगहान्गी है। प्रशिक्षण और संसाधनों का अभाव

स्थानीय प्रशासन और आपदा मोचन कलों के पास आधुनिक उपकरणों, ड्रोन, सर्च-रेस्क्यू कुनो और जीपीएस जैसी तकनीकों की भारी कमी है। गांव-स्तर पर प्रशिक्षित स्वयंसेवकों का न होना भी एक बड़ा अभाव है। विकास बनाम पर्यावरण का टकराव : गत कुछ वर्षों से तीव्र विकास के नाम पर प्रारंभ की गई परियोजनाएं जैसे बिना वैज्ञानिक अध्ययन के चारधाम सड़क परिवोजना, बड़े बोध, चुरंगे, और होटल निर्माण जैसी गतिविधियों पहाड़ों की भौगोलिक स्थिरता को नुकसान पहुंचा रही हैं। ज्वालिक संपूर्ण हिमालय क्षेत्र में युवा पर्वत थूंखला होने के नाते चट्टानें जो दो प्लेट के टकराने से उत्सर्जित हुई हैं, उनमें एक टकराव

निरंतर फोल्ड फॉल्ड ज्वाइंट्स के अतिरिक्त भूकंपीय पट्टी के कारण जो हलचल होती है, ऐसे निर्माणों से उसे और गति मिलती है जिससे चट्टानें खिसकने, अवधार, भूस्खलन, गाद चलन प्रभावितों की अपेक्षा उन अति विशिष्ट लोगों की ओर अधिक खर्च होती है। राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के चलते चुनावों में आपदा प्रबंधन कमी मुद्दा नहीं बनता। नेता केवल आपदा के बाद फोटोओं में दिखते हैं, लेकिन दीर्घकालिक नीतों में रुचि नहीं लेते। आपदा के बाद राहत व बचाव दलों की प्रतिक्रिया बेहद धीमी होती है। दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंचने के लिए संसाधनों की कमी, खराब सड़कें और हेलीकॉप्टर की सीमित उपलब्धता स्थिति को जगहान्गी है। प्रशिक्षण और संसाधनों का अभाव : स्थानीय प्रशासन और आपदा मोचन कलों के पास आधुनिक उपकरणों, ड्रोन, सर्च-रेस्क्यू कुनो और जीपीएस जैसी तकनीकों की भारी कमी है। गांव-स्तर पर प्रशिक्षित स्वयंसेवकों का न होना भी एक बड़ा अभाव है। विकास बनाम पर्यावरण का टकराव

भारत ने अमेरिका को 86.5 अरब डॉलर मुक्त की वस्तुओं का निर्यात किया। इस दौरान अमेरिका के साथ भारत का व्यापार अधिशेष 40.8 अरब डॉलर रहा। ऐसे में ट्रंप के द्वारा लगाए गए ऊंचे टैरिफ के मद्देनजर भारत के कई उद्योग-कारोबार प्रभावित होंगे। मसलन, ऑटो कंपोनेंट बनाने वाली कंपनियां, टेक्सटाइल्स

सशक्तिकरण में उनकी भूमिका पर कोई गौर नहीं होता। तकनीकी व संरचनात्मक तैयारी का अभाव : अधिकांश भवन भूकंपरोधी नहीं हैं। मौसम और भूभौगिय पूर्वानुमान प्रणालियों कमजोर हैं। आपदा के समय राहत पहुंचाने के संसाधन सीमित हैं। राज्य और जिला-उपमंडल स्तर के आपदा प्रबंधन योजना वृत्त मात्र एक ग्रंथ बन कर रह जाते हैं जबकि उनका निरंतर अवलोकन और पुनरुद्धार भी सफल आपदा प्रबंधन की नींव है। अगर यह सब कुछ सही नहीं चल रहा, तो सुधार के लिए विकल्प क्या हैं, इस पर भी चर्चा, चिंता और चिंतन आवश्यक है? क्या हो विकल्प : संभावित समाधान : पूर्व-चेतावनी तंत्र को मजबूत करना, रडार, सैटेलाइट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित निगरानी प्रणालियां विकसित कर, समय पर चेतावनी दी जा सकती है। स्थायी विकास नीति : बड़े निर्माण कार्यों से पहले पर्यावरण प्रभाव आकलन, सामाजिक प्रभाव आकलन और पर्यावरणीय गैर आकलन को अनिवार्य और अनिवार्य बनाया होना। भू-जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान और जोनिंग भू-संवेदनशील क्षेत्रों को चिह्नित कर वहां निर्माण पर रोक लगाई जाए। नदी-नालों के किनारों पर 25-50 मीटर तक किसी भी निर्माण की अनुमति न हो। इसके अतिरिक्त वर्तमान घटनाओं से सबक लेते हुए नदी नालों, मुक्त गलेश्वर के जमाव यानों अलुवायल फैन और कार्लिनजयल फैन पर किसी बसावट को अनुमति नहीं होनी चाहिए। टेक्नोलॉजी का स्थानीय उपयोग रूड़ोन आधारित निगरानी, सैटेलाइट इमेजिंग, मौसम सेंसर, और मोबाइल आधारित आपदा ऐप्स ग्राम स्तर तक पहुंचाई जाएं। पहाड़ी क्षेत्रों में ऑफ्टकल फाइबर की जगह रॉडियो आधारित इंटरनेट तकनीक अपनाई जाए। पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का समावेश स्थानीय लोगों के पारंपरिक अनुभव जैसे पक्षियों का व्यवहार, नदी का रंग-धारा, धरती की हलचल आदि को वैज्ञानिक अध्ययनों से जोड़ा जाए और इन्हें चेतावनी संकेतों में शामिल किया जाए। स्थानीय समुदायों को प्रशिक्षित करना : स्थानीय समुदायों को आपदा प्रबंधन योजनाओं में शामिल नहीं किया जाता, जबकि वे सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले होते हैं। उनका पारंपरिक ज्ञान, अनुभव और सतर्कता प्रशासन के लिए संसाधन हो सकते हैं।

इंडस्ट्री, मेटल और फार्मा कंपनीन पर ट्रंप के टैरिफ का असर देखने को मिल सकता है। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि ट्रंप के ऊंचे टैरिफ से विकास दर और निर्यात घटने की चुनौतियों का सामना करने और हरसंभव तरीके से निर्यात बढ़ाने के लिए सरकार ने रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ना शुरू किया है। नई रणनीति के तहत वाणिज्य मंत्रालय ने इस्पात, लोदर, रस्न, खाद्य प्रसंस्करण, विद्युत और यांत्रिक मशीनरी, इंजीनियरिंग, समुद्री और कृषि सहित कई क्षेत्रों के निर्यातकों के साथ बैठकें की हैं, ताकि उच्च शुल्क के कारण उन्हें होने वाली समस्याओं को समझा जा सके और उन्हें ब्राजील की तरह राहत दी जा सके। निर्यातक सरकार से वित्तीय सहायता, किकपायती श्र्धा, व्याज सब्सिडी चाहते हैं। निर्यातक निर्यातित उत्पादों पर शुल्कों एवं करों की छूट (आरओटीडीईवी) और राज्य एवं केंद्रीय करों व शुल्क की छूट (आरओएससीटीएल) जैसी योजनाओं के तहत बकाया राशि का समय पर भुगतान और अमेरिका के लिए सीधे निर्यात जैसे राजकोपीय प्रोत्साहनों का विस्तार करने की जरूरत अनुभव कर रहे हैं। निश्चित रूप से अब भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को और बहिर्मुखी बनाना होगा। भारत की तेजी के साथ की डगर पर तेजी के साथ बढ़ना होगा।

आतंक जो सर्वनाश का प्रतीक बन गया -वक्त के साथ धुंधली होती गई

जनांदोलन से ही परमाणु हथियार मुक्त विश्व संभव

बीते

दिनों जापान के दो शहर, हिरोशिमा और नागासाकी पर, क्रमशः 6 और 9 अगस्त, 1945 को हुए परमाणु बम हमले की 80वीं बरसी मनाई गई। इन बम विस्फोटों से जितनी भीषण मानवीय हानि हुई, वह हमलावरों द्वारा बमों को दिए गए मासूम नाम- लिटिल बॉय और फैट मैन- की क्रूर विडंबना से ही कम हो गयी थी। जिस विमान से बम गिराया गया था, उसके पायलट के लिए मानो ‘यमराज का चलाक’ को तोड़ना उसके जीवन का एक गौरवशाली क्षण था, तभी तो उसका नामकरण अपनी मां एनोला गे के नाम पर कर रखा था। जो दुष्टता की चरम सीमा थी। जैसे-जैसे साल बीतते गए, उन भयावह घटनाओं की यादें- वे पिघलते मानव शरीर और वाष्पीकृत हुए चदन, धमकें के चलते घड़ी की थम गई सुइयों, और मशरूम रूपी बादल का भयानक आतंक जो सर्वनाश का प्रतीक बन गया -वक्त के साथ धुंधली होती गई। ऐसा होना नहीं चाहिए था।

इतने विशाल स्तर और तीव्रता वाले सर्वनाश का खतरा एक व्यापक आत्मसंतुष्टि के तले दबता जा रहा है। युवा पीढ़ियां इस दुखद इतिहास से बहुत कम परिचित हैं, हालांकि यह सुनिश्चित करने के लिए उन्हें ही काम करना होगा कि यह प्रलयंकारी घटना फिर कभी न घटने पाए। यह सत्य है कि हिरोशिमा और नागासाकी के बाद से ही परमाणु हथियारों के इस्तेमाल करने को संयम बना रहा। परंतु इन परमाणु धमाकों के बाद की गई अनेकानेक आशावादी भविष्यवाणियों के विपरीत, परमाणु हथियार संपन्न देशों की संख्या मूल पांच (अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, फ्रांस और चीन) से बढ़कर आज 9 हो गई है (इसाइल, भारत, पाकिस्तान और उत्तर कोरिया के जुड़ने से)। यह भी तथ्य है कि परमाणु हथियारों का वैश्विक भंडार मुख्यतः अमेरिका और रूस के शस्त्रागारों में है, जिनकी गिनती शीत युद्ध के दौरान रही अधिकतम 40,000 से घटकर आज लगभग 14,000 रह गई है, आज भी अमेरिका और रूस के भंडार सबसे बड़े हैं। यह आशा की किरण कही जा सकती है, लेकिन जब तक परमाणु हथियार मौजूद रहेंगे, परमाणु सर्वनाश का खतरा मंडरता रहेगा। चिंता को बात यह है कि परमाणु हथियार-मुक्त विश्व के आह्वान में नागरिक समाज की लामबंदी और सक्रियता का अभाव है। साल 1980 के दशक में, जब



लेखक जिनेवा स्थित निरस्त्रीकरण समिति में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा था, तब यूरोप में परमाणु निरस्त्रीकरण को लेकर सबसे मुखर अभियान चला हुआ था। यहां तक कि महाबोधि सोसायटी अपने प्रमुख, फुजी गुरु के नेतृत्व में, परिषद कक्ष के बाहर खड़ी होकर शांति-मंत्र जपती रही, जो कि केवल एक जापानी कार्यकर्ता ही कर सकता था, दुनिया को यह याद दिलाने के लिए कि हिरोशिमा और नागासाकी परमाणु हथियार-मुक्त विश्व प्राप्ति में एक आवश्यक कारण बने रहे। बाद में, सदी के अंत में, मैं ‘ग्लोबल ज़ीरो’ नामक आंदोलन का हिस्सा था, जिसने परमाणु हथियारों से मुक्त दुनिया के लिए जुनून और दृढ़ता के साथ अभियान चलाया। इसका नेतृत्व ब्रूस जी ब्लेयर ने किया था, जो कभी अमेरिकी परमाणु कमान और नियंत्रण केंद्र का हिस्सा रहे थे और परमाणु शांति की नाकुशा को अच्छी तरह समझते थे। ब्लेयर का 2020 में निधन हो गया और इस आंदोलन ने अपनी गति और ऊर्जा खो दी। मेरा मानना ​​है कि वैश्विक स्तर पर नागरिक समाज आंदोलन के बौर, परमाणु हथियार-मुक्त विश्व की कल्पना महज मरीचिका ही रहेगी। वैश्विक परमाणु नियंत्रण व्यवस्था की स्थिरता पर संदेह करने के कई कारण हैं। पूर्व-निवाण परमाणु सिद्धांत, जिनको लेकर दावा किया जाता है कि उनको बात यह है कि परमाणु हथियार-मुक्त विश्व कायम रही है, उसका प्रभाव सदा से संदिग्ध रहा है और आज तो और भी अधिक संदेहास्पद है। पूर्व-

निवाण परमाणु पहल के अधिकांश सिद्धांत तत्कालीन सोवियत संघ नीत पूर्वी जगत और अमेरिका, ब्रिटेन एवं फ्रांस की अगुवाई वाली परिचमी दुनिया के बीच अनिवार्य रूप से द्वि-आधारीय (बाइनरी) समीकरण से विकसित हुए थे। अवधारणाएं जैसे कि पारस्परिक विनाश की मंशा (परमाणु अस्त्रों से एक-दूसरे का सर्वनाश करने की क्षमता, चाहे पहल किसी भी पक्ष ने की हो) और क्रमिक प्रतिक्रिया में बढ़ोतरी (या फिर यह धारणा कि सीमित क्षमता के परमाणु बमों के उपयोग से बेरोकटोक परस्पर बमबारी के फैलाव को रोकना संभव हो सकता है)। ऐसी सोच वास्तविकता का प्रतिबिम्ब होने की बजाय दिमागी खेल ज्यादा है। यदि पूर्व-निवाण परमाणु पहल, द्वि-आधारीय संदर्भ भी हो, इतनी जटिल साबित हो चुकी है, तब परमाणु हथियार संपन्न अनेक देशों वल परिदृश्य में यह कैसे कारगर हो सकती है? क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विराष्ट्रीय ही रहेगा या इसमें चीन भी भूमिका निभाएगा? तब क्या भारतीय उपमहाद्वीप परमाणु युद्ध में चीन की आमद होने पर रूस और अमेरिका भी इसमें कूद पड़ेंगे? परमाणु शक्तियों की बहुतायत और उनकी प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी हथियार संपन्न अनेक देशों वल परिदृश्य में यह कैसे कारगर हो सकती है? क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विराष्ट्रीय ही रहेगा या इसमें चीन भी भूमिका निभाएगा? तब क्या भारतीय उपमहाद्वीप परमाणु युद्ध में चीन की आमद होने पर रूस और अमेरिका भी इसमें कूद पड़ेंगे? परमाणु शक्तियों की बहुतायत और उनकी प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी हथियार संपन्न अनेक देशों वल परिदृश्य में यह कैसे कारगर हो सकती है? क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विराष्ट्रीय ही रहेगा या इसमें चीन भी भूमिका निभाएगा? तब क्या भारतीय उपमहाद्वीप परमाणु युद्ध में चीन की आमद होने पर रूस और अमेरिका भी इसमें कूद पड़ेंगे? परमाणु शक्तियों की बहुतायत और उनकी प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी हथियार संपन्न अनेक देशों वल परिदृश्य में यह कैसे कारगर हो सकती है? क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विराष्ट्रीय ही रहेगा या इसमें चीन भी भूमिका निभाएगा? तब क्या भारतीय उपमहाद्वीप परमाणु युद्ध में चीन की आमद होने पर रूस और अमेरिका भी इसमें कूद पड़ेंगे? परमाणु शक्तियों की बहुतायत और उनकी प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी हथियार संपन्न अनेक देशों वल परिदृश्य में यह कैसे कारगर हो सकती है? क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विराष्ट्रीय ही रहेगा या इसमें चीन भी भूमिका निभाएगा? तब क्या भारतीय उपमहाद्वीप परमाणु युद्ध में चीन की आमद होने पर रूस और अमेरिका भी इसमें कूद पड़ेंगे? परमाणु शक्तियों की बहुतायत और उनकी प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी हथियार संपन्न अनेक देशों वल परिदृश्य में यह कैसे कारगर हो सकती है? क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विराष्ट्रीय ही रहेगा या इसमें चीन भी भूमिका निभाएगा? तब क्या भारतीय उपमहाद्वीप परमाणु युद्ध में चीन की आमद होने पर रूस और अमेरिका भी इसमें कूद पड़ेंगे? परमाणु शक्तियों की बहुतायत और उनकी प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी हथियार संपन्न अनेक देशों वल परिदृश्य में यह कैसे कारगर हो सकती है? क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विराष्ट्रीय ही रहेगा या इसमें चीन भी भूमिका निभाएगा? तब क्या भारतीय उपमहाद्वीप परमाणु युद्ध में चीन की आमद होने पर रूस और अमेरिका भी इसमें कूद पड़ेंगे? परमाणु शक्तियों की बहुतायत और उनकी प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी हथियार संपन्न अनेक देशों वल परिदृश्य में यह कैसे कारगर हो सकती है? क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विराष्ट्रीय ही रहेगा या इसमें चीन भी भूमिका निभाएगा? तब क्या भारतीय उपमहाद्वीप परमाणु युद्ध में चीन की आमद होने पर रूस और अमेरिका भी इसमें कूद पड़ेंगे? परमाणु शक्तियों की बहुतायत और उनकी प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी हथियार संपन्न अनेक देशों वल परिदृश्य में यह कैसे कारगर हो सकती है? क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विराष्ट्रीय ही रहेगा या इसमें चीन भी भूमिका निभाएगा? तब क्या भारतीय उपमहाद्वीप परमाणु युद्ध में चीन की आमद होने पर रूस और अमेरिका भी इसमें कूद पड़ेंगे? परमाणु शक्तियों की बहुतायत और उनकी प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी हथियार संपन्न अनेक देशों वल परिदृश्य में यह कैसे कारगर हो सकती है? क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विराष्ट्रीय ही रहेगा या इसमें चीन भी भूमिका निभाएगा? तब क्या भारतीय उपमहाद्वीप परमाणु युद्ध में चीन की आमद होने पर रूस और अमेरिका भी इसमें कूद पड़ेंगे? परमाणु शक्तियों की बहुतायत और उनकी प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी हथियार संपन्न अनेक देशों वल परिदृश्य में यह कैसे कारगर हो सकती है? क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विराष्ट्रीय ही रहेगा या इसमें चीन भी भूमिका निभाएगा? तब क्या भारतीय उपमहाद्वीप परमाणु युद्ध में चीन की आमद होने पर रूस और अमेरिका भी इसमें कूद पड़ेंगे? परमाणु शक्तियों की बहुतायत और उनकी प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी हथियार संपन्न अनेक देशों वल परिदृश्य में यह कैसे कारगर हो सकती है? क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विराष्ट्रीय ही रहेगा या इसमें चीन भी भूमिका निभाएगा? तब क्या भारतीय उपमहाद्वीप परमाणु युद्ध में चीन की आमद होने पर रूस और अमेरिका भी इसमें कूद पड़ेंगे? परमाणु शक्तियों की बहुतायत और उनकी प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी हथियार संपन्न अनेक देशों वल परिदृश्य में यह कैसे कारगर हो सकती है? क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विराष्ट्रीय ही रहेगा या इसमें चीन भी भूमिका निभाएगा? तब क्या भारतीय उपमहाद्वीप परमाणु युद्ध में चीन की आमद होने पर रूस और अमेरिका भी इसमें कूद पड़ेंगे? परमाणु शक्तियों की बहुतायत और उनकी प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी हथियार संपन्न अनेक देशों वल परिदृश्य में यह कैसे कारगर हो सकती है? क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विराष्ट्रीय ही रहेगा या इसमें चीन भी भूमिका निभाएगा? तब क्या भारतीय उपमहाद्वीप परमाणु युद्ध में चीन की आमद होने पर रूस और अमेरिका भी इसमें कूद पड़ेंगे? परमाणु शक्तियों की बहुतायत और उनकी प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी हथियार संपन्न अनेक देशों वल परिदृश्य में यह कैसे कारगर हो सकती है? क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विराष्ट्रीय ही रहेगा या इसमें चीन भी भूमिका निभाएगा? तब क्या भारतीय उपमहाद्वीप परमाणु युद्ध में चीन की आमद होने पर रूस और अमेरिका भी इसमें कूद पड़ेंगे? परमाणु शक्तियों की बहुतायत और उनकी प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी हथियार संपन्न अनेक देशों वल परिदृश्य में यह कैसे कारगर हो सकती है? क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विराष्ट्रीय ही रहेगा या इसमें चीन भी भूमिका निभाएगा? तब क्या भारतीय उपमहाद्वीप परमाणु युद्ध में चीन की आमद होने पर रूस और अमेरिका भी इसमें कूद पड़ेंगे? परमाणु शक्तियों की बहुतायत और उनकी प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी हथियार संपन्न अनेक देशों वल परिदृश्य में यह कैसे कारगर हो सकती है? क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विराष्ट्रीय ही रहेगा या इसमें चीन भी भूमिका निभाएगा? तब क्या भारतीय उपमहाद्वीप परमाणु युद्ध में चीन की आमद होने पर रूस और अमेरिका भी इसमें कूद पड़ेंगे? परमाणु शक्तियों की बहुतायत और उनकी प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी हथियार संपन्न अनेक देशों वल परिदृश्य में यह कैसे कारगर हो सकती है? क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विराष्ट्रीय ही रहेगा या इसमें चीन भी भूमिका निभाएगा? तब क्या भारतीय उपमहाद्वीप परमाणु युद्ध में चीन की आमद होने पर रूस और अमेरिका भी इसमें कूद पड़ेंगे? परमाणु शक्तियों की बहुतायत और उनकी प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी हथियार संपन्न अनेक देशों वल परिदृश्य में यह कैसे कारगर हो सकती है? क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विराष्ट्रीय ही रहेगा या इसमें चीन भी भूमिका निभाएगा? तब क्या भारतीय उपमहाद्वीप परमाणु युद्ध में चीन की आमद होने पर रूस और अमेरिका भी इसमें कूद पड़ेंगे? परमाणु शक्तियों की बहुतायत और उनकी प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी हथियार संपन्न अनेक देशों वल परिदृश्य में यह कैसे कारगर हो सकती है? क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विराष्ट्रीय ही रहेगा या इसमें चीन भी भूमिका निभाएगा? तब क्या भारतीय उपमहाद्वीप परमाणु युद्ध में चीन की आमद होने पर रूस और अमेरिका भी इसमें कूद पड़ेंगे? परमाणु शक्तियों की बहुतायत और उनकी प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी हथियार संपन्न अनेक देशों वल परिदृश्य में यह कैसे कारगर हो सकती है? क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विराष्ट्रीय ही रहेगा या इसमें चीन भी भूमिका निभाएगा? तब क्या भारतीय उपमहाद्वीप परमाणु युद्ध में चीन की आमद होने पर रूस और अमेरिका भी इसमें कूद पड़ेंगे? परमाणु शक्तियों की बहुतायत और उनकी प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी हथियार संपन्न अनेक देशों वल परिदृश्य में यह कैसे कारगर हो सकती है? क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विराष्ट्रीय ही रहेगा या इसमें चीन भी भूमिका निभाएगा? तब क्या भारतीय उपमहाद्वीप परमाणु युद्ध में चीन की आमद होने पर रूस और अमेरिका भी इसमें कूद पड़ेंगे? परमाणु शक्तियों की बहुतायत और उनकी प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी हथियार संपन्न अनेक देशों वल परिदृश्य में यह कैसे कारगर हो सकती है? क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विरा



दुर्लभ और अद्भुत घटना ने कर दिया खगोलविदों को हैरान

वाशिंगटन,18 अगस्त (एजेंसियां)।

धरती से लगभग 700 मिलियन लाइट-ईयर्स दूर स्थित गैलेक्सी क्लस्टर अबेल 3667 में पहली बार वैज्ञानिकों ने देखा है कि एक गैलेक्सी से तारे निकलकर दूसरी गैलेक्सी की ओर खिंच रहे हैं। अंतरिक्ष में हो रही एक दुर्लभ और अद्भुत घटना ने खगोलविदों को हैरान कर दिया है। वैज्ञानिकों के अनुसार, अबेल 3667 वास्तव में दो छोटे गैलेक्सी क्लस्टरों के विलय का नतीजा है। इनका टकराव लगभग एक अरब वर्ष पहले शुरू हुआ था। हर क्लस्टर की अपनी एक प्रमुख केंद्रीय गैलेक्सी थी, और अब ये विशाल गैलेक्सियां तथा उनके उपग्रह एक-दूसरे में विलीन हो रहे हैं।

इस प्रक्रिया में बन रहा तारों का यह पुल, यहां मौजूद गुरुत्वाकर्षण की शक्ति और क्लस्टर के अतीत की कहानी को उजागर करता है। ब्राउन यूनिवर्सिटी के पीएचडी शोधकर्ता एंथनी एंग्लर्ट ने कहा, इतने बड़े पैमाने पर और इतनी नजदीकी किसी क्लस्टर में ऐसी संरचना पहली बार देखी गई है। यह हमारे लिए अप्रत्याशित खोज थी। यह पुल 'इंट्रा-क्लस्टर लाइट' से बना है वह रोशनी जो उन सितारों से आती है, जो अपनी मूल गैलेक्सी से निकलकर खुले अंतरिक्ष में तैर रहे हैं। इस अत्यंत धुंधली रोशनी को पकड़ना आसान नहीं था।

इसके लिए वैज्ञानिकों ने चिली के केरो टोलोलो इंटर अमेरिकन आब्जर्वेटरी में मौजूद

डार्क एनर्जी कैमरा से कई वर्षों में जुटाए गए आंकड़ों का विश्लेषण किया। कुल 28 घंटे के अवलोकन डेटा को स्टैक करने के बाद यह अद्भुत तस्वीर सामने आई। एंग्लर्ट के शब्दों में, यह महज संयोग था कि वर्षों में कई खगोलविदों ने अबेल 3667 की तस्वीरें लीं और उन्हें मिलाकर हम यह नजारा देख पाए। तारों के इस पुल का एक सिरा आईसी 4965 नाम की लेंटिकुलर (डिस्कनुमा) गैलेक्सी से जुड़ा है, जिसके पास कुछ छोटी गैलेक्सियां भी मौजूद हैं, जो अभी क्लस्टर में शामिल हो रही हैं। दूसरा सिरा जे ओ 171 तक पहुंचता है, जिसे 'जेलीफिश गैलेक्सी' कहा जाता है।

इसके एक ओर लंबी गैस की धाराएं निकल रही हैं, क्योंकि क्लस्टर में शामिल

होते समय इसका गैस भंडार छीना जा रहा है। इससे इसके कुछ हिस्सों में नए सितारों का निर्माण रुक गया है। यह खोज सिर्फ सुंदर दृश्य भर नहीं है, बल्कि ब्रह्मांड के रहस्यों को समझने में भी अहम है। वैज्ञानिक मानते हैं कि इंट्रा-क्लस्टर लाइट का फैलाव, डार्क मैटर के वितरण का नक्शा तैयार करने में मदद कर सकता है। डार्क मैटर ब्रह्मांड के लगभग 80 प्रतिशत द्रव्यमान का हिस्सा है, लेकिन यह अदृश्य है। अध्ययन के सह-लेखक आयन डेल पेंटोनियो के अनुसार, इस प्रकाश का वितरण डार्क मैटर के वितरण से मेल खाता है, यानी यह हमें डार्क मैटर को 'देखने' का एक अप्रत्यक्ष तरीका देता है। यह अध्ययन अभी शुरूआती चरण में है।

न्यूज़ ब्रीफ

अमेरिका से पाकिस्तान लौटा दिवंगत पत्रकार का परिवार, मौत को हत्या बताया



कराची। दिवंगत पत्रकार ख़ावर हुसैन का परिवार अमेरिका से सोमवार को कराची (पाकिस्तान) लौट आया। ख़ावर हुसैन का शव शनिवार को संग्रहार में एक कार में मिला था। ख़ावर हुसैन के माता-पिता और भाई कराची हवाई अड्डे से सीधे संग्रहार रवाना हो गए। ख़ावर हुसैन के पिता ने मीडिया से बातचीत में आत्महत्या की संभावना को खारिज करते हुए उन्हें एक बहादुर व्यक्ति बताया। उन्होंने कहा, मेरा बेटा खुद को गोली नहीं मार सकता, यह हत्या है। उन्होंने कहा कि परिवार का किसी से कोई विवाद या दुश्मनी नहीं है। सिंध पुलिस ने पत्रकार ख़ावर हुसैन की मौत की जांच के लिए अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक सीटीडी आजाद खान के नेतृत्व में समिति का गठन किया था। समिति में डीआईजी (पश्चिम) इरफ़ान बलोच और एसएसपी संघर आबिद बलोच भी शामिल होंगे। इस बीच, सिंध सरकार ने ख़ावर हुसैन के पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल बोर्ड गठित करने का भी फैसला किया है। पुलिस के अनुसार, एक निजी समाचार चैनल से जुड़े पत्रकार ख़ावर हुसैन का गोलीयां से छलनी शव संग्रहार में उनकी कार के अंदर हेदराबाद रोड स्थित एक रेस्टोरेंट के बाहर मिला था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के अनुसार, ख़ावर हुसैन के हाथ में एक पिस्तौल थी। ख़ावर हुसैन लगभग एक दशक से कराची में पत्रकारिता कर रहे थे। घटना के समय पत्रकार ख़ावर हुसैन का परिवार अमेरिका गया हुआ था।

भारतीय विदेश सचिव की मधेशी नेताओं के साथ मुलाकात के बाद होगी दिल्ली वापसी



काठमांडू। दो दिनों के नेपाल दौरे पर आए भारत के विदेश सचिव विक्रम मिश्री की राजनीतिक मुलाकातों का दौरा सोमवार को दूसरे दिन भी जारी है। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को भारत भ्रमण का औपचारिक निमंत्रण देने आए भारत के विदेश सचिव अपने दो दिवसीय यात्रा के आखिरी में मधेशी मोर्चा के प्रमुख नेताओं के साथ लंच मीटिंग पर मुलाकात करने वाले हैं। भारतीय विदेश सचिव की यह मुलाकात काफी अहम मानी जा रही है। काठमांडू के झारिका होटल में इन नेताओं के साथ मधेश के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। मधेशी मोर्चा के नेताओं के साथ बैठक के बाद भारतीय विदेश सचिव दोपहर 2:30 बजे भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से दिल्ली लौटेंगे। इससे पहले सुबह ही भारतीय विदेश सचिव ने पशुपतिनाथ मंदिर में विशेष पूजा और रुद्राभिषेक किया। मधेश के प्रति राजनीति करने वाले प्रमुख नेता महंत ठाकुर, राजेन्द्र महतो, हृदयेश त्रिपाठी, उपेन्द्र यादव, डॉ सीके राउत और रेशम चौधरी को इस मुलाकात के लिए आमंत्रित किया गया है। इन सभी नेताओं ने संयुक्त लोकतांत्रिक मधेशी मोर्चा का गठन किया है। मधेशी मोर्चा के प्रतिनिधि सभा में 26 सांसद हैं। मोर्चा के नेता त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय विदेश सचिव के साथ मिलकर मोर्चा को भारत के तरफ से दिए जा रहे उनके नैतिक समर्थन के लिए धन्यवाद ज्ञापन किया जाएगा।

पाकिस्तान के बलोचिस्तान में छह दिन में 24 सैनिकों को मारने का दावा किया बलोच राजा आजोई संगर ने

क़ेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोच राजा आजोई संगर (बीआरएस) ने दावा किया कि उसके लड़ाकों ने



10 से 15 अगस्त के बीच बलोचिस्तान में 71 हमले किए। इन हमलों में 24 पाकिस्तानी सैनिक और पांच सधीय सरकार समर्थित एजेंट मारे गए और कई अन्य घायल हुए। बीआरएस के प्रवक्ता बलोच खान ने मीडिया बयान में कहा कि समूह ने कई जिलों में सर्मावत अभियानों में सैन्य शिविरों, काफिलों, पुलिस थानों और तथाकथित मृत्यु दस्ते के सदस्यों को निशाना बनाया। समूह के प्रवक्ता के हवाले से जानकारी दी कि सबसे बड़ा हमला बसिमा में किया गया। लड़ाकों ने एक सैन्य शिविर पर धावा बोलकर एक कैप्टन सहित कम से कम 13 सैनिकों की हत्या कर दी। इसके अलावा लड़ाकों ने एक लेवी स्टेशन पर भी कुछ समय के लिए कब्जा कर अनेक सरकारी कार्यालयों में आग लगा दी और वाहनों को नष्ट कर दिया। बीआरएस ने ग्वादर के न्यू टाउन इलाके में एक सैन्य काफिले को निशाना बनाकर किए गए आईडी विस्फोट की भी जिम्मेदारी ली है। इसमें दो सैनिक मारे गए थे।

अमेरिका को बड़ा झटका : ट्रंप के लिए उल्टा पड़ गया अलास्का का दांव, विजेता बनकर उभरे पुतिन

वाशिंगटन,18 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियां अमेरिका को भारी नुकसान पहुंचा रहीं हैं। इसका ताजा उदाहरण अलास्का की मीटिंग है। यहां अमेरिका और रूस के राष्ट्रपतियों का शिखर सम्मेलन ने यूक्रेन युद्ध खत्म करने को लेकर बहुत सारी उम्मीदें जताई थीं, लेकिन इसके बजाय ये सवाल ज्यादा छोड़ गया है। इस मुलाकात के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक दशक बाद अमेरिकी धरती पर कदम रखा था। पर्यवेक्षकों ने इस वार्ता को मॉस्को के लिए एक प्रतीकात्मक जीत बताया है। लगभग तीन घंटे तक चली इस बातचीत को पुतिन और ट्रंप दोनों ने उत्पादक बताया। हालांकि, यह शिखर वार्ता बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई लेकिन इसने अमेरिका-रूस के तनावपूर्ण संबंधों में सुधार का संकेत दिया खास बात ये रही कि वार्ता में यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगियों को शामिल नहीं किया गया था। शिखर सम्मेलन के बाद ट्रंप ने क्षेत्रों की अदला-बदली और अमेरिकी सुरक्षा गारंटी के बारे में टिप्पणियां कीं जिसने इस बात को लेकर भ्रम पैदा कर दिया कि क्या उन्होंने रूस को युद्ध के दौरान कब्जा किए गए यूक्रेनी क्षेत्रों को अपने पास रखने की मौन स्वीकृति दे दी है। यून सुन ने कहा कि ट्रंप यह समझते हैं कि अमेरिका यूक्रेन के मामलों में नेतृत्व नहीं कर सकता। वह सहायता तो कर सकता है, लेकिन हुकूम नहीं चला सकता। इसलिए उन्होंने (बाद के इंटरव्यू में) इस बात पर जोर दिया कि रूस-यूक्रेन वार्ता का अगला दौर दोनों पक्षों के बीच उनकी उपस्थिति में होना चाहिए। विश्लेषकों ने इस बात पर सहमति जताई है कि शिखर सम्मेलन पुतिन के लिए एक स्पष्ट जीत है। शंघाई स्थित अंतर्राष्ट्रीय मामलों के प्रोफेसर शेन डिंगाली ने भी इस बैठक को पुतिन की जीत बताया। शेन ने कहा, पश्चिम द्वारा आगे चलकर इस आम सहमति से समझौता करने की संभावना नहीं है। इसलिए, भविष्य में होने वाली किसी भी अमेरिका-रूस वार्ता के सार्थक परिणाम मिलने की संभावना नहीं है। एक इंटरव्यू में ट्रंप की जमीन अदला-बदली की टिप्पणी पर हैरानी जताई। उन्होंने कहा, अगर ऐसा है तो ट्रंप पहले ही आम सहमति का उल्लंघन कर चुके हैं। यूरोपीय संघ सहमत नहीं होगा। यूक्रेन सहमत नहीं होगा। वहीं, चीन कुछ लोग चुपचाप खुश होंगे।



रूस-यूक्रेन संघर्ष के समाधान के लिए पुतिन से बातचीत जरूरी: मार्को रुबियो

न्यूयॉर्क। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन लंबे समय से एक वैश्विक नेता रहे हैं। इसलिए, यूक्रेन में चल रहे संघर्ष को सुलझाने के लिए अमेरिका के पास उनसे बातचीत करने के अलावा कोई और रास्ता नहीं है। रविवार को एक इंटरव्यू में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि कहा, पुतिन पहले से ही दुनिया के मंच पर एक अहम नेता हैं। उन्होंने कहा कि उनके पास दुनिया का सबसे बड़ा सामरिक परमाणु हथियारों का भंडार है और दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा रणनीतिक परमाणु हथियारों का भंडार भी है। वह पहले से ही दुनिया के बड़े नेताओं में शामिल हैं। उन्होंने कहा, जब मैं लोगों को यह कहते सुनता हूं कि ओह, इससे पुतिन का कद बढ़ जाएगा, तो मुझे हैरानी होती है। हम तो हर वक्त पुतिन के बारे में ही बात करते हैं। पिछले चार-पांच सालों से मीडिया भी लगातार पुतिन की ही चर्चा कर रहा है। उन्होंने आगे कहा, इसका मतलब है कि रूस और यूक्रेन के बीच शांति समझौता पुतिन से बात किए बिना नहीं हो सकता। जब तक पुतिन से बातचीत नहीं होगी, तब तक यह युद्ध खत्म नहीं हो सकता। यह तो आम समझ की बात है, मुझे इसे समझाने की जरूरत नहीं है। इसलिए, लोग जो चाहें, कह सकते हैं। 15 अगस्त को अलास्का के एक सैन्य अड्डे पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच मुलाकात हुई। यह बैठक करीब तीन घंटे तक चली। रूसी पक्ष की ओर से राष्ट्रपति के सहयोगी युरी उशाकोव और विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव मौजूद थे। वहीं, अमेरिकी पक्ष की ओर से विदेश मंत्री मार्को रुबियो और ट्रंप के विशेष दूत स्टीव बिटकोफ ने भाग लिया। बातचीत के बाद मीडिया को दिए गए बयान में पुतिन ने कहा कि यूक्रेन में चल रहे युद्ध का हल इस शिखर सम्मेलन का सबसे अहम मुद्दा था। रूसी राष्ट्रपति ने अमेरिका और रूस के रिश्तों को बेहतर बनाने और फिर से सहयोग शुरू करने की बात कही। साथ ही, उन्होंने ट्रंप को मार्को आने का निमंत्रण भी दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि बातचीत में कुछ प्रगति जरूर हुई है। लेकिन, दोनों देश किसी ठोस समझौते तक नहीं पहुंच पाए हैं। रुबियो ने रविवार को कहा कि शांति समझौता करने के लिए पुतिन और जेलेंस्की दोनों को कुछ समझौते करने होंगे।

व्हाइट हाउस में जेलेंस्की के साथ यूरोपीय संघ के नेता भी होंगे, ट्रंप से करेंगे मुलाकात



वाशिंगटन। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप से मुलाकात करेंगे। उनके साथ यूरोपीय संघ के नेता भी होंगे। यह बैठ ट्रंप की रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के कुछ दिन बाद हो रही है। पुतिन ने शांति योजना में एक प्रस्ताव किया है। इसके तहत यूक्रेन को अपने भू-भाग का एक बड़ा हिस्सा छोड़ना होगा। खबर के अनुसार, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर एकजुटता दिखाने के लिए जेलेंस्की के साथ रहेंगे। पुतिन और ट्रंप की शुकवार को अलास्का में बैठक हुई थी। युद्ध समाप्त करने के लिए रूस का प्रस्ताव यूक्रेन को संभवतः मंजूर नहीं है। रूस ने कहा कि यूक्रेन को डोनबास छोड़ना होगा। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति के दूत स्टीव बिटकोफ ने रविवार को कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर वी. पुतिन अलास्का में कुछ रियायतों की ओर बढ़े हैं। वहीं विदेश सचिव मार्को रुबियो ने चेतावनी दी कि रूस और यूक्रेन दोनों को रियायतें देनी होंगी। बिना इसके निकट भविष्य में शांति संभव नहीं हो सकती है।

पाक में बाढ़ आपदा में अब तक 540 लोगों की मौत, पंजाब और खैबर-पख्तूनख्वा में खतरा बरकरार

इस्लामाबाद,18 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में तेज बरसात के बाद आई बाढ़ के कहर में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 540 हो गई। इस बीच राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने रविवार को चेतावनी जारी की है कि पंजाब और खैबर-पख्तूनख्वा में खतरा बरकरार है। दोनों प्रांतों में भारी बरसात होने और बाढ़ फैलने की आशंका है।

खबर के अनुसार, लापता लोगों की तलाश अभी भी जारी है। रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता बिलाल अहमद फेजी ने बताया कि खैबर-पख्तूनख्वा के बाढ़ प्रभावित इलाकों



से 373 शव बरामद किए गए हैं। इनमें से ज्यादातर बुनेर जिले से हैं। बुनेर और अन्य जिलों में बचाव और तलाशी अभियान जारी हैं। लाहौर, रावलपिंडी, तबाही हुई है। सूत्रों ने बताया कि रविवार

रात तक मरने वालों की संख्या बढ़कर 540 हो गई है। एनडीएमए के अनुसार, सितंबर की शुरुआत तक भारी वर्षा होने की संभावना है। लाहौर, रावलपिंडी, इस्लामाबाद और गुजरांवाला में बाढ़ का

खतरा मंडरा रहा है, जबकि उत्तरी क्षेत्रों में भूस्खलन का अतिरिक्त खतरा है। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान लगभग 5,212 लोगों को बचाया गया। बुनेर के पिशुनई और अन्य प्रभावित गांवों के कब्जिस्तान में 50 से अधिक लोगों को सुपुर्द-ए-खाक किया गया।

एनडीएमए के प्रवक्ता डॉ. मोहम्मद तैय्यब शाह ने पहाड़ी इलाकों में अनावश्यक यात्रा न करने की चेतावनी जारी की है। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग ने 22 अगस्त तक लगातार भारी बारिश का अनुमान जताया है। इस बीच रावलपिंडी के नाला लाई सहित उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में भारा 144 लांगू की गई है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के निर्देश पर एनडीएमए ने रविवार को पर्वतीय क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया है।

बांग्लादेश में जासूसी शाखा के पूर्व प्रमुख मोहम्मद हारुन रशीद समेत 18 वरिष्ठ पुलिस अधिकारी निलंबित

ढाका। बांग्लादेश में 18 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया। इन सभी पर ड्यूटी के दौरान अनुपस्थित रहने का आरोप है। गुह मंत्रालय के जन सुरक्षा प्रभाग ने इस आशय का आदेश जारी किया। इनमें हाई प्रोफाइल पुलिस अधिकारी मोहम्मद हारुन राशिद भी शामिल हैं। वह ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की जासूसी शाखा के प्रमुख रह चुके हैं। खबर के अनुसार आदेश में कहा गया है कि ये अधिकारी 2024 और 2025 में विभिन्न तिथियों पर विभागीय अधिकारियों की अनुमति के बिना ड्यूटी से अनुपस्थित रहे। यह सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियम-2018 के अंतर्गत भगोड़ा की श्रेणी में आता है। निलंबित अधिकारियों में ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस, डीआईजी कार्यालयों, साराख पुलिस बटालियन, पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों और अन्य विशिष्ट इकाइयों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। इस सूची में डीएमपी के संयुक्त आयुक्त संजीत कुमार रे, चटगांव के अतिरिक्त डीआईजी रिफत रहमान शमीम और चटगांव रेंज डीआईजी कार्यालय के पुलिस अधीक्षक और डीएमपी के पूर्व आयुक्त काजी अशरफुल अजीम भी शामिल हैं। आदेश में कहा गया है कि अधिकारी निलंबन अवधि के दौरान सिर्फ निर्वह भते के हकदार होंगे।

टारेटुला की नई प्रजातियों के पल्लस का आकार देखकर शोधकर्ता हैरान

लंदन। आमतौर पर मकड़ियों में पारंपरिक पेनिस नहीं होता। नर, अपने पेने से जुड़े एक डक्ट के जरिए शुक्राणु एकत्र करते हैं और फिर 'पल्लस' नाम के हाथनुमा अंगों के जरिए इन्हें मादा में पहुंचाते हैं। लेकिन इन नई प्रजातियों के पल्लस का आकार इतना बड़ा है कि शोधकर्ता हैरान रह गए हैं। सबसे बड़े नर टारेटुला के पल्लस 5 सेंटीमीटर लंबे पाए गए, जो उसके पैरों के बराबर और शरीर के ऊपरी हिस्से से करीब 3.85 गुना बड़े हैं। आम टारेटुला में पल्लस सिर्फ शरीर के दूसरे होते हैं, जिससे यह खोज और भी खास बन जाती है। इन चारों नई प्रजातियों को वैज्ञानिकों ने एक नए जीनस में शामिल किया है।

एयर कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए नेपाल ने भारत से अतिरिक्त एयर रूट की मांग की

काठमांडू,18 अगस्त (एजेंसियां)।

नेपाल और भारत के बीच एयर कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए नेपाल सरकार की तरफ से भारत के समक्ष एक बार फिर अतिरिक्त एयर रूट की मांग की गई है।

नेपाल दौरे पर रहे भारत के विदेश सचिव विक्रम मिश्री के साथ मुलाकात के दौरान नेपाल की विदेश मंत्री डॉ आरजु राणा ने भारत के विभिन्न शहरों के साथ नेपाल के अलग-अलग शहरों को जोड़ने के लिए दोनों देशों के बीच एयर कनेक्टिविटी को बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने भारत के साथ एयर कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए नेपाल को अतिरिक्त हवाई रूट देने की मांग भी की है।

भारतीय विदेश सचिव के साथ बैठक के दौरान डॉ आरजु राणा ने कहा कि इस समय नेपाल और भारत के बीच पांच शहरों में ही एयर कनेक्टिविटी है। दिल्ली, मुंबई, बंगलूरु, वागानसी और कोलकाता शहर काठमांडू से एयर रूट से जुड़ा हुए हैं। नेपाल की तरफ से भारत के



अन्य शहरों के लिए भी एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने की औपचारिक मांग की गई है। विदेश मंत्री डॉ राणा ने बताया कि भारत के अन्य शहर को भी हवाई रूट से जोड़ने के लिए आग्रह किया गया है। उन्होंने बताया कि पटना, लखनऊ, देहरादून, अहमदाबाद,

जयपुर सहित दक्षिण भारत के हवाई उड़ान करने का प्रस्ताव रखा गया है। विदेश मंत्री ने यह भी बताया कि भारत के शहरों से काठमांडू के अलावा पोखरा और भैरहवा अंतराष्ट्रीय हवाईअड्डे से भी जोड़ने के लिए विचार करने का आग्रह

किया गया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री केपी ओली के प्रस्तावित भारत यात्रा के दौरान इस पर कोई निर्णय हो सकता है।

भारतीय विदेश सचिव के साथ बैठक के दौरान विदेश मंत्री डॉ राणा ने भारत से नेपाल में आने वाले अंतरराष्ट्रीय विमानों के लिए दो नए एयर रूट देने की भी मांग की है। डॉ राणा ने बताया कि नेपाल कई वर्षों से भारत सरकार के समक्ष गोरखपुर-सुनौली हवाई रूट और लखनऊ-नेपालगढ़ हवाई रूट को उपलब्ध कराने के लिए आग्रह करता आ रहा है। इस समय भारत के एयरस्पेस से होकर नेपाल में आने वाले सभी विमान को सिर्फ एक ही रूट उपलब्ध कराया गया है जो कि पटना-मोतिहारी-रक्सौल-सिमरा होते हुए काठमांडू में लैंड करते हैं। एक ही हवाई रूट होने से काठमांडू का विमानस्थल काफी व्यस्त रहता है जिसके कारण प्रत्येक दिन कई विमानों को घंटों तक आसमान में ही होल्ड करना पड़ता है।

कर सकते हैं। उनके साथ अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा के साथ ही हर्षित राणा में से किसी एक को अवसर मिल सकता है। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के चयन की संभावना बेहद कम है। स्पिनर के रूप में कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई और अक्षर पटेल में से किसी जगह मिलती है ये देखना होगा।

बल्लेबाज हैं। वह बीच के ओवरों में अपनी अच्छी बल्लेबाजी के करण उपयोगी रहे। चोपड़ा ने कहा, श्रेयस ने चैंपियंस ट्रॉफी में शानदार बल्लेबाजी की थी। बीच के ओवरों में उनसे बेहतर कोई भारतीय बल्लेबाज नहीं रहा। बीच के ओवरों में अपनी अच्छी बल्लेबाजी के करण उपयोगी रहे वह विश्वी टी20 पर आक्रमण कर रहे थे। वह जब चाहें बाउंड्री लगा रहे थे और दूसरे छोर पर खेल रहे बल्लेबाज पर से डावाव काम कर रहे थे। चोपड़ा ने यह भी कहा कि श्रेयस ने आईपीएल 2025 में भी जबरदस्त प्रदर्शन कर टी20 में अपने को साबित किया था। इस पूरे फ़िक्केट में कहा, आईपीएल में काफी डावाव के बाद भी श्रेयस के लिए सच काफी अच्छा रहा। हमने बार-बार देखा है कि टी20 टीम का चयन बल्लेबाजी के प्रदर्शन के आधार पर होता है। हमने वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, हर्षित राणा, अभिषेक शर्मा, संजु सैमसन और सभी के साथ ऐसा देखा है। अगर हम बल्लेबाज नजरि से देखें, तो श्रेयस भी खेलने के अधिकारी हैं क्योंकि उन्होंने आईपीएल में पंजाब किंग्स के कप्तानी के तौर पर काफी रन बनाये हैं।

बेंगलूरु

सूर्यकुमार की कप्तानी में एशिया कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा होने की संभावना

कर सकते हैं। उनके साथ अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा के साथ ही हर्षित राणा में से किसी एक को अवसर मिल सकता है। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के चयन की संभावना बेहद कम है। स्पिनर के रूप में कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई और अक्षर पटेल में से किसी जगह मिलती है ये देखना होगा।

डल झील में होगा पहला खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल, 21 से 23 अगस्त तक दिखेगा नया नजारा

इस आयोजन को कश्मीर की संस्कृति से भी जोड़ा गया है। फेस्टिवल का मैस्कोट हिमालयन किंगफिशर



दलीप ट्रॉफी के पहले मैच से ईशान किशन बाहर, अमिमन्यु ईश्वरन बने ईस्ट जोन के कप्तान

आयोजन गुलमर्ग में खेले इंडिया विंटर गेम्स के बाद जम्मू-कश्मीर में होने वाला दूसरा बड़ा इवेंट होगा। 2017-18 में शुरू हुई खेले इंडिया योजना का मकसद जमीनी स्तर पर खेल संस्कृति को बढ़ावा देना, प्रतिभा की पहचान करना और खेल अवसरंचना का विकास करना है।

नये कोच ने छेत्री को राष्ट्रीय शिविर में शामिल नहीं करने का कारण बताया



कालकाटा। भारतीय फुटबॉल टीम के नये कोच खालिद जमील ने स्टार स्ट्राइकर सुनील छेत्री को सीएफएफ नेशनल कप राष्ट्रीय शिविर के लिए शामिल नहीं किया जाने पर उठ रहे सवाल को लेकर कहा है कि वे दुर्भाग्यवश अवदुबूर में होने वाले एशियाई कप कालीफांग दौरे के मैचों की तैयारी के लिए रखा गया है। इसी कारण इसमें युवाओं को अधिक अवसर दिये गये हैं। कोच के अनुसार वह अन्य खिलाड़ियों को भी आजमाना चाहते थे। छेत्री ने इसी साल सैन्यास से वापसी की है। वहीं जमील को हाल ही में मार्केज की जगह पर कोच बनाया गया था। कोच ने कहा कि छेत्री नौ अवदुबूर को (विदेश में) और 14 अवदुबूर को (घरेलू) घरेली पर सिंगापुर के खिलाफ एशियाई कप कालीफांग दौरे के मैचों में शामिल करने चाहते हैं। एशियाई कप कालीफांग दौरे के मैचों में शामिल करने उन्हीने कहा, 'मैं इस फीफा विंडो के दौरान कुछ अन्य खिलाड़ियों को भी आजमाना चाहता हूं। मैंने छेत्री से इस बारे में बात की थी। टीम में उनके जैसे खिलाड़ी का होना हमेशा खुशी की बात होती है और उनके लिए दरवाजे हमेशा खुले हैं।' जमील ने कहा, 'छेत्री एक महान खिलाड़ी हैं। मैं उनके खिलाफ खेला हूँ, मैंने उन्हें कई अवसरों पर खेलते देखा है और वह मेरे पसंदीदा खिलाड़ियों में से एक हैं। वह भारतीय फुटबॉल के लिए एक आदर्श हैं अभी राष्ट्रीय शिविर में 22 खिलाड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं जबकि बचे हुए 13 अन्य इंडर कप के लिए वलबों को अपनी सेवाएं दे रहे हैं और जल्द ही शिविर से जुड़ेंगे। सीएफएफ नेशनल कप में जमील कोच के तौर पर पहली बार दिखेंगे।'

**दीपिका कुमारी, ज्योति सुरेखा
वेन्जम, धीरज बोम्मादेवर और
अभिषेक वर्मा सहित कई शीर्ष
भारतीय तीरंदाज शामिल**

भारतीय स्टार तीरंदाजों की मौजूदगी - ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकीं दीपिका कुमारी (विश्व नंबर 3) और धीरज



कंपाउंड कैटेगरी में दमदार लाइनअप - पुरुष कंपाउंड खिलाड़ियों में अमन सैनी (रैंक 1), ओजस प्रवीन देवताले (रैंक 5), साहिल राजेश जाधव (रैंक 6), चिट्टिबोम्मा जिग्नास (रैंक 8) और पुलकित कजला (रैंक 9) खेलेंगे।

प्रीमियर लीग: आर्सनल ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराकर विजयी शुरुआत की, कैलाफियोरी बने हीरो

आर्सनल ने पिछले तीन सीज़न लगातार दूसरे स्थान पर खत्म किए हैं और अब कोच मिकेल आर्टेटा पर 2003-04 के बाद क्लब का पहला लीग खिताब दिलाने का दबाव है। इस मैच में टीम को गोलकीपर डेविड रायया और सॉलिड डिफेंस ने जीत दिलाई। रायया ने कई शानदार बचाव करते हुए



यूनाइटेड का ओर से पॉट्रक डीगु का शीट पास्ट से टकराकर बाहर गया, जबकि म्यूमो और कुन्हा की कोशिशें भी नाकाम रहीं। दूसरी ओर, आर्सेनल का नया स्ट्राइकर विक्टर ग्योकोरेस शांत प्रदर्शन करते दिखे और उन्हें जल्द ही काई हैवर्टज़ से बदल

दिया गया। दूसरे हाफ में यूनाइटेड ने दबाव जरूर बनाया, लेकिन आर्सेनल ने लीड को बनाए रखे और तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए। इस जीत के साथ आर्सेनल ने अपने खिताबी प्रतिद्वंद्वियों लिवरपूल और मैनचेस्टर सिटी के साथ तालमेल बनाए रखा।

आर्चरी प्रीमियर लीग : पहले सीजन के लिए भारतीय खिलाड़ियों की लिस्ट जारी

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अभिनन्द्य ईश्वरन कर सकते हैं भारत ए की कप्तानी

मुम्बई। अभिमन्यु ईश्वरन अगले माह ऑस्ट्रेलिया ए टीम के खिलाफ होने वाले मुकाबलों में भारत ए टीम की कप्तानी कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया ए की टीम का सितंबर में भारत दौरे का कार्यक्रम है। इस दौरे में वह भारत ए टीम के खिलाफ 16 सितंबर से 5 अक्टूबर तक एक अनौपचारिक टेस्ट और एकदिवसीय वही सीरीज खेलेंगी। इस सीरीज में अभिमन्यु बल्लेबाज क्रुजुरा गायकवाड के साथ पारी की शुरुआत कर सकते हैं। इन दोनों ही खिलाड़ियों ने अब तक एक भी टेस्ट नहीं खेला है। अभिमन्यु ईश्वरन ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड दौरे पर जा चुके हैं और उन्हें अवसर नहीं मिला है। वहीं क्रुजुरा 2023 में वेस्टइंडीज दौरे पर गए थे पर उनसे भी तब अतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। ईश्वरन लंबे समय से अपने टेस्ट डेब्यू का इंतजार कर रहे हैं। वहीं क्रुजुरा एकदिवसीय और टी20 में डेब्यू कर चुके हैं। वहीं साई सुदर्शन सीरीज में नंबर पर खेल सकते हैं। इसके बाद वह वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज का हिस्सा होंगे। सुदर्शन ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। करुण नायर और सरफराज खान को भी इस सीरीज में जगह मिलना तय है। करुण ने टेस्ट टीम में जगह बनाई थी पर वह इंग्लैंड दौरे पर वह अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाये थे। (श्रीराम किरण को भी इस बार अवसर मिल सकता है। वह इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के अंतिम मैच में भारतीय टेस्ट टीम में जगह बनाने के काफ़ी करीब थे पर फिट नहीं होने के कारण उन्हें अवसर नहीं मिला। तब ऋषभ के रिलेसमेंट के तौर पर एन जगदीशन को शामिल किया गया था। जगदीशन को भी इंडिया ए टीम में जगह मिल सकती है। इसके अलावा बल्लेबाज देवदत्त पडिकल और स्टाॅर ऑर्नोस्टाड शार्डल ठाकुर भी इंडिया ए के लिए खेलेंगे। भारतीय टीम में वापसी का प्रयास कर रहे मोहम्मद शमी को भी टीम में जगह मिल सकती है।

लंदन हीथ्रो (103 मिलियन) और डलास (102.9 मिलियन) शामिल हैं। एयरपोर्ट्स के बीच प्रतिस्पर्धा तेज हो रही है। इस्तांबुल एयरपोर्ट का क्षमता इस साल के अंत तक 120 मिलियन तक पहुंचने का उम्मीद है, जबकि सऊदी अरब का किंग सलमान इंटरनेशनल एयरपोर्ट 2030 तक 120 मिलियन और 2050 तक 185 मिलियन यात्रियों को सेवा देने का लक्ष्य रखता है। इस तेजी से बढ़ती क्षमता से वैश्विक हवाई यात्रा का नया युग दिख रहा है।

की कीमत 104.72 और डीजल 90.21 रुपए प्रति लीटर पर बनी हुई है। लंबे समय से यहां सो रुपए से अधिक पेट्रोल खरीदना आम लोगों की जेब पर भारी पड़ रहा है। देश के अन्य प्रमुख शहरों में भी स्थिति लगभग समान है। मुंबई में पेट्रोल 104.21 और डीजल 92.15, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 और डीजल 90.76 प्रति लीटर है। वहीं लखनऊ में पेट्रोल 94.69 और डीजल 87.80 लीटर बिक रहा है। इंदौर में पेट्रोल 106.48 प्रति लीटर की ऊंचाई पर पहुंच गया है। गौरतलब है कि मार्च 2024 के बाद से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में किसी भी बड़े बदलाव की घोषणा नहीं की गई है। हालांकि, इस बीच कच्ची-कच्चा 1-2 रुपए प्रति लीटर का मामूली उठा-चढ़ाव जरूर देखा गया।

संसेक्स 676.09 अंक की तेजी के साथ 81,273.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ। संसेक्स की तरह ही एनएसई की स्तर भी 306.90 अंक की छल्लाग लगा हुआ। 24,938.20 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के अपॉर्ट से ये सूचकांक 10 बजे के थोड़ी देर पहले 390.70 अंक की मजबूती के साथ 25,022 अंक के स्तर तक पहुँचने में सफल रहा। हालाँकि इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक ऊपरी स्तर से कारोबार 170 अंक फिसल कर 24,852.85 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर दिखाया, जिसके कारण निफ्टो निफ्टे स्तर से थोड़ी मजबूती दिखाते हुए 24,565 अंक की बढत के साथ 24,876.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से महारत बुजुर्ग 8.75 प्रतिशत, हीरो मोटोकॉर्प 5.86 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 5.08 प्रतिशत, नेस्ले 5.02 प्रतिशत और टीपाज ऑटो 4.57 प्रतिशत की मजबूती के साथ के बीज 5 गैरस की सूची में शामिल हुए।

करीब 35 साल पहले इस बाजार खर्च करने के बजाय बचाने पर को मुख्य रूप से सरकारी मजबूर करती है।

जा सके जहां सूची उपलब्ध होगी। शीर्ष अदालत ने कहा कि नाम हटाए जाने से जिन लोगों को दिक़्त है, उन्हें अपने आधार कार्ड के साथ निर्वाचन अधिकारियों से संपर्क करने की अनुमति दी जाती है। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 22 अगस्त की तारीख निर्धारित करते हुए आयोग से उसके निर्देश की पालन रिपोर्ट दाखिल करने को कहा। इससे पहले सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने आयोग से उन दस्तावेजों की जानकारी देने को कहा, जिन पर बिहार में 2003 के गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान विचार किया गया था।

यह अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए शिक्षण संस्थानों को संबंधित प्राधिकारी से मान्यता प्राप्त करना भी अनिवार्य करता है। इसके अलावा, शिक्षण संस्थान का सोसाइटी अधिनियम, ट्रस्ट अधिनियम या कंपनी अधिनियम के तहत रजिस्ट्रार होना और जमीन, बैंक खातों और अन्य संपत्तियों का स्वामित्व संस्थान के नाम पर होना आवश्यक है। पत्र में कहा गया है, वित्तीय कुप्रबंधन, पारदर्शिता की कमी या धार्मिक और सामाजिक सद्भाव के विरुद्ध गतिविधियों के मामलों में मान्यता वापस ली जा सकती है।

आज भाद्रपद मास की अजा/जया एकादशी

दक्षिणावर्ती शंख से करें भगवान विष्णु का अभिषेक, शिवलिंग पर चढ़ाएं लाल गुलाल और लाल फूल

आज मंगलवार, 19 अगस्त भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी है, इसे अजा और जया एकादशी कहा जाता है। इस बार ये एकादशी मंगलवार को होने से इस दिन भगवान विष्णु के साथ ही शिव जी और मंगल देव की पूजा एक साथ करने का शुभ योग बना है।

एकादशी को शास्त्रों में पापनाशिनी तिथि कहा गया है। स्कंद पुराण के वैष्णव खंड में एकादशी महात्म्य नाम का अध्याय है। इसमें सालभर की सभी एकादशियों के बारे में बताया गया है। अजा एकादशी व्रत करने से जाने-अनजाने में किए गए पापों का फल खत्म होता है। ऐसी मान्यता है। इस व्रत को अजा एकादशी इसलिए कहा जाता है, क्योंकि ये व्रत भक्त अजा अर्थात जन्म-मरण के बंधनों से मुक्त करती है, ये व्रत भक्त को मोक्ष दिलाता है। ऐसी मान्यता है।

इस वर्ष अजा एकादशी मंगलवार को पड़ रही है। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य के मुताबिक, ज्योतिष में मंगल देव को मंगलवार का कारक ग्रह कहा जाता है। इसलिए एकादशी और मंगलवार के योग में विष्णु जी के साथ ही मंगल ग्रह की भी विशेष पूजा करनी चाहिए। मंगल की पूजा शिवलिंग रूप में की जाती है। जिन लोगों की कुंडली में मंगल ग्रह से जुड़े दोष हैं, उन्हें शिवलिंग पर जल, बिल्व पत्र, धतूरा, आंकड़े के फूल, लाल फूल और लाल गुलाल चढ़ाना चाहिए और लाल मसूर की दाल का दान करना चाहिए। मंगल के मंत्र का भी माय नमः मंत्र का जप करें।

एकादशी पर ऐसे कर सकते हैं पूजा-पाठ
ब्रह्ममुहूर्त में उठें और स्नान के बाद सूर्य देव को तांबे के लोटे से जल अर्पित करें।

ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जप करें। लाल फूल और चावल अर्पित करें।

घर या मंदिर में भगवान विष्णु की मूर्ति के सामने पूजा और व्रत करने का संकल्प लें। पंचामृत से विष्णु जी को स्नान कराएं, तुलसी के पत्ते अर्पित करें। मिठाई का भोग लगाएं। ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का



108 बार जप करें। तुलसी को विष्णु प्रिय माना जाता है। बिना तुलसी भगवान विष्णु भोग नहीं स्वीकार करते। एकादशी पर विष्णु जी के साथ ही तुलसी की पूजा भी जरूर करनी चाहिए। सुबह तुलसी को जल चढ़ाएं और शाम को तुलसी के पास दीपक जलाएं, तुलसी नामाष्टक का पाठ करें। तुलसी की परिक्रमा करें, लेकिन सूर्यास्त के बाद तुलसी को स्पर्श न करें।

तुलसी नामाष्टक: वृंदा वृंदावनी विश्वपूजिता विश्वपावनी। पुष्पसारा नंदनीय तुलसी कृष्ण जीवनी॥

एतभामाष्टक चैव स्रोतं नामर्थं संयुतम्। यः पठेत् तां च सम्पूज्य सौश्रमेघ फलंलभेत्॥

एकादशी पर दान-पुण्य करें। एकादशी पर दान करने से अक्षय पुण्य मिलता है। गौशाला में दान दें, गायों को हरी घास खिलाएं। तालाब में मछलियों के लिए आटे की गोлияं डालें। चींटियों को आटा-शक्कर अर्पित करें।

एकादशी पर जो लोग व्रत करते हैं, वे पूरे दिन अन्न का त्याग करते हैं और दिनभर भगवान के मंत्रों का जप करते हैं, सुबह-शाम को भी विष्णु जी की पूजा करते हैं। अगले दिन यानी द्वादशी तिथि पर सुबह जल्दी उठकर फिर से पूजा की जाती है, जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया जाता है, इसके बाद भक्त स्वयं भोजन करते हैं। इस तरह एकादशी व्रत पूरा होता है।

पक्षियों के लिए छत पर दाना-पानी रखें। जरूरतमंदों को अनाज, कपड़े, छाता, जूते आदि का दान करें। छोटे बच्चों को मिठाई खिलाएं या भोजन कराएं।

एकादशी व्रत पर क्या करें और क्या न करें

भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को अजा एकादशी के नाम से जाना जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की

के नियम दशमी तिथि से ही शुरू हो जाते हैं। मान्यता है कि इसी दिन से तामसिक भोजन का त्याग करके सात्विक आहार लेना चाहिए। दशमी तिथि से ब्रह्मचर्य का पालन करना जरूरी माना जाता है। साथ ही, जो लोग यह व्रत नहीं रखते उन्हें भी एकादशी के दिन प्याज, लहसुन आदि तामसिक चीजों से परहेज करना चाहिए।

रात्रि में सोने की बजाए करें जागरण और मंत्रों का जाप

माना जाता है कि अजा एकादशी के दिन रात्रि के समय सोने की बजाए पूरे वक्त भगवान विष्णु के भजन गाने चाहिए। ऐसा संभव न हो तो आप रात में विष्णुजी के मंत्रों का जाप भी कर सकते हैं। ऐसा करने से मनुष्य को भगवान की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है और जीवन के दुख दूर हो सकते हैं।

एकादशी तिथि पर भूलकर भी न करें ये काम

अजा एकादशी व्रत के दिन क्रोध करने, झूठ बोलने, झगड़ा करने, बुराई करने आदि कार्यों से बचना चाहिए। ऐसा करने से शुभ की जगह अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही, इस शुभ तिथि पर दिन के समय सोना भी वर्जित माना जाता है।

द्वादशी तिथि पर खोलें व्रत

एकादशी के दिन व्रत रखने के बाद द्वादशी तिथि पर व्रत का पारण किया जाता है। ऐसे में अगले दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ वस्त्र धारण करें। इसके

बाद, भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा करने के बाद तुलसी के पत्तों का सेवन करके व्रत का पारण करें। इस विधि से अजा एकादशी व्रत करना बेहद फलदायी माना जाता है।

चावल का भूलकर भी न करें सेवन

मान्यता है कि भूलकर भी एकादशी तिथि पर चावल का सेवन नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से जातक को अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही, परिवार के भी किसी सदस्य को इस पुण्य तिथि पर चावल का सेवन नहीं करना चाहिए।

व्रत का संकल्प लें और कथा का पाठ करें

अजा एकादशी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करने के बाद भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा और आरती करनी चाहिए। साथ ही, व्रत का संकल्प भी अवश्य लें और व्रत कथा का पाठ करें। ऐसा करने से जीवन के समस्त दुखों और पापों से आपको मुक्ति मिल सकती है।

गलती से भी न तोड़ें तुलसी के पत्ते

एकादशी तिथि पर तुलसी के पत्तों को तोड़ना वर्जित माना गया है। लेकिन द्वादशी तिथि पर तुलसी के पत्तों से व्रत का पारण किया जाता है। ऐसे में उस दिन आप घर के बच्चे या बड़े से यानी जिसने एकादशी का व्रत न किया हो उनसे द्वादशी तिथि पर तुलसी के पत्ते तुड़वा लेने चाहिए। क्योंकि द्वादशी तिथि के दिन भी व्रती द्वारा तुलसी के पत्ते तोड़ना वर्जित माना गया है।

पितृपक्ष का 7 सितंबर से आरंभ, तृतीया और चतुर्थी श्राद्ध एक ही दिन

अने पूर्वजों को याद करने के लिए और उनकी पूजा करने के लिए पितृपक्ष का समय सबसे शुभ माना गया है। ऐसी मान्यता है कि पितृपक्ष के दौरान पितर स्वर्ग लोक से धरती लोक में आते हैं और अपने परिवार के लोगों को आशीर्वाद देते हैं। इस बार पितृ पक्ष का आरंभ 7 सितंबर से होने जा रहा है और इस बार तृतीया और चतुर्थी तिथि का श्राद्ध एक ही दिन किया जाएगा। बता दें कि पितरपक्ष यानी श्राद्ध का आरंभ होने से पहले पिठोरी अमावस्या को कुश ग्रहण किया जाता है। इसके बाद प्रोष्ठपदी पूर्णिमा तिथि को पहले श्राद्ध किया जाता है। पितर पक्ष के पहले दिन अगस्त मुनि का तर्पण और श्राद्ध किया जाता है।

पितृपक्ष 2025 की तिथियां और तारीख
पूर्णिमा तिथि श्राद्ध - रविवार 7 सितंबर 2025 को किया जाएगा।
प्रतिपदा तिथि श्राद्ध - सोमवार 8 सितंबर 2025 को किया जाएगा।
द्वितीया तिथि श्राद्ध - मंगलवार 9 सितंबर 2025 को किया जाएगा।
तृतीया तिथि श्राद्ध इ चतुर्थी तिथि श्राद्ध - बुधवार 10 सितंबर को किया जाएगा।
भरणी तिथि और पंचमी तिथि श्राद्ध - गुरुवार



11 सितंबर को किया जाएगा।
षष्ठी तिथि श्राद्ध - शुक्रवार 12 सितंबर 2025 को किया जाएगा।
सप्तमी तिथि श्राद्ध - शनिवार 13 सितंबर 2025 को किया जाएगा।
अष्टमी तिथि श्राद्ध - रविवार 14 सितंबर 2025 को किया जाएगा।
नवमी तिथि श्राद्ध - सोमवार 15 सितंबर 2025 को किया जाएगा।
दशमी तिथि श्राद्ध - मंगलवार 16 सितंबर 2025 को किया जाएगा।
एकादशी तिथि श्राद्ध - बुधवार 17 सितंबर 2025 को किया जाएगा।

द्वादशी तिथि श्राद्ध - गुरुवार 18 सितंबर 2025 को किया जाएगा।
त्रयोदशी तिथि श्राद्ध - शुक्रवार 19 सितंबर 2025 को किया जाएगा।
चतुर्दशी तिथि श्राद्ध - शनिवार 20 सितंबर 2025 को किया जाएगा।
सर्वपितृ अमावस्या श्राद्ध - रविवार 21 सितंबर 2025 को किया जाएगा।

पितृपक्ष में रखें इन बातों का विशेष ख्याल

पितृपक्ष में अपने पूर्वजों का श्राद्ध तिथि के अनुसार किया जाता है। जिस दिन भी आपके पितरों का निधन हुआ हो उस तिथि के अनुसार, पितृपक्ष में श्राद्ध किया जाता है। श्राद्ध के दिन अपने पितरों का प्रिय भोजन जरूर बनाएं और इस दिन ब्राह्मण, कोए, गाय, बिछी और कुत्तों को जरूर खाना खिलाना चाहिए। इससे पंचबलि कहा जाता है। श्राद्ध के दिन सबसे पहले तर्पण करें। तर्पण के लिए काले तिल, जौ, और जल से पितरों को अर्घ्य दें। वैसे तो श्राद्ध पक्ष के दौरान रोजाना तर्पण करना बेहद जरूरी है। वैसे तो पितृपक्ष में दान करने का विशेष महत्व है और आप किसी भी दिन दान कर सकते हैं लेकिन, जिन दिन आपके पितरों का श्राद्ध है उस दिन दान जरूर करना चाहिए।

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजे पर कौन सा मंत्र लिखने से टलती है हर बुरी शक्ति?

वास्तु शास्त्र कहता है कि मुख्य द्वार घर की ऊर्जा का प्रवेश द्वार है। यदि वहां सही मंत्र लिखे जाएं तो घर हमेशा सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहता है। शांति, सुख और समृद्धि अपने आप बढ़ती है और हर बुरी शक्ति स्वतः दूर हो जाती है। वास्तु शास्त्र में घर का मुख्य द्वार ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत माना जाता है। दरवाजे पर लिखे गए पवित्र मंत्र केवल आस्था का प्रतीक नहीं होते बल्कि वे घर के लिए सुरक्षा कवच का काम भी करते हैं। शास्त्रों और वास्तु विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सही मंत्र दरवाजे पर अंकित किए जाएं तो नकारात्मक ऊर्जा कभी भी घर में प्रवेश नहीं कर सकती और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह हमेशा बना रहता है। वास्तु शास्त्र में मुख्य द्वार को घर की आत्मा कहा गया है। यहां से शुभ और अशुभ दोनों तरह की ऊर्जा प्रवेश करती है। इसलिए शास्त्रों में सुझाव दिया गया है कि दरवाजे पर कुछ खास मंत्र लिखे जाएं ताकि घर में केवल सकारात्मक ऊर्जा ही आए और बुरी शक्तियां प्रवेश न कर सकें।

मंत्रों का महत्व -वास्तु विशेषज्ञ मानते हैं कि मंत्र केवल उच्चारण के लिए नहीं होते बल्कि इनका लिखा हुआ रूप भी उतना ही प्रभावी होता है। दरवाजे पर लिखे गए मंत्र घर को सुरक्षा कवच की तरह ढक लेते हैं और नकारात्मक शक्तियां दूर रहती हैं।



सबसे प्रभावी मंत्र

सबसे पवित्र और प्रभावी माना गया है श्री राम जय राम जय जय राम। मान्यता है कि इस मंत्र को मुख्य द्वार के ऊपर लिख देने से कभी भी घर में दुर्भाग्य या नकारात्मकता प्रवेश नहीं करती।

इसके अलावा ॐ नमः शिवाय भी दरवाजे पर अंकित करने के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। यह मंत्र वातावरण को पवित्र करता है और ग्रह दोषों के प्रभाव को कम करता है।

अन्य शुभ मंत्र

कई परिवार मुख्य द्वार पर ॐ हनुमते नमः लिखते हैं। यह मंत्र भूत-प्रेत और नजर दोष से रक्षा करता है। धन और समृद्धि के लिए श्री बीज मंत्र को दरवाजे के दोनों ओर लिखना शुभ होता है। कहा जाता है कि इससे घर में धन और ऐश्वर्य का प्रवाह कभी नहीं रुकता।

लड्डू गोपाल की छठी 21 को



चतुर्दशी तिथि मनाई जाएगी ऐसे में इस साल 21 अगस्त को लड्डू गोपाल की छठी मनाई जाएगी।
छठी पर लड्डू गोपाल का भोग

जन्माष्टमी पर बाल गोपाल पधार चुके हैं। कान्हाजी के जन्म का उत्सव भक्तों ने धूमधाम से मनाया। उनका लड्डू गोपाल के रूप में पूजन किया गया। अब लड्डू गोपाल की छठी मनाई जाएगी, क्योंकि सनातन धर्म में बच्चे के जन्म के बाद छठी मनाई जाती है। इस दौरान भगवान कृष्ण के मंदिरों को सजाया जाता है। उनका पूजन किया जाता है और भोग लगाया जाता है।

मान्यता है कि जन्माष्टमी के छठे दिन लड्डू गोपाल की छठी मनाई जाती है। चूंकि भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को श्रीकृष्ण भगवान का जन्म हुआ था। ऐसे में छठे दिन यानी भाद्रपद कृष्ण त्रयोदशी तिथि पर छठी मनाई जाती है। इस साल जन्माष्टमी तिथि 16 अगस्त को थी, जबकि 21 अगस्त को त्रयोदशी उपरांत

उन्हें नए वस्त्र पहनाएं। इसके बाद पंचामृत, फल, फूल, मिठाई, तुलसी के पत्ते आदि चढ़ाएं। इसके साथ ही सबसे अहम चीज छठी पर कढ़ी चावल का भोग लड्डू गोपाल को जरूर अर्पित करें। इसके बाद इसे प्रसाद के तौर पर बांट दें। छठी पर कढ़ी चावल का भोग लगाने का बड़ा महत्व है। दही, बेसन और हल्के मसालों के साथ कढ़ी बनाएं और भगवान को अर्पित करें। इसके साथ ही माखन मिश्री का भोग भी लगाएं और मोरपंख अर्पित करें।

इसके साथ ही भगवान कृष्ण से जुड़े मंत्रों का जप करें। किसी भूखे को भोजन कराएं। इसके साथ ही कदंब के पेड़ की टहनी लाकर पूजा स्थल पर रख सकते हैं। माना जाता है कि भगवान कृष्ण को कदंब का पेड़ बड़ा प्रिय है। यही नहीं भगवान को बांसूरी भी चढ़ा सकते हैं।

बुध गोचर सिंह राशि में, मिथुन-धनु सहित अन्य राशियों को मिलेगा लाभ, आर्थिक स्थिति में होगा सुधार

बुध ग्रह का 30 अगस्त को सिंह राशि में गोचर होने जा रहा है। अभी बुध कर्क राशि में विराजमान हैं। अब सिंह राशि में प्रवेश करने के बाद बुध की सूर्य से युति होगी जिससे बुधादित्य योग बनेगा। खास बात यह है कि सूर्य अपनी स्वराशि सिंह में पहले से हैं और बुध अपने मित्र ग्रह सूर्य की राशि सिंह में इस महीने के आखिर में प्रवेश करेंगे और मित्र ग्रह के साथ ही युति भी करेंगे।

इसके साथ ही सिंह राशि में केतु भी विराजमान हैं। ऐसे में बुध गोचर के बाद तीन ग्रहों के इस राशि में होने से त्रिग्रह योग बनेगा। ऐसे में बुध का सिंह राशि में गोचर मिथुन सहित 5 राशियों के लिए उम्मीद से बेहतर परिणाम दिलाने वाला रहेगा। इन राशियों का संवाद कौशल बेहतर होगा। करियर में आगे बढ़ेंगे और परिवार में सुख शांति रहेगी।

मेष राशि, विरोधियों को करेंगे परास्त

बुध गोचर से मेष राशि के जातकों को व्यक्तिगत और व्यावसायिक स्तर पर सुख समृद्धि मिलने के आसार हैं। प्रोफेशनल लाइफ में आपकी मेहनत और समर्पण की तारीफ होगी। खासकर प्रतिस्पर्धा वाले कार्यों में आप अपने विरोधियों को पछाड़ने में सफल होंगे।

इसके साथ ही नौकरीपेशा जातकों को इस दौरान प्रमोशन मिल सकता है। आपके सामाजिक दायरे में इजाफा होगा। परिवार के सदस्यों के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। बातचीत के दौरान आप सोच समझकर शब्दों का इस्तेमाल करेंगे। प्रेम जीवन के लिहाज से भी समय अच्छा रहने वाला है।



उपाय: गाय की सेवा करने से आपको लाभ होगा।

मिथुन राशि, काम को मिलेगी नई पहचान

मिथुन राशि के जातकों के लिए बुध गोचर शुभ रहने वाला है। क्रिएटिव काम से जुड़े लोगों के लिए यह समय बहुत अच्छा रहने वाला है। आपके काम को नई पहचान मिल सकती है। इसके साथ ही आपको प्रमोशन मिल सकता है और वेतन वृद्धि का भी मौका आपके सामने आ सकता है। आप अपनी वाकपटुता के दम पर अपने संबंधों को बढ़ाने में सफल रहेंगे। परिवार में आपका भाई बहनों के साथ रिश्ता मजबूत होगा। जीवनसाथी के साथ भी आपके रिश्ते में सौहार्द बना रहेगा। आप परिवार के साथ किसी कार्यक्रम में जा सकते हैं या छोटी दूरी की यात्रा पर जाने का प्लान भी बना सकते हैं।

उपाय: चिड़िया को दाना डालें। आपके लिए

हितकारी रहेगा।

सिंह राशि, आर्थिक स्थिति में होगा सुधार

बुध गोचर सिंह राशि वालों के लिए लाभदायक रहने वाला है। खासकर कारोबार में आपको नई संभावनाएं प्राप्त हो सकती हैं। आपको कमाई के नए अवसर प्राप्त होंगे। इसके साथ ही आप नए कार्य शुरू कर सकते हैं जो आपकी वित्तीय स्थिति को बेहतर बना पाएंगे। इस दौरान आपको मान सम्मान की भी प्राप्ति होगी। परिवार में आपके अच्छा माहौल रहेगा। विवाह योग्य जातकों के लिए अच्छा रिश्ता आ सकता है। आप उस पर गंभीरता से विचार कर सकते हैं। वहीं वैवाहिक जीवन में पति-पत्नी के संबंध अच्छे रहेंगे। आप सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे।

उपाय: गरीब कन्याओं की शिक्षा के लिए

आर्थिक मदद करें।

तुला राशि, भाग्य का मिलेगा सहयोग

बुध गोचर का प्रभाव तुला राशि के लिए स्पेशल रहने वाला है। इस दौरान आपको भाग्य का साथ मिलेगा। आप लंबी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं। यात्रा आपके लिए सफलता लेकर आएगी। इस अवधि में आपको कारोबार में तेजी देखने को मिलेगी। अगर आपके काम अटक रहे थे तो वे तेजी से पूरी होंगे। इसके साथ ही आपको धन प्राप्ति के नए मौके मिलेंगे। नौकरीपेशा जातकों को काम के लिए सराहना मिल सकती है। इस दौरान आपको भाई बहनों का साथ मिलेगा। परिवार के सदस्यों के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे।

उपाय: गाय को हरी घास खिलाना आपके लिए शुभ होगा।

धनु राशि, कारोबार में मिलेंगे नए मौके

धनु राशि के लिए बुध गोचर मंगलकारी रहने वाला है। इस दौरान आपको सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा। नौकरीपेशा जातकों को उच्च अधिकारियों से समर्थन मिलेगा। आपके संबंधों में अगर उतार चढ़ाव चल रहा था तो अब स्थिरता आएगी। आपको कारोबार में लाभ कमाने के अवसर मिलेंगे। इसके साथ ही प्रोफेशनल लाइफ में आप अपनी मधुर वाणी से लोगों को प्रभावित करने में सफल रहेंगे। परिवार में आपके संबंध स्नेहपूर्ण रहेंगे। आपको जीवनसाथी से भावनात्मक सहयोग मिलेगा। आप भी अपने पार्टनर का ख्याल रखेंगे और अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों को ठीक से निभाएंगे।

उपाय: किन्नरों को हरी चूड़ियों का दान करें।

इस हसीना के बाथरूम की दीवार से मिले थे करोड़ों रुपए!



बॉ लीवुड की इस अदाकारा ने सफलता के कदम चूमे। अपने शानदार अभिनय से सिल्वर स्क्रीन पर छाई रहीं और 1950 से 1990 के दशक तक भारतीय सिनेमा पर राज भी किया। लेकिन

एक वक्त ऐसा आया, जब सब बर्बाद हो गया। लेकिन बाथरूम की दीवार में दफन थी 100 करोड़ की रकम! नोटों की गड्डियां देखकर हर कोई शॉक रह गया। इन्होंने दावा किया कि अपना जिस्म बेचकर

इन्होंने वो रकम कमाई थी। इसके बाद इनके साथ काम करने से हर किसी ने मना कर दिया। एक्ट्रेस ने नेपाली शख्स से हिंदू और ईसाई रीतिरिवाज से शादी की थी। साथ ही कोर्ट मौरिज भी की थी। क्या वजह थी, आइए बताते हैं।

इस अदाकारा ने बादशाह, हेलमेट, प्यासा, नया जमाना, एक गांव की कहानी, चंदन, फिर सुबह होगी, परवरिश, 'उजाला से लेकर मैं नशा में हूँ', 'धूल का फूल', जैसी फिल्मों में काम किया है। इसका नाम माला सिन्हा है, जिन्होंने धर्मेन्द्र, मनोज कुमार, संजय खान, राजेश खन्ना से लेकर अमिताभ बच्चन संग पर्दे पर रोमांस किया है। और 40 साल तक इंडस्ट्री पर गर्दा उड़ाया है।

माला सिन्हा ने नेपाली एक्टर चिंदंबर प्रसाद लोहानी से तीन बार शादी की थी। पहले इन्होंने कोर्ट मैरिज की थी। मगर ईसाई धर्म से होने के नाते एक्ट्रेस के पिता चाहते थे कि उनकी शादी चर्च में हो। इसलिए कपल ने मुंबई के चर्च में साथ जीने-मरने की कसम खाई। ये उनकी दूसरी शादी थी।

माला सिन्हा के पति चिंदंबर के

परिवारवाले को संतुष्टि नहीं हुई तो उन्होंने हिंदू रीतिरिवाज से उनकी शादी करवाई। क्योंकि ससुरालवालों ने एक्ट्रेस के सामने शर्त रखी थी कि जब तक फेरे नहीं होंगे, तब तक घर में एंट्री नहीं मिलेगी। इसके बाद उन्होंने हिंदू धर्म के हिसाब से शादी की और बहू बनीं। फिर इनको बेटी हुई।

माला सिन्हा



की बेटी तो सजा से बच जाएगी। लेकिन ये दांव उल्टा पड़ गया। एक्ट्रेस की इमेज तारतार हो गई। इंडस्ट्री में काम मिलना बंद हो गया। सभी प्रोड्यूसर्स ने मुंह फेर लिया था। उनको बायकोर्ट कर दिया गया था।

माला सिन्हा ने 120 से ज्यादा फिल्मों में काम किया था। वह बहुत पैसे वाली थीं। और बताया जाता है कि उन्होंने घर पर कोई हाउस हेल्पर भी नहीं रखी थी। उनको घर का काम करना खुद ही पसंद था। मगर 1978 में उनके घर पर इनकम टैक्स का जब छापा पड़ा तो चारों तरफ

खलबली मच गई। जिस्म बेचकर पैसे कमाने वाला बयान, पिता के कहने पर दिया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कानूनी दबाव में आकर माला सिन्हा ने ये बयान दिया था। बताया जाता है कि उनके पिका और लीगल एजवाइजर ने सलाह दी थी कि अगर वह ऐसा करेंगी तो सजा से बच जाएगी। लेकिन ये

दांव उल्टा पड़ गया। एक्ट्रेस की इमेज तारतार हो गई। इंडस्ट्री में काम मिलना बंद हो गया। सभी प्रोड्यूसर्स ने मुंह फेर लिया था। उनको बायकोर्ट कर दिया गया था।

जन्माष्टमी में भारत माता की जय बोलकर ट्रोल हुई जान्हवी

अभिनेत्री ने भड़ककर कहा- नहीं बोलती तो प्रॉब्लम बोला तो मीम मटेरियल बना दिया, रोज बोलूंगी



जल्द ही फिल्म परम सुंदरी में नजर आने वाली एक्ट्रेस जान्हवी कपूर हाल ही में एक दही हांडी प्रोग्राम का हिस्सा बनी थीं। इस दौरान एक्ट्रेस ऑर्गेनाइजर के कहने पर भारत माता की जय के नारे लगाती नजर आई थीं। हालांकि इवेंट के बाद एक्ट्रेस का वीडियो वायरल हो गया और मटकी फोड़ते हुए भारत माता की जय बोलने पर उनकी जमकर आलोचना होने लगी। अब एक्ट्रेस ने खुद इस मामले पर सफाई देते हुए कहा है कि अगर वो नारा नहीं लगाती, तब भी लोगों को दिक्कत होती, लेकिन अब जब एक्ट्रेस ने नारा लगा दिया है, तब भी लोग उनकी वीडियो के साथ काट-छांट कर इसका मीम बना रहे हैं।

जान्हवी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से दही हांडी इवेंट का पूरा वीडियो शेयर किया है। इसके साथ उन्होंने लिखा है, 'कॉन्टेस्ट के लिए पूरा वीडियो। उनके बोलने के बाद नहीं बोलती, तो प्रॉब्लम। और बोलो तो भी वीडियो को काट कर मीम मटेरियल। आगे एक्ट्रेस ने लिखा है, 'वेसे सिर्फ जन्माष्टमी के दिन ही नहीं, रोज

बोलूंगी भारत माता की जय। सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि मटकी फोड़ने से पहले इवेंट में मौजूद एक शख्स भारत माता की जय नारे लगा रहा है, वहीं जान्हवी उनका साथ देती नजर आ रही हैं। इसके बाद वो शख्स माइक जान्हवी को थमा देता है और मटकी फोड़ने के साथ नारा लगाने को कहता है। इस पर जान्हवी पृच्छती हैं कि क्या जोर से मारना पड़ेगा। उस शख्स के कहने पर जान्हवी मटकी फोड़ती हैं और माइक पर तेज आवाज में भारत माता की जय कहती हैं। मटकी फोड़ते हुए भारत माता की जय कहने पर जान्हवी को जमकर ट्रोल किया गया। एक यूजर ने लिखा, क्या इन्हें नहीं पता की दही हांडी कृष्ण भगवान के लिए होती है और ऐसे लोगों को ये अवसर देते हो तुम लोग जिसे ये भी नहीं क्या है और क्या बोलना है। बताते चलें कि जान्हवी इन दिनों अपकमिंग फिल्म परम सुंदरी के प्रमोशन में व्यस्त चल रही हैं। ये फिल्म 29 अगस्त को रिलीज होने वाली है, जिसमें जान्हवी के साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा लीड रोल में हैं।

महेश बाबू की भतीजी फिल्मों में करेंगी डेब्यू



तेलुगू फिल्मों के सुपरस्टार महेश बाबू की भतीजी भारती फिल्मों में डेब्यू करने वाली हैं। जी हां, खबर है कि रीमा सेन, काजल अग्रवाल, सदा, लितिन, उदय किरण और आधी पिनिसेत्री जैसे सितारों को टॉलीवुड में डेब्यू करवाने वाले डायरेक्टर तेजा अब एक और नए चेहरे को लॉन्च करने के लिए तैयार हैं। भारती घट्टामनेनी दिवंगत एक्टर-प्रोड्यूसर रमेश बाबू की बेटी हैं। इस खबर के आते ही जहां महेश बाबू और रमेश बाबू के फैस की बांछे खिल उठी हैं, वहीं सोशल मीडिया पर भारती की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। लोग इस हसीना के अभी से दीवाने हो रहे हैं।

डेक्न क्रॉनिकल की रिपोर्ट के मुताबिक, भारती ने अपना लुक टेस्ट पूरा कर लिया है। बताया जाता है कि डायरेक्टर तेजा एक रोमांटिक फिल्म बनाने जा रहे हैं। भारती घट्टामनेनी ने इससे जुड़े वर्कशॉप



में भी हिस्सा लिया है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि महेश बाबू और रमेश बाबू, दोनों ही परिवार भारती के डेब्यू को लेकर एक्साइटड हैं। इसमें कहा गया है, 'तेजा अपनी फिल्म में किसी ऐसे को कास्ट करना चाहते थे जो पारंपरिक होने के साथ-साथ आकर्षक भी दिखे। बीते साल इंस्टाग्राम पर अपने चाचा महेश बाबू के चार्टबस्टर गाने कुरिची मदाथापेट्टी पर भारती का डांस वायरल हुआ था। समझा जा रहा है कि इसी ने उनके डेब्यू की राह आसान की है। दिलचस्प बात यह है कि घट्टामनेनी परिवार से यह एकमात्र डेब्यू नहीं है। महेश बाबू के भतीजे जयकृष्ण घट्टामनेनी भी डायरेक्टर अजय भूपति की फिल्म के साथ टॉलीवुड में एंट्री की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में तेलुगू सिनेमा के दर्शकों को जल्द ही दोनों भाई-बहन अलग-अलग फिल्मों में नजर आने

वाले हैं। भारती घट्टामनेनी के बारे में हालांकि, बहुत ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है। इंस्टाग्राम पर उनके प्रोफाइल bharathighattamaneni पर भी वह कम ही एक्टिव रहती हैं। उनका आखिरी पोस्ट अगस्त, 2024 का है। हालांकि, दिलचस्प है कि महज 6 पोस्ट करने वाली भारती को इस प्लेटफॉर्म पर 27.4 हजार से अधिक यूजर्स फॉलो करते हैं। सोशल मीडिया पर भारती की तस्वीरें देख महेश बाबू के फैस कह रहे हैं कि वह भी अपने पिता और चाचा की तरह खूबसूरत हैं। एक फैन ने लिखा है, 'खूबसूरती घट्टामनेनी परिवार के खून में है। ये लड़की कितनी प्यारी है। एक अन्य ने लिखा है, भारती में सादगी भी है और कशिश भी। वह टॉलीवुड में जरूर सक्सेसफुल होंगी।

तारक मेहता... की पुरानी सोनू का बदल गया अंदाज, स्कर्ट पहने आई नजर

तारक मेहता का उल्टा चश्मा' एक ऐसा सीरियल है, जो पिछले कई सालों से लोगों का दिल जीत रहा है। इस शो ने ऐसे कई किरदार फैस को दिए, जो शो छोड़ने के बाद भी उनके दिलों पर राज करते हैं। एक ऐसी ही एक्ट्रेस हैं, पलक सिधवानी, जिन्होंने पांच साल तक शो में आत्माराम भिड़े और माधवी भिड़े की बेटी सोनू का किरदार निभाया।

पिछले साल पलक ने शो छोड़ा, लेकिन आज भी उन्हें फैस 'सोनू' ही कहते हैं। जिनका अब कातिलाना लुक सबका ध्यान खींच रहा है। जहां 'पुरानी सोनू' ने छोटी-सी स्कर्ट पहन अपनी तस्वीरें शेयर की। जिसमें उनका बेहद ग्लैमरस लुक देखने को मिला, जो फैस को खूब पसंद आ रहा है। अब आप खुद ही देख लीजिए कि उन्होंने क्या लुक अपनाया है।

27 साल की पलक इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। कभी वह देसी लुक्स में नजर आती हैं, तो कभी वेस्टर्न कपड़ों में ग्लैमर का तड़का लगा जाती हैं। इस बार हसीना ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की। जहां वह कॉर्सेट टॉप के साथ स्कर्ट पहन अपनी कातिलाना अदाएं दिखा गईं। तभी तो उनके सिजिलिंग रूप से नजरें हटाना मुश्किल हो गया। पलक के लुक की डीटेल्स पर ध्यान दें, तो वह बेज कलर का स्टिंग कॉर्सेट टॉप पहने नजर आ रही हैं। जिसे प्रॉपर कॉर्सेट जैसे लुक न देकर बटन लगाकर स्टाइलिश टच दिया। स्ट्रेपलेस टॉप की नेकलाइन को डबल लेयर वाला बनाकर हाइलाइट किया, तो बटन के नीचे ची कट वाला डिजाइन दिया। जिससे पलक को पावरफुल लुक मिला। जिसमें एलिंग्स और स्टाइल का डबल तड़का नजर आया। अपने लुक को स्टिंग टच देने के लिए पलक ने साथ

में प्लीट्स वाला मिनी स्कर्ट वियर की। जिस पर भी कोई और कलर या पैटर्न नहीं बना है। जिसे दिया चौड़ी प्लीट्स वाला पैटर्न कमाल का लगा, जो कॉर्सेट टॉप के साथ बखूबी जंचा। तभी तो इसने हसीना के कर्व्स को भी ब्यूटीफुल तरीके से कॉम्प्लिमेंट किया। जिससे पलक का छोटी-सी स्कर्ट में किलर लुक देखते ही बना। पलक ने अपने इस स्टाइलिश लुक को मिनिमल एक्सेसरीज के साथ पेयर किया। जहां वह बेज हार्ट शोप स्टड इयररिंग्स पहने नजर आईं, तो साथ में ब्राउन कलर के हाई बूट्स वियर किया। जिनका कलर कॉम्बिनेशन उनके अटायर के साथ परफेक्टली मैच कर गया। जहां वह लेस इज

कर गए। जहां पुरानी सोनू की ब्यूटी सबका दिल जीत गई। पलक की तस्वीरों पर फैस के खूब कमेंट्स आ रहे हैं, कोई उन्हें अपनी फेवरेट बता रहा है, तो किसी ने उन्हें सुंदर कहा, साथ ही उन्हें अब भी सोनू कहने वालों की भी यहां कमी नहीं रही। एक ने लिखा, 'सोनू आप बहुत प्रिटी हैं, बहुत-बहुत सुंदर और एलिंगेंट', तो दूसरे ने कमेंट किया, 'गॉर्जियस लुक पलक डियर, आप मेरी मां की तरह सुंदर लग रहे हो'। इसी तरह किसी ने उनसे कहा कि ऐसे मत देखा



मोर वाला कॉन्सेप्ट फॉलो करके क्लासी और ग्लैमरस लगतीं। आखिर में अपने लुक को फाइनल टच देने के लिए पलक ने हेयर और मेकअप में भी ज्यादा ड्रामा ऐड नहीं किया। उन्होंने न्यूड लिप्स के साथ मेकअप को एकदम सॉफ्ट और सटल रखा, तो मिडिल पार्टीशन के साथ वैवी हेयर लुक की वाइब को मैच

प्यार हो जाएगा, तो कोई 'क्या खूब लगती हो बड़ी सुंदर दिखती हो', गाना ही गा बैठा। कुल मिलाकर स्कर्ट के साथ कॉर्सेट लुक लुक सिर से लेकर पैर तक परफेक्ट लगा।



आज का राशिकफल

मे़ष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज मन प्रसन्न रहेगा उदासी दूर रहेगी.आप खुशहाल महसूस करेंगे कार्य में सफलता मिलने से मन हर्षित होगा. घर परिवार के बारे में भी विचार करेंगे और जरूरतो को पूरा करेंगे. परिवार में इज्जत रहेगी. मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी. सेहत में उतार-चढ़ाव रहेगा. गृहस्थ जीवन खुशियों से भरा रहेगा. बच्चों का खैया भी आप के अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य बहुत रहेगा , तंदरुस्ती बरकरार रहेगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आय के खेत बहेंगे रुका हुआ धन वापस आएगा और अचानक कहीं से धन लाभ होगा. जिससे आर्थिक पक्ष में मजबूती आयेगी. आज आप किसी जरूरतमंद की मदद करेंगे. आपको पारिवारिक सुख की प्राप्ति होगी. आपका पढ़ाई में मन लगेगा. साथ ही नये कोर्स को ज्वाइन करने के लिए भी दिन शुभ है. सफलता जरूर मिलेगी. कार्यक्षेत्र में वृद्धि के साथ धन लाभ होगा आप कलाप्रेमी है तो आप के गुण और कला की तरीफ होगी ।

मिथुन – क,कि,कू,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज सुबह उठते ही कुछ अच्छी खबर सुनने को मिलेगी एवं आप अपने आपमें बहुत गर्व महसूस करेंगे आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है. आपको खुशी से पूरी शादीशुदा जिंदगी की एहमित्त का एहसास होगा. आपके बच्चे भी घर में खुशी और सुकून के माहौल को महसूस कर सकेंगे. बच्चों के साथ आपका दिन मजेदार गुजरेगा.कौड़ी नया टैशन मत आने देना है काम को समझदारी से सुलझाले।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन जरूर थोड़ा व्यस्तता मे वीतेगा सामाजिक तौर पर नयी चुनौती सामने होगी इसलिए आपको कुछ ऐसा काम करना पड़ेगा जो दूसरों के लिए प्रेरणा का काम करें. आप एक टीम के रुप मे काम करें चुनौतीया दूर रहेगी एवं विरोधी पक्ष होंगे आपको लोगों से सराहना और सहयोग मिलने के संकेत है आपको अपने लोगों से या अपनी टीम से सम्मान मिल सकता है. दाम्पत्य जीवन मजेदार रहेगा एक नयी उर्जा रहेगी

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिनमान आपके लिए उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा. खर्चों में एकदम से तेजी आएगी जो शाान तक आपको परेशान कर सकती है लेकिन धैर्य रखने से बात बनेगी. खर्चों पर नियंत्रण रखें. बेवजह की बातों को दिमाग से ना लगाएं. किसी से झगड़ा ना करें. दाम्पत्य जीवन खुशनुमा रहेगा. प्रेम जीवन बिता रहे लोगों को भी राहत की सांस मिलेगी. एक-दूसरे से बातचीत होगी और जो लंबे समय से रुकी हुई बातें थी, वो अब होने लगंगी. आपका दिल खुश हो जाएगा. काम के सिलसिले में दिनमान अच्छा है.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ट,पे,पो

आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे. इस राशि के छोटे बच्चे आज पढ़ाई में अधिक रूचि लेंगे. इससे माता-पिता बहुत खुश रहेंगे. जा लाग अविवाहित हैं, उनके लिए आज का दिन शुभ है. विवाह के लिए प्रस्ताव आयेगा. आज पूरे दिन परिवार का माहौल आनन्दमय बना रहेगा. स्वास्थ्य आज पहले से बढ़िया रहेगा. आपकी कोई ख़ास इच्छा आज जरूर पूरी होगी. लवमेेट के लिए आज का दिन फेवरेबल है.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन आपके लिए काफी अच्छा रहेगा. कार्य में सफलता मिलने से मन हर्षित होगा. घर परिवार के बारे में भी विचार करेंगे और जरूरतों को पूरा करेंगे. परिवार में इज्जत रहेगी. मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी. सेहत में उतार-चढ़ाव रहेगा. गृहस्थ जीवन खुशियों से भरा रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज सामाजिक और राजनीति गतिविधियों मे समय गुजरेगा आप की जान पहचान भी बढ़ेगी आपको जो आपको सम्मान दिला सकता है. कुछ ऐसे काम जो आपको प्रेमज को एक नया रंग दे सकते हैं, उन्हें करने की कोशिश करें. कुछ नया शुरू करने या नई जिम्मेदारी मिलने का दिन है. आपको अपने कार्यक्षेत्र में विशेष पहचान मिलेगी. आपकी सलाह लोगों के लिए बहुत मददगार हो सकती है. वर्तमान मे बनाए हुए सम्बन्ध भविष्य मे लाभ देगे।

धनु – ये,यो,भ,मी,भू,धा,फा,बा,भे

आज दिन कुछ कमजोर गुजरेगा . परिवार में किसी बात को लेकर खींचतानी हो सकती है जिसकी वजह से आप को थोड़ी परेशानी भी होगी लेकिन कोशिश करने से समाधान निकल जाएगा और समस्याएं दूर होंगी. गृहस्थ जीवन खुशनुमा रहेगा. रिश्ते में रोमांच भी रहेगा और एक दूसरे के प्रति आकर्षण की भावना भी बढ़ेगी. प्रेम जीवन बिता रहे लोगों के लिए भी आज का दिन अच्छा रहेगा. आप अपनी बात कहने में सक्षम होंगे. यात्रा का योग बनेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज धार्मिक ग्रंथों का पठन और श्रवण करेंगे मंदिर मे देव प्रतिमा को अपने हाथों से श्रृंगार करेंगे संतान सुख की प्राप्ति होगी. परिवार के सुख-सौभाग्य में वृद्धि होगी. ऑफिस में आज किसी से बहस होने की संभावना है. आपको इससे बचकर रहने की जरूरत है. कोई झरुकी केस का फैसला आपके पक्ष में आयेगा. ऐंथ्रिकल्चर मे निवेश आपको धन लाभ देगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

महनत अच्छा परिणाम देगी शतप्रतिशत फल मिलेगा आय में वृद्धि होगी. जिस काम की आपको उम्मीद थी, आपको उसका परिणाम बहुत अच्छा मिलेगा. आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए. पारिवारिक कलह होगी इसलिए थोड़ा-सा वाणी पर संयम रखें. आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा आपको नवग्रह शान्ति करानी चाहिए।

मीन – दी,दू,थ,झ,अ,दे,दो,घा,ची

आज ऑफिस मे ओवरटाइम करना पड़ेगा.जिससे पारिवारिक तनाव बनेगा आप काम के दबाव से परेशान रह सकते हैं. करियर के मामलों में इस बात का विशेष रुप से ध्यान रखें. नकारात्मक लोगों और चीजों से दूर रहें. आप जल्दबाजी में कोई गलत निर्णय ले सकते हैं गुस्से पर नियंत्रण रखना होगा सूर्य को रक्त पुष्प और गंध युक्त जल अर्पण करें।

आज का पंचांग

दिनांक : 19 अगस्त 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद, कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी सावं 03:34 तक
नक्षत्र : अर्द्रा रात्रि 01:08 तक
योग : वज्र रात्रि 08:29 तक
करण : वालव सायं 03:34 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 06:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:38 (बंगलोर)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:31 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:29 (विजयवाड़ा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अज्ञा एकादशी व्रत

पण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिड्डू महाराज)

हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतघंटी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं

फकड़ का मन्दिर, रिकारबाग, हैदराबाद, (तेलंगाना)

9246159232, 9866165126

chidamber011@gmail.com

सरकार खेल प्रतिभा को निखारने के लिए श्रेष्ठ खेल सुविधाएं करवा रही है उपलब्ध: भजनलाल

जयपुर 18 अगस्त (एजेंसियां)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राज्य सरकार युवाओं को खेलों के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने और उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए गांवों से लेकर कस्बों तक श्रेष्ठ खेल सुविधाएं उपलब्ध करवा रही है।

श्री शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में युवा मामले एवं खेल विभाग की बजट घोषणाओं और खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025 की कार्ययोजना के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने युवा मामले एवं खेल विभाग के अधिकारियों को खिलाड़ियों के लिए उत्कृष्ट वातावरण तैयार करने के क्रम में बजटीय घोषणाओं का समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के साथ ही खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025 के सफल आयोजन के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाने के लिए निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन प्रस्तावित खेलों के आयोजन से प्रदेश में खेलों का वातावरण तैयार होगा। उन्होंने खेल विभाग को प्रदेशभर में खेल सुविधाओं के निरंतर विस्तार और आधारभूत संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण के संबंध में आवश्यक दिशा-

निर्देश भी जारी किए। उन्होंने कहा कि यह गर्व का विषय है कि प्रदेश में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन किया जा रहा है जिसमें देश-प्रदेश से हजारों प्रतिभाशाली खिलाड़ी शिरकत करेंगे। उन्होंने कहा कि उनके आवास, आवागमन, भोजन सहित आवश्यक सुविधाओं की सर्वोत्तम व्यवस्थाएं सुनिश्चित करते हुए खेलों का सफल आयोजन किया जाए। उन्होंने इस आयोजन को राजधानी जयपुर के साथ ही अन्य जिलों में भी कराने की संभावनाओं पर विचार करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि

आयोजन की तैयारियों में किसी भी स्तर पर कोताही नहीं बरती जाए और श्रेष्ठ सुझावों को समाहित करते हुए आयोजन की रूपरेखा बनाई जाए। इस संबंध में उन्होंने विभागीय अधिकारियों को पूर्व आयोजकों से भी संवाद करने के निर्देश दिए। उन्होंने खेलों के आयोजन स्थलों के लिए ऐसे खेल मैदानों का चयन करने के लिए निर्देशित किया जहां खिलाड़ियों को श्रेष्ठ सेवाएं मिल सकें। मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित गेम्स के सफल संचालन के लिए मोबाइल ऐप डिजाइन करने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि युवाओं की खेलों में अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए यथासंभव कदम उठाए जाएं।

उन्होंने प्रदेश में खेल अवसंरचना के उन्नयन पर विशेष जोर देते हुए इसे आधुनिक बनाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स से पूर्व की समयावधि में प्रदेशभर में पंचायत स्तर तक खेलों का अनुकूल वातावरण तैयार किया जाए। साथ ही, उपाखण्ड एवं जिला स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित

नगरीय विकास के प्रोजेक्ट्स को समय पर करें पूरा : शर्मा

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार राज्य के सुनियोजित विकास को गति देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है जिससे प्रदेश के सुदृढ़ बुनियादी ढांचे को गति मिली है। उन्होंने अधिकारियों को नगरीय विकास से संबंधित प्रोजेक्ट्स को समय से पूरा करने और नियमित मॉनिटरिंग के साथ गुण-वत्तापूर्ण कार्य पर फोकस करने के निर्देश दिए जिससे जनता को समय से इनका लाभ मिले। शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए ये निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि शहरों में बुनियादी नागरिक सुविधाओं को बढ़ावा दिया जाए। इसी क्रम में उन्होंने अधिकारियों को शहरी क्षेत्रों में आधारभूत संरचना, स्वच्छता, पेयजल, सड़क, सीवेज, टोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं आवास संबंधी योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान हाउसिंग बोर्ड अपनी संपत्तियों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करते हुए उपभोक्ताओं की जरूरत एवं वर्तमान प्रचलन को ध्यान में रखते हुए कार्य करें ताकि बोर्ड के राजस्व में वृद्धि हो सके। साथ ही, हाउसिंग बोर्ड निजी डेवलपर्स से प्रतिस्पर्धा करते हुए आमजन को गुणवत्तायुक्त आवास उचित मूल्य में उपलब्ध करवाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हाउसिंग बोर्ड अपनी संपत्तियों का प्रभावी प्रचार-प्रसार करे, परियोजनाओं में नवाचार लाए और इनके विकास में निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी शामिल करे ताकि आमजन को ज्यादा से ज्यादा इनका लाभ मिल सके।

करने के लिए पर्याप्त मानव संसाधन होना अति आवश्यक हैं। उन्होंने युवा मामले एवं खेल विभाग को खेल प्रशिक्षक सहित अन्य रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती करने के निर्देश दिए।श्री शर्मा ने कहा कि राज्य में

विभिन्न खेलों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने वन डिस्ट्रिक्ट वन स्पोर्ट की अवधारणा के तहत प्रत्येक जिले में एक खेल को विशेष रूप से बढ़ावा देने का फैसला किया है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किए कुंभलगढ़ दुर्ग स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर में दर्शन

राजसमंद, 18 अगस्त (एजेंसियां)।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को कुंभलगढ़ दुर्ग परिसर में आयोजित महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट की बैठक लेने के पश्चात प्राचीन नीलकंठ महादेव मंदिर में दर्शन किए। इस अवसर पर उन्होंने शिवालिंग पर जल अर्पित कर प्रदेश की खुशहाली

एवं जनकल्याण की कामना की। दर्शन उपरांत उप मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में आए पर्यटकों से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान एक नर्तकी बच्ची से उन्होंने स्नेहपूर्वक पूछा कि क्या वह महाराणा प्रताप के बारे में जानती है? बच्ची ने उत्साहपूर्वक उत्तर दिया हाँ। उप मुख्यमंत्री ने बच्ची की माता जी की प्रशंसा की और

प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हमें अपने बच्चों को हमारे इतिहास और संस्कृति और महापुरुषों के बारे में बताना चाहिए। उप मुख्यमंत्री ने बच्ची को स्नेहिल दुलार किया। उप मुख्यमंत्री के संग कुम्भलगढ़ की स्थानीय बालिकाओं और वहाँ भ्रमण पर आई पर्यटक महिलाओं ने सेल्फी ली।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पर्यटक महिलाओं को कुम्भलगढ़ जैसे शानदार पर्यटक स्थल की यात्रा की फोटो अपने सोशल मीडिया पर शेयर करने के लिए प्रोत्साहित किया। उप मुख्यमंत्री की सहजता और आत्मीय व्यवहार से वहाँ उपस्थित आम नागरिक और पर्यटक प्रभावित हुए।

सबके विकास की सोच ही भाजपा को श्रेष्ठ बनाती है : डॉ. सतीश पूनिया

चंडीगढ़, 18 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया सोमवार को रेवाड़ी और महेंद्रगढ़ जिला कार्यकारिणी की बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। डा. पूनिया ने दोनों जिला कार्यकारिणी की बैठक में भाजपा का इतिहास और विकास विषय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इन बैठकों में रेवाड़ी में जिला अध्यक्ष वंदना पोपली और महेंद्रगढ़ में जिला अध्यक्ष को यतेन्द्र राव ने बैठक की अध्यक्षता की और जिला की रिपोर्ट कार्यकारिणी में प्रस्तुत की।

मुख्य वक्ता भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने भाजपा का इतिहास और विकास विषय पर बोलते हुए कहा कि भाजपा ने देश में विकास आधारित राजनीति की नींव रखी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जिस काबिलियत से सरकार चला रहे हैं वो अदभुत है। गरीबों के सर पर पक्की

छत है। राशन की कोई चिंता नहीं है यही भाजपा सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि है। इस मौके पर डा. सतीश पूनिया ने विकसित हरियाणा के संकल्प के साथ संगठन की नव मजबूती का संकल्प भी बार भाजपा की पूर्ण बहुमत के साथ

डा. सतीश पूनिया ने कहा कि भारत को एक समर्थ राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के साथ भाजपा का गठन 6 अप्रैल, 1980 को हुआ था। भारतीय जनता पार्टी एक राष्ट्रवादी राजनीतिक दल है जो भारत को एक सुदृढ़, समृद्ध एवं शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करने के लिए कृतसंकल्प है। भाजपा ने अपनी सशक्त भागीदारी दर्ज करते हुए भारतीय राजनीति को नए आयाम दिए हैं।

डा. सतीश पूनिया ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार भारत को सुदृढ़, सशक्त, समृद्ध, समर्थ एवं स्वावलम्बी राष्ट्र के निर्माण के लिए निरंतर सक्रिय है। आज भाजपा देश में एक प्रमुख राष्ट्रवादी शक्ति के रूप में उभर

चुकी है एवं देश के सुशासन, विकास, एकता एवं अखंडता के लिए कृतसंकल्प है।

डा. सतीश पूनिया ने कहा कि 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में पहली बार भाजपा की पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनी, जो आज 'सबका साथ, सबका विकास' की उद्घोषणा के साथ गौरव सम्पन्न भारत का पुनर्निर्माण कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि सरकार के कार्य व योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने का काम करें। रेवाड़ी जिला कार्यकारिणी की बैठक में अनिल डहीना, डा. कृष्ण कुमार, लक्ष्मण सिंह यादव और सतीश खोला तथा महेंद्रगढ़ जिला कार्यकारिणी की बैठक में ओम प्रकाश यादव, पूर्व मंत्री राम बिलास शर्मा, मदन गोयल, कंवर सिंह यादव ने सेवा पखवाड़ा एवं पंच परिवर्तन, संगठनात्मक विस्तार एवं बूथ पर होने वाले कार्यक्रम, प्रदेश एवं केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

निजीकरण के नाम पर बीजेपी सरकार देश की संपत्ति को प्राइवेट कंपनियों के हाथ सौंप रही : दीपेन्द्र

चंडीगढ़, 18 अगस्त (एजेंसियां)।

दीपेन्द्र हुड्डा ने संसद में सरकार से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के अलावा अन्य बैंकों के निजीकरण की योजना और विचाराधीन बैंकों के नाम पूछते हुए उन बैंकों के विनिवेश से प्राप्त होने वाले

अनुमानित राजस्व पर सवाल किया और ये भी पूछा कि क्या सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के विलय या समेकन के किसी नए प्रस्ताव पर विचार कर रही है। इसके विषय पर वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि दो बैंकों के निजीकरण और आगे और बैंकों के विलय की संभावनाओं पर विचार कैबिनेट समिति करेगी। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि सरकार न तो बैंकों के नाम सार्वजनिक कर रही है और न ही यह बता

रही है कि कितने राजस्व की अपेक्षा है।

सरकार के जवाब से स्पष्ट है कि पूरी प्रक्रिया को गोपनीय रखकर जनता को अंधेरे में रखा जा रहा है। भाजपा राज में सरकारी संस्थाओं का निजीकरण किया जा रहा है। सरकारी बैंक में आम और

गरीब निश्चित होकर अपना पैसा डाल देता था। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी ने बैंकों का राष्ट्रीयकरण करके गरीबों के लिए बैंकों के दरवाजे खोले, जिसे बीजेपी सरकार बंद कर

रही है। कांग्रेस की आर्थिक नीति से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का लाभ आम गरीब उठाता था, बीजेपी की नीति से गरीबों को मिलने वाला लाभ अब चंद धनाढ्यों की तिजोरियों में जाएगा।

सड़कों के निर्माण और मुरम्मत में गुणवत्ता का रखा जाए विशेष ध्यान : सैनी

चंडीगढ़, 18 अगस्त (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जिला पंचकूला के पाहड़ी क्षेत्र मोरनी व कालका में लोगों को सुगम आवागमन सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए 19 गांवों के लगभग 61 किलोमीटर कच्चे रास्तों को पक्का कर पेवर ब्लॉक की सड़कें बनाने के निर्देश दिए। इन सड़कों की चौड़ाई 12 फुट होगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज यहाँ लोक निर्माण विभाग और वन विभाग के अधिकारियों के साथ विभिन्न कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर

रहे थे। उन्होंने वन विभाग से एनओसी लेकर शीघ्र इन गांवों में सड़कों के निर्माण कार्य शुरू करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मोरनी व कालका के पाहड़ी क्षेत्र के इन गांवों में सड़क बनने से वहां के निवासियों को आवाजाही के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी और इन इलाकों में विकास के नए मार्ग प्रशस्त होंगे। यहां रहने वाले निवासियों को कच्ची सड़कों से होने वाली समस्याओं से जल्द निजात मिलेगी। नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रदेश में नई सड़कों के निर्माण और मुरम्मत

में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता कतई बर्दास्त नहीं किया जाएगा। इसके अलावा, उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि तय समय सीमा में विकास कार्यों को पूरा करवाया जाए। यदि कोई कार्य को पूरा करने में देरी करता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही अमल में लाई जाए।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिला पंचकूला के थापली बधिशेर से कोटी 1.68 किलोमीटर, पिंजौर मल्लाह से मंगनीवाला 1.20 किलोमीटर और गोबिंदपुर से थाथर 5.35

हरियाणा सरकार का कर्मचारियों के हित में बड़ा फैसला हड़ताल की अवधि को माना अर्जित अवकाश

चंडीगढ़, 18 अगस्त (एजेंसियां)।

हरियाणा सरकार ने साल 2023 में हड़ताल पर गए लिपिकों के हित में बड़ा निर्णय लिया है। अब इस हड़ताल अवधि को उपार्जित अवकाश (लीव ऑफ दी काइंड ड्यू) माना जाएगा। साथ ही, हड़ताल अवधि का न तो वेतन काटा जाएगा और न ही इस अवधि को सेवा में बाधा (ब्रेक इन सर्विस) के रूप में नहीं माना जाएगा।

मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, जिनके पास वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव का कार्यभार भी है, द्वारा जारी एक पत्र में कहा गया है कि हड़ताल पर जाने से पूर्व अर्जित अथवा संचित 'अर्जित अवकाश' को सर्वप्रथम समायोजित किया जाएगा, इसके पश्चात 'हाफ पे लीव' जाएगा। अर्जित अवकाश और 'हाफ पे लीव' की कटौती के बाद भी यदि हड़ताल अवधि शेष रहती है तो अग्रिम

किलोमीटर सड़क की वन विभाग से एनओसी लेकर इन सड़कों का निर्माण कार्य भी अतिशीघ्र शुरू किया जाए। इसके अलावा, उन्होंने पानीपत से सफ़ीदों 4.1 किलोमीटर, सफ़ीदों से जींद 21.65 किलोमीटर और जिला

अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाएगा, जिसे संबंधित लिपिकों के भविष्य में अर्जित होने वाले अवकाश खाते से समायोजित किया जाएगा।

पत्र में कहा गया है कि यह छूट केवल एक बार की विशेष व्यवस्था के तौर दी जा रही है और इसे भविष्य में मिसाल के तौर पर नहीं लिया जाएगा। ये निर्देश केवल कुछ श्रेणियों के कर्मचारियों, खास तौर पर लिपिकों पर लागू होंगे, जिन्होंने उस विशेष हड़ताल में भाग लिया था। ये निर्देश अन्य किसी भी मामले में लागू नहीं होंगे। तदनुसार, विभागों में कार्यरत एसएस कैडर से सत्यापन के उपरांत वेतन जारी किया जा सकता है। इस सम्बन्ध में सभी प्रशासकीय सचिवों, विभागाध्यक्षों, सभी मंडलायुक्तों, उपायुक्तों, उप-मंडल अधिकारियों (नागरिक) और खजाना अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं।

अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरूण गुप्ता, लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग अग्रवाल सहित लोक निर्माण विभाग और वन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

बिहार चुनाव 2025 : वोटर अधिकार यात्रा पर बीजेपी का हमला

राहुल गांधी बेवजह समय बर्बाद कर रहे, जनता नकार चुकी है

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

बिहार की राजनीति विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही गरमा गई है। इसी कड़ी में राज्य सरकार के पंचायती राज मंत्री और बीजेपी नेता केदार प्रसाद गुप्ता ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव पर करारा हमला बोला है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बिहार में बेवजह घूमकर अपना समय बर्बाद कर रहे हैं। तेजस्वी यादव को बिहार और राहुल गांधी को देश की जनता पहले ही नकार चुकी है।

मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस और राजद दोनों ही जनता के भरोसे से बाहर हो चुके हैं। राहुल गांधी को देश की जनता ने और तेजस्वी यादव को बिहार



की जनता ने नकार दिया है। अब बिहार में घूमने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है। उनका जनाधार पूरी तरह खत्म हो गया है और

आने वाले विधानसभा चुनाव में जनता इन्हें पूरी तरह बाहर का रास्ता दिखा देगी।

बीजेपी मंत्री ने कहा कि बिहार



में एनडीए की सरकार ने नीतीश कुमार के नेतृत्व में जितना विकास कार्य किया है, उसका किसी अन्य सरकार ने आज तक नहीं किया।

उन्होंने दावा किया कि जनता एनडीए सरकार के कामकाज को भली-भांति देख रही है और यही कारण है कि आगामी चुनाव में विपक्ष को कोई लाभ मिलने वाला नहीं है।

मंत्री केदार ने एसआईआर (विशेष मतदाता पुनरीक्षण) पर विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे सवालों को दुर्भावनापूर्ण करार दिया। उन्होंने कहा कि यह वही लोग हैं, जिन्होंने वर्ष 2003 में इस प्रक्रिया की शुरुआत करवाई थी और अब सवाल उठा रहे हैं। दरअसल, इनका मकसद फर्जी और अवैध मतदाताओं को बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि यह रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और जनता अब इनके बहकावे में आने वाली नहीं है।

श्री जगदंबा पुस्तकालय का शताब्दी समापन समारोह धूमधाम से संपन्न



डिप्टी सीएम व राज्यपाल रहे मौजूद

लखीसराय (एजेंसियां)।

लखीसराय के बड़हिया नगर परिषद स्थित ऐतिहासिक श्री जगदंबा पुस्तकालय का शताब्दी समापन समारोह सोमवार को बड़े ही धूमधाम और गरिमायय वातावरण में आयोजित हुआ। इस अवसर पर बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खां, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा तथा विधान पार्षद संजय कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत

राज्यपाल, उपमुख्यमंत्री, जिलाधिकारी मिथलेश मिश्र और पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर की। इसके बाद राज्यपाल ने पुस्तकालय का अवलोकन किया और वहां रखी दुर्लभ पुस्तकों को देखा। उन्होंने पुस्तकालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया। इसी क्रम में राज्यपाल और उपमुख्यमंत्री ने संयुक्त रूप से 'शताब्दी दर्पण' का लोकार्पण किया। पुस्तकालय समिति की ओर से राज्यपाल और उपमुख्यमंत्री को बुके व चादर भेंटकर सम्मानित किया गया। समारोह की गरिमा को देखते हुए

जिला प्रशासन ने सुरक्षा के पुर्जा इंतजाम किए थे।

सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खां ने कहा कि बड़हिया आकर उन्हें विशेष प्रसन्नता हुई है। उन्होंने कहा कि पुस्तकें हमेशा से उनके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा रही हैं। यह गर्व की बात है कि सौ वर्ष पूर्व यहां के लोगों ने ज्ञान और जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से इस पुस्तकालय की स्थापना की थी। यह पुस्तकालय न सिर्फ पठन-पाठन का केंद्र रहा, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान राष्ट्रीय चेतना का भी प्रेरक स्थल बना।

डेंट यूनियन का जोरदार प्रदर्शन, एसडीएम कार्यालय का घेराव कर घुसे सैकड़ों लोग

सुपौल (एजेंसियां)।

11 सूत्री मांगों को लेकर सोमवार को मिथिला स्टूडेंट यूनियन ने निर्मली अनुमंडल कार्यालय के सामने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में महिला और पुरुष प्रदर्शनकारियों ने करीब तीन घंटे तक एसडीएम कार्यालय का घेराव कर नारेबाजी की। इस दौरान सैकड़ों लोग कार्यालय परिसर के भीतर भी घुस गए, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि बाद में एसडीएम के आश्वासन के बाद हंगामा शांत हुआ।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि अनुमंडल क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह से बदहाल है। उनकी प्रमुख मांगों में अनुमंडल अस्पताल की व्यवस्था सुदृढ़ करना, सरकारी स्कूलों में सीबीएसई पैटर्न लागू करना, ऑटो चालकों से



अवैध वसूली बंद करना, प्रत्येक पंचायत में खेल मैदान का निर्माण और निर्मली से मरौना मार्ग पर तीन स्थानों पर पुलिस चौकी की स्थापना शामिल है। प्रदर्शन के दौरान कई लोग अनुमंडल कार्यालय के अंदर पहुंच गए और करीब एक घंटे तक नारेबाजी की। बाद में वे बाहर आकर मुख्य द्वार पर डटे रहे। इस दौरान निर्मली एसडीपीओ राजू रंजन भी कुछ देर के लिए भीड़ में फंस गए, हालांकि बाद में उन्हें रास्ता दिया गया।

धरना स्थल पर संगठन मंत्री रणधीर झा ने कहा कि मिथिला क्षेत्र की लगातार अनदेखी हो रही

है। दरभंगा एस की घोषणा 2015 में हुई थी, लेकिन 10 साल बाद भी निर्माण शुरू नहीं हो सका। कॉलेजों और विश्वविद्यालयों का विकास भी उपेक्षित है। अब इस भेदभाव को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आंदोलन को और तेज किया जाएगा। समाजसेवी शंभु बाबू उर्फ रौशन ने आरोप लगाया कि निर्मली अनुमंडल में ऑटो और बस चालकों से अवैध वसूली खुलेआम होती है। उन्होंने कहा कि भूमिहीनों को जमीन उपलब्ध कराने में भी प्रशासन गंभीर नहीं है। धरना प्रदर्शन के बाद छात्र संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम धीरज कुमार सिन्हा से मुलाकात कर 11 सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा। एसडीएम के आश्वासन के बाद प्रदर्शन शांतिपूर्वक समाप्त हुआ।

अब इस भेदभाव को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आंदोलन को और तेज किया जाएगा। समाजसेवी शंभु बाबू उर्फ रौशन ने आरोप लगाया कि निर्मली अनुमंडल में ऑटो और बस चालकों से अवैध वसूली खुलेआम होती है। उन्होंने कहा कि भूमिहीनों को जमीन उपलब्ध कराने में भी प्रशासन गंभीर नहीं है। धरना प्रदर्शन के बाद छात्र संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम धीरज कुमार सिन्हा से मुलाकात कर 11 सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा। एसडीएम के आश्वासन के बाद प्रदर्शन शांतिपूर्वक समाप्त हुआ।

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर के कटरा प्रखंड क्षेत्र में सोमवार को हुई हृदयविदारक घटना के बाद मंगलवार को पोस्टमार्टम के उपरांत पांचों किशोरों के शव गांव पहुंचते ही कोहराम मच गया। परिजनों की चीत्कार से पूरा माहौल गमगीन हो उठा।

गांव में मातम का सन्नाटा पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जिला प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को सरकारी मुआवजा देने का ऐलान किया है। अंचल अधिकारी को आपदा प्रबंधन विभाग के तहत आगे की कार्रवाई का निर्देश दिया गया है।

यह घटना कटरा प्रखंड के खंगुरा बंधपुरा पंचायत के गोरध-गेवा पुल के पास स्थित लीची गाड़ी के पोखर की है। जानकारी के अनुसार सभी किशोर नहाने के



लिए पानी में उतरे थे। इस दौरान एक किशोर डूबने लगा। उसे बचाने के लिए अन्य साथी भी पानी में कूद गए, लेकिन सभी डूब गए। काफी देर तक जब वे घर नहीं लौटे तो ग्रामीण उन्हें खोजने

पहुंचे। पोखर के किनारे उनके चपल मिलने पर शक हुआ। तुरंत गोताखोरों को बुलाकर सभी को बाहर निकाला गया और अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने पांचों को मृत

घोषित कर दिया।

मृतकों की पहचान खंगुराडीह गांव के मो. अनस (15 वर्ष) पिता मो. शहजाद, मो. हिरादयतुल्ला (14 वर्ष) पिता मो. रेयाज, मो. हमजा अली (12

वर्ष) पिता मो. कल्लू उर्फ मुस्तफा, मो. रहमान (12 वर्ष) पिता मो. अफताब आलम और अब्बू तालीम (12 वर्ष) माता नर्गिस प्रवीण के रूप में हुई है। घटना के बाद से उनके परिवारों में कोहराम मचा हुआ है।

जिला अधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया और कहा कि यह बेहद दर्दनाक हादसा है।

मृतकों के परिजनों को आपदा प्रबंधन विभाग के नियम के तहत प्रति परिवार चार-चार लाख रुपये मुआवजा दिया जा रहा है। डीएम ने लोगों से अपील की कि बच्चों को बिना तैराक के नदी, तालाब या जलभराव वाले क्षेत्र में न जाने दें।

सावधानी बरतकर ऐसी घटनाओं की संभावना को कम किया जा सकता है।

एसएसबी और पुलिस ने किया नशे के कारोबार का भंडाफोड़



भारी मात्रा में नशीली दवा बरामद, तस्कर गिरफ्तार

मधुबनी (एजेंसियां)।

मधुबनी के हरलाखी थाना क्षेत्र के हरिने गांव में देर शाम एसएसबी और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त छापामारी कर नशे के अवैध कारोबार का बड़ा खुलासा किया है। छापामारी में पुलिस ने एक घर से भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीली दवाओं का जखीरा बरामद किया और धंधे में संलिप्त एक युवक को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार युवक की पहचान हरिने गांव वार्ड संख्या-2 निवासी दीपू कुमार झा पिता सुभाष कुमार झा के रूप में हुई है। सूत्रों के अनुसार पुलिस को

सूचना मिली थी कि हरिने गांव में लंबे समय से प्रतिबंधित नशीली दवाओं का अवैध कारोबार चल रहा है।

सूचना के आधार पर हरलाखी थानाध्यक्ष रंजीत कुमार और हरिने एसएसबी कैप की टीम ने आर-पेपी के घर को चारों ओर से घेरकर गहन तलाशी ली। तलाशी के दौरान 5560 पिस और बोतल प्रतिबंधित नशीली दवाएं बरामद हुईं।

पुलिस सूत्रों का कहना है कि हरिने गांव और नेपाल बॉर्डर का इलाका नशे के कारोबारियों के लिए सेफ जेन बनता जा रहा था। यहां से लगातार सीमावर्ती इलाकों में नशीली दवाओं की तस्करी की जा रही थी, जिसका असर क्षेत्र के युवा वर्ग पर बेहद खतरनाक

तरीके से पड़ रहा था। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह की छापामारी और कार्रवाई समय-समय पर जारी रहनी चाहिए, ताकि नशे के फैलते जाल को खत्म किया जा सके।

खुलासा यह भी हुआ है कि आरोपी एक तथाकथित मीडिया कर्मी का भतीजा है, जो लंबे समय से इस अवैध कारोबार में संलिप्त था। एसएसबी और पुलिस को गुमराह कर उनकी छवि खराब करने की भी कोशिश की जा रही थी। हरलाखी थानाध्यक्ष रंजीत कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना पर की गई संयुक्त छापामारी में भारी मात्रा में प्रतिबंधित दवाएं बरामद की गई हैं। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच की जा रही है।

विदेशी शराब देख रहा नहीं गया लोगों ने बीच सड़क पर कार के शीशे तोड़कर लूटी बोतलें



मुंगेर (एजेंसियां)। मुंगेर जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां भीड़ ने एक कार में रखी विदेशी शराब की पेटियां देख आपा खो दिया। फिर वाहन का शीशा तोड़कर शराब की जमकर लूट कर ली। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मामला तारापुर थाना क्षेत्र से महज एक किलोमीटर दूर बिहमा चौक का है। यह घटना रविवार देर रात करीब दस बजे की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, सुल्तानगंज-संग्रामपुर मुख्य पथ पर भीड़ ने एक सफेद रंग की कार को रोक लिया। वाहन के पीछे बड़ी मात्रा में शराब की पेटियां रखी हुई थी। देवगांव विषहरी पूजा को लेकर मेले की भीड़ के बीच जब लोगों की नजर शराब की खेप पर पड़ी, तो हड़कंप मच गया। भीड़ ने वाहन पर बैठे दोनों लोगों को पकड़ने की कोशिश की और पूछताछ शुरू की। इसी बीच कुछ लोगों ने वाहन के आगे-पीछे के शीशे तोड़ दिए और शराब की पेटियां लूटना शुरू कर दिया। जैसे ही शराब मिलने की खबर आसपास फैली, बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। भीड़ में शामिल लोग पेटियां उठाकर ले भागे तो कई लोग शराब की बोतलों को कपड़ों में छिपाकर भागते देखे गए। लूटपाट के इस माहौल को देख वाहन में बैठे दोनों लोग गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गए।

घटना की जानकारी मिलते ही ड्यूटी पर तैनात पुलिस मौके पर पहुंची। लेकिन पुलिस को देखते ही भीड़ वहां से छिटपुट रूप से भाग निकली। बाद में पुलिस ने वाहन को जब्त कर तारापुर थाना ले आई। वायरल वीडियो के सामने आने के बाद पूरे इलाके में इस घटना को लेकर चर्चा का बाजार गर्म है।

राहुल गांधी ने विश्व प्रसिद्ध देव सूर्य मंदिर में की पूजा-अर्चना

औरंगाबाद (एजेंसियां)।

बिहार की 'वोट अधिकार यात्रा' के दूसरे दिन सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता व कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने औरंगाबाद के विश्व प्रसिद्ध त्रेतायुगीन देव सूर्य मंदिर में भगवान भास्कर की पूजा-अर्चना की। राहुल के लिए यह अपने जीवन की विश्व प्रसिद्ध सौर तीर्थस्थल की पहली यात्रा रही, जिस दौरान उन्होंने सूर्यदेव को मल्था टेका।

इस दौरान बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष व पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, कांग्रेस के बिहार प्रदेश अध्यक्ष व कुटुम्बा के विधायक राजेश कुमार, वीआईपी पार्टी के संस्थापक व पूर्व मंत्री मुकेश सहनी एवं नबीनगर से राजद विधायक विजय कुमार सिंह उर्फ डबल्यू सिंह आदि नेता भी राहुल गांधी के साथ रहे। इस दौरान देव सूर्य मंदिर के प्रधान पुजारी राजेश पाठक ने राहुल-तेजस्वी एवं अन्य नेताओं को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सूर्यदेव की विधिवत पूजा-अर्चना कराई। वहां राहुल गांधी के सूर्य मंदिर में पूजा करने के दौरान मंदिर परिसर के बाहर उनके हजारों समर्थक सड़क के दोनों किनारों पर झंडा



बैनर के साथ मौजूद रहे।

देव सूर्य मंदिर के गर्भगृह में सूर्यदेव की पूजा-अर्चना कर मंदिर परिसर में बाहर आने पर देव सूर्य मंदिर न्यास समिति के सचिव विश्वजीत कुमार उर्फ गुड्डू राय, सदस्य व समाजसेवी लक्ष्मण गुप्ता एवं अन्य ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव को अंगवस्त्र व त्रेतायुगीन सूर्य मंदिर की बालू से बनी कलाकृति फ्रेम देकर स्वागत किया।

न्यास समिति द्वारा किए गए स्वागत-अभिर्नंदन से राहुल-तेजस्वी अभिभूत दिखे। यहां खासकर राहुल गांधी ने न्यास समिति के सदस्यों से मंदिर की

दिव्यता, अलौकिकता और प्राचीनता को लेकर बातें की।

जीवन में पहली बार देव सूर्य मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद राहुल गांधी ने मंदिर के गेस्ट विजिटर रजिस्टर में कुछ बात लिखीं। उन्होंने रजिस्टर में अंग्रेजी में ही अपना नाम और मंत्रव्य लिखा। राहुल ने लिखा 'शेंक यू फॉर ए वंडरफुल विजिट'। राहुल गांधी के विजिटर रजिस्टर में यह लिखने के आशय साफ है कि उन्हें यह सूर्य मंदिर बेहद आकर्षक लगा। देव सूर्य मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद राहुल गांधी का काफिला अगले गंतव्य रफीगंज के लिए रवाना हो गया।